जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 198 प्रभात चूरू, बुधवार 16 नवम्बर, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

122 सांसदों और विधायकों पर ई.डी. का शिकंजा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। एनफोर्समेंन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित 51 सांसदों और 71 विधायकों के विरूद्ध दर्ज किए गए मनी लॉंड्रिंग केसों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि इनमें से कितने वर्तमान सांसद और विधायक हैं और कितने पूर्व सांसद या विधायक हैं।

सेन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सी.बी.आई.) ने भी वर्तमान तथा पूर्व सांसदों व विधायकों के खिलाफ 121 केस दायर किए थे। उनमें से 51 सांसद थे, जिनमें 15 तो निवर्तमान हैं, जबकि

- ई.डी. ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिपोर्ट दी है। जिसके अनुसार 51 सांसद और 71 विधायकों, जिसमें दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी शामिल हैं, पर मनी लॉडरिंग का केस है।

पांच अन्य का निधन हो चुका है। जहां तक विधायकों की बात है, सी.बी.आई. ने 112 विधायकों की सूची दी थी, जिनमें 34 निवर्तमान तथा 78 पूर्व विधायक हैं, जबकि 9 अन्य का निधन हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय की एक याचिका पर सांसदों-विधायकों के खिलाफ चल रहे लंबित केसों के संबंध में दोनों एजेंसियों से रिपोर्ट मांगी थी। उपाध्याय की याचिका में इन केसों पर सुनवाई जल्दी निबटाने की मांग की गई थी। सीनियर एडवोकेट विजय हंसारिया ने एक अलग रिपोर्ट में कानून निर्माताओं के केसों की सुनवाई में हो रहे भारी बिलम्ब के बारे में बताया। उन्होंने कोर्ट को बताया कि कई केस तो पांच वर्ष से अधिक समय से लम्बित हैं।

प्रेस काउन्सिल ऑफ इण्डिया ने अखबारों की स्वतंत्रता के पक्ष में भारी वार किया राजस्थान सरकार पर

प्रेस काउन्सिल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रेस के बारे में व्यक्त किये गए उद्गारों के प्रति ''भारी नाराज़गी'' जताई। गहलोत ने अखबारों को, दिसम्बर 2019 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुली धमकी दी थी कि, सरकार उन अखबारों को ही विज्ञापन जारी करेगी जो सरकार की रीति-नीति व कामकाज को पूरे विश्वास से प्रसारित व प्रचारित करते हैं। गहलोत ने अपने इन विचारों को मूर्त रूप देने के लिये, राष्ट्रदूत को टारगैट किया। कई महीनों राष्ट्रदूत के दफ्तर में पुलिस भेजी, कम्प्यूटर ''सीज़'' करने की धमकी के साथ तथा लगभग तीन साल विज्ञापन बंद कर दिये। प्रेस काउन्सिल ने सरकार की अखबार को डराने की इस प्रवृत्ति की तो निन्दा की है, साथ में मूल प्रश्न उठाया है कि, सरकारी कोष किसी भी राजनीतिज्ञ की सम्पत्ति नहीं है, सरकारी विज्ञापन जारी करने की भी एक घोषित सरकारी नीति होना कानूनन जरूरी है, और उसका निष्पक्षता से क्रियान्वयन होना भी जरूरी है। प्रेस काउन्सिल की दृष्टि में गहलोत सरकार इन स्थापित मापदण्डों में खरी नहीं उतरी। अतः प्रेस काउन्सिल ने ''एक्स्ट्रीम डिस्प्लैज़र'' लिखित में व्यक्त किया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। प्रैस काउंसिल ऑफ इंडिया (पी.सी.आई.) ने मंगलवार को इस बात के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लताड़ा कि उन्होंने जनवरी 2020, अर्थात् पिछले करीब तीन साल से अपने अनुकूल खबरें प्रकाशित नहीं करने के कारण राज्य के प्रमुख हिन्दी दैनिक राष्ट्रदूत को राज्य सरकार के विज्ञापन देना बंद कर रखा है। पी.सी.आई. ने प्रथम दृष्टया उन्हें विज्ञापन जारी किये जाने के मामले में इस समाचार पत्र के प्रति भेदभाव बरतने का दोषी ठहराया।

प्रैस काउंसिल के इस ऐतिहासिक फैसले से अन्य ऐसे बहुत से अखबारों को सरकार के दमन के खिलाफ संघर्ष में मदद मिलेगी, जो, यदि सरकार की राजनैतिक सोच का अनुसरण नहीं करते हैं तो उन्हें दबाने के लिए उनके विज्ञापनों में भारी कटौती कर दी जाती है, इस प्रकार कई अखबार तो बंद होने को मजबूर कर दिए जाते हैं।

पी.सी.आई. ने राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा 16 दिसम्बर, 2019 को जयपुर की एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में दिये गये इस विवादास्पद बयान पर ''कड़ी नाराज़गी'' व्यक्त की कि ''केवल उन्हीं अखबारों को सरकारी विज्ञापन मिलेंगे, जो सरकारी स्कीमों का प्रचार-प्रसार पूरे मनोयोग के साथ करेंगे।''

पी.सी.आई. ने इसका स्वत: संज्ञान लेते हुये, राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर दिया तथा कहा कि, वह अशोक गहलोत की इस अनुचित टिप्पणी का स्पष्टीकरण दे। पी.सी.आई. ने मंगलवार को एक अंदरूनी जाँच रिपोर्ट को भी स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया है कि ''मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया यह बयान कि, विज्ञापन उन्हीं समाचार पत्रों को जारी किये जायेंगे, जो सरकारी स्कीमों का प्रचार-प्रसार करेंगे, एक ऐसा कदम है जिससे जनता के हित तथा उसके लिये महत्वपूर्ण समाचारों का प्रकाशन एवं प्रचार-प्रसार रूक जाने की संभावना है। अगर ऐसे बयानों पर अमल होता है तो इससे उन अखबारों की आर्थिक जीवन क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना है, जिन्हें संभवतया राजनैतिक कारणों से विज्ञापन नहीं दिये जायेंगे, तथा इसके चलते, जनता के हित तथा उसके लिये महत्वपूर्ण समाचारों के प्रकाशन एवं प्रचार-प्रसार करने की अखबरों की क्षमता पंगु हो जायेगी।''

''राष्ट्रदूत'' राजस्थान का तीसरा सर्वाधिक सर्कुलेशन वाला दैनिक है जिसके 8 संस्करण प्रकाशित होते हैं, लेकिन सरकारी विभागों, बोर्डों तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पी.सी.आई. ''सैंसर बोर्ड'' नहीं है गहलोत साहब'

सरकार ने पी.सी.आई. में यह दलील दी थी कि, पी.सी.आई. केवल अखबारों और न्यूज़ एजेंसी को सैंसर करने के लिए बनाई गई है

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 15 नवम्बर। अशोक गहलोत सरकार द्वारा मीडिया में स्वतंत्र अखबारों और पत्रकारों की आवाज पर ताला लगाने की कोशिशों और सामंतवादी रवैये का ''प्रैस काउन्सिल ऑफ इंडिया'' (पी.सी.आई.) ने कठोर शब्दों में आलोचना की है। पी.सी.आई. ने 15 नवम्बर को जारी अपने आदेश में स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मीडिया में ही दिये एक बयान

- राष्ट्रदूत के जवाब और पी.सी.आई. के आदेश में प्रस्तुत एतिहासिक तथ्यों ने राज्य सरकार की इस दलील की हवा निकाल दी।

कि '' हमारी (अशोक गहलोत सरकार) न्यूज छापोगे तो ही विज्ञापन मिलेंगे'' पर अत्यंत नाराजगी भी जताई है।

इस प्रकरण में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 16 दिसम्बर, 2019 को सीएम आवास पर लाइव प्रैस कॉन्फेंस के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए मीडिया को खुली धमकी देते हुए कहा था कि सरकार उन्हीं अखबारों को विज्ञापन देगी, जो सरकार की रीति-नीति के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर लिखेंगे। इस घटना को एक कमज़ोर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल संभालेंगे गुजरात में चुनाव प्रचार की कमान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। कांग्रेस ने मंगलवार को इस असमंजस की स्थिति को समाप्त कर दिया कि राहुल, ''भारत जोड़ो यात्रा'' में व्यस्त होने के कारण गुजरात में चुनाव-प्रचार करेंगे या नहीं।

राहुल का नाम प्रथम चरण के मतदान वाले चुनाव क्षेत्रों के लिये जारी की गई 40 स्टार प्रचारकों की सूची में मौजूद है।

उनके प्रचार-अभियान की तारीखें अभी नहीं बताई गई हैं। पिछले विधानसभा चुनावों में उनके गहन प्रचार-अभियान से पार्टी को लाभ हुआ था।

- भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्तता की वजह से राहुल गांधी के गुजरात के चुनाव प्रचार करने पर व्याप्त तमाम संशय को दूर कर दिया गया है। गुजरात में ए.आई.सी.सी. के 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट में राहुल टॉप पर हैं।

उनकी माँ तथा पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा उनकी बहिन प्रियंका गांधी वाड्रा भी स्टार प्रचारकों की सूची में हैं।

प्रचार-अभियान का नेतृत्व पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे।

स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल प्रमुख नेता हैं- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं भूपेश बघेल, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तथा कमलनाथ, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, ए.आई.सी.सी. महासचिव शक्ति सिह गोहिल तथा तारिक अनवर, अर्जुन मिडिवाडिया, सिद्धार्थ पटेल, जिग्नेश मेवानी तथा गुजरात-प्रभारी रघु शर्मा।

एमेज़ॉन एक बार फिर संघ के निशाने पर

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। विशाल ई-कॉमर्स कंपनी एमेज़ॉन को आर.एस.एस. ने पुनः निशाने पर लिया है। संघ से सम्बद्ध पत्रिका ''ऑर्गनाइज़र'' ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि वह देश के पूर्वोत्तर भाग में धार्मिक धर्मान्तरण के लिये धन उपलब्ध करा रही है। आर.एस.एस. से जुड़े संगठन पिछले कुछ समय से अमेज़ॉन को निशाना बना रहे हैं। इससे पूर्व, ऑर्गनाइज़र ने एमेज़ॉन पर आरोप लगाया था कि कंपनी खुदरा बाजार पर कब्जा करके छोटे व्यापारियों/दुकानदारों को जबरदस्त नुकसान पहुँचा रही है। ज्ञातव्य है कि यह समुदाय संघ परिवार तथा भाजपा का परम्परागत समर्थक रहा है। पिछले वर्ष

- संघ का आरोप है, एमेज़ॉन नॉर्थ-ईस्ट में धर्म परिवर्तन के अभियान को फाइनैंस कर रहा है।

सितम्बर में, ऑर्गनाइज़र के हिन्दी संस्करण ''पांचजन्य'' ने कंपनी पर ईसाई संगठनों की फंडिग में लिप्त होने का आरोप लगाते हुये, कथित रूप से भ्रष्ट करतूतों के मामले में एमेज़ॉन को ईस्ट इंडिया कंपनी के समान बताया था। पिछले वर्ष दिसम्बर में, स्वदेशी जागरण मंच ने एक प्रस्ताव पारित कर माँग की थी कि एमेज़ॉन तथा फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स फर्मों को दी गई तमाम अनुमतियाँ एवं स्वीकृतियाँ वापस ले ली जायें। एस.जे.एम. ने कहा था कि इन फर्मों द्वारा दिये जाने वाले डिस्काउन्ट आस पास की किराने की दुकानों पर प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। सितम्बर की इससे पूर्व की रिपोर्ट में, ऑर्गनाइज़र ने आरोप लगाया था कि ''आल इंडिया मिशन (ए.आई.एम.), जो एमेज़ॉन से जुड़ा हुआ बताया जाता है, ने झारखंड में दो मोर्चे खोल रखे हैं तथा इसके संस्थापक ''भारत एवं केन्द्र सरकार को बदनाम करने का निष्ठुर अभियान'' चला रहे हैं।''

एमेज़ॉन पर यह नया हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब कंपनी की आय घट रही है तथा रिपोर्ट बता रही हैं कि एमेज़ॉन मोटे तौर पर अपने 10,000 कर्मचारियों की छँटनी की योजना बना रही है तथा छँटनी की यह प्रक्रिया इसी सप्ताह शुरु होने की संभावना है। अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरदारशहर से भाजपा ने अशोक पिंचा को उतारा

जयपुर, 15 नवंबर। भाजपा ने सरदार शहर विधानसभा उपचुनाव के लिए अशोक कुमार पिंचा पर ही एक बार फिर भरोसा जताया है। पिंचा वर्ष 2018 में भी पार्टी के प्रत्याशी रहे थे। भाजपा

- अशोक पिंचा अब तक चार बार चुनाव हार चुके हैं ऐसे में उन्हें टिकट दिए जाने से भाजपा में अटकलों का दौर शुरू हो गया है।

की केन्द्रीय चुनाव समिति ने अशोक कुमार पिंचा को पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ में भी उपचुनाव वाली सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टी.आर.एस. व भाजपा में नयी होड़ शुरू हुई तेलंगाना में

भाजपा ई.डी. का इस्तेमाल कर रही है, तो टी.आर.एस. अपने जी.एस.टी. स्टाफ का

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। तेलंगाना में चल रही राजनैतिक लड़ाई में, सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दल, तेलंगाना राष्ट्र समिति भी विधायक एवं नेताओं को छीनने के मामले में अपनी मुख्य प्रतिद्वंदी भाजपा से कम नहीं पड़ रहीं है। नेताओं को चुराने का उद्देश्य, अगले वर्ष दिसम्बर के अन्त में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले एक ऐसा वातावरण बना देना है कि संबंधित पार्टी नेताओं की पसंदीदा पार्टी है।

ऐसा प्रतीत होता है कि सत्तारूढ़ टी.आर.एस., भाजपा की नकल करते हुये एक ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रही है कि उसकी प्रतिद्वंदी पार्टी (भाजपा) भ्रष्ट है। टी.आर.एस. यह आरोप लगा रही है कि भाजपा उसके

- इस स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य है, विधायकों को डरा धमका कर या प्रलोभन देकर अपने खेमे में लाना।
- यह स्पर्धा शुरू हुई, भाजपा के मुनुगोडे के उपचुनाव में अच्छे प्रदर्शन से, भाजपा बहुत कम वोटों से हारी यह उपचुनाव।

विधायकों को खरीदने के लिये पैसा काम में ले रही है। बताया जाता है कि भाजपा के नजदीकी लोगों द्वारा अपने चार विधायकों को लुभाये जाने के आरोपों की जाँच की मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव स्वयं कर रहे हैं।

और तो और, तेलंगाना सरकार के जी.एस.टी. अधिकारियों ने भी भाजपा नेता कोमाति रेड्डी राजगोपाल रेड्डी के बेटे के व्यावसायिक ठिकानों पर छापे मारे हैं। मुनुगोडे विधानसभा उपचुनावों, जिनमें भाजपा मामूली अंतर से हारी थी, के चन्द दिन बाद, राज्य सरकार के जी.एस.टी. विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को भाजपा प्रत्याशी कोमाति रेड्डी राजगोपाल रेड्डी के बेटे संकीर्त रेड्डी के पोस्ट बंजारा हिल्स-स्थित व्यावसायिक परिसरों पर छापे मारे थे। जी.एस.टी. जाँचकर्ताओं की 20 टीमों, जिनमें करीब 150 अधिकारी थे, ने भाजपा नेता के बेटे द्वारा संचालित सुश्री इन्फ्रा एंड माइनिंग के परिसरों पर छापे मारे थे। ये छापे टी.आर.एस. की एक शिकायत पर मारे गये थे, जिसमें यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अन्ततोगत्वा रिपब्लिकन पार्टी में ट्रम्प का ''चैलेंजर'' उभरा, 2024 के राष्ट्रपति के उम्मीदवार के रूप में

फ्लोरिडा के गवर्नर के हाल ही में हुए चुनाव में रॉन डीसैन्टिस न केवल गवर्नरी जीते, बल्कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में ट्रम्प के आगे निकले

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैन्टिस घबराहट पैदा कर सकते हैं क्योंकि अमेरिका में वर्ष 2024 में होने जा रहे राष्ट्रपति पद के चुनाव में वह रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों की दौड़ में अगुवा बन कर उभरे हैं। एक नया सर्वेक्षण दर्शाता है कि राष्ट्रपति के लिए अगले चुनाव में डैमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी के सामने डीसैन्टिस को रिपब्लिकन पार्टी के चुनौतीकर्ता के रूप में चुने जाने की संभावनाएं स्पष्ट लग रही हैं।

यूजीओवी अमेरिका का एक सर्वेक्षण दर्शाता है कि पिछले हफ्ते हुए मध्यावधि चुनाव में, फ्लोरिडा के गवर्नर ने ग्राण्ड ओल्ड पार्टी (जी.ओ.पी.) रिपबल्किन्स की ओर एकतरफा जीत दर्ज कर स्वयं को सुपरस्टार साबित किया है। चुनाव से प्रकट होता है कि डीसैन्टिस पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को 7 प्रतिशत पीछे धकेल रहे हैं।

यूजीओवी अमेरिका सर्वेक्षण ने 15 सौ वोटर्स से पूछा कि वे वर्ष 2024 में राष्ट्रपति चुनाव में किसे रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख उम्मीदवार के रूप में देखना चाहेंगे। बियालीस प्रतिशत रिपब्लिकन वोटर्स ने इसके लिए

- नवीनतम सर्वे के अनुसार, रिपब्लिकन पार्टी के केवल 35 प्रतिशत लोग ट्रम्प को उम्मीदवार के रूप में देखना चाहते हैं, जबकि डीसैन्टिस के पक्ष में 42 प्रतिशत रिपब्लिकन हैं।
- महिलाओं में भी ट्रम्प का समर्थन करने वाली लेडीज़ केवल 15 प्रतिशत हैं, जबकि डीसैन्टिस को 22 प्रतिशत महिलाओं का समर्थन प्राप्त है।
- डीसैन्टिस की बढ़ती लोकप्रियता से ट्रम्प, स्वाभाविक ही है, ज्यादा खुश नहीं हैं। उन्होंने कटाक्ष किया कि, डीसैन्टिस के पास ''लो-अप्रूवल'' (नगण्य समर्थन) व ''नो मनी'' (पैसा नहीं) है।

डीसैन्टिस को चुना जबकि 35 प्रतिशत रिपब्लिकन वोटर्स ने ट्रम्प को चुना।

रिपब्लिकन्स के 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वोटर्स में डीसैन्टिस पूर्व राष्ट्रपति की तुलना में अधिक लोकप्रिय साबित हुए हैं। इनमें 16 प्रतिशत वोटर्स गवर्नर डीसैन्टिस को प्राथमिकता देते हैं। विशेष यह भी है कि डीसैन्टिस ने महिलाओं के 22 प्रतिशत वोट प्राप्त किए, जबकि ट्रम्प को उनकी तुलना में महिलाओं के सिर्फ 15 प्रतिशत ही मत प्राप्त हुए।

मध्यावधि चुनावों के बाद ट्रम्प डिसान्टिस की आलोचना करते रहे हैं, हालांकि उन्होंने कहा कि उन्होंने चुनाव में उनका समर्थन किया, जबकि ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''ट्रूथ सोशल'' पर गवर्नर रॉन को ''डिसैक्टिमॉन्यस'' बताते हुए कहा था कि वर्ष 2018 में हुए गवर्नर पद के चुनाव में उन्होंने डैमोक्रेट प्रत्याशी एन्ड्रयू गिलम के विरूद्ध जीत दर्ज करने में डीसैन्टिस की मदद की थी।

ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने यह भी कहा कि ''रॉन के प्रति जनता का समर्थन बहुत कम था, उनका चुनावी करियर खराब था और उनके पास धन नहीं था, लेकिन रॉन ने मुझसे कहा कि यदि मैं उनका समर्थन करूं तो वह जीत सकते हैं।''

इस बीच फॉक्स न्यूज की रायशुमारी स्तम्भकार लिज़ पीक ने पूर्व राष्ट्रपति को मध्यावधि चुनाव का ''बिगैस्ट लूज़र'' बताते हुए उनकी भर्त्सना की और कहा कि यदि वह वर्ष 2024 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ते हैं तो वह रिपब्लिकन पार्टी की संभावनाओं को और नुकसान पहुंचाएंगे।

पीक ने लिखा कि ''वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकलन पार्टी का नामांकन प्राप्त करने में ट्रम्प कोई भी तिकड़म आजमाने को तत्पर रहेंगे और ''यदि वह ऐसा करेंगे तो वे अपनी ही पार्टी में अपने प्रति नफरत और घ्रणा को और मजबूत करेंगे तथा ऐसा करके वह डैमोक्रेट्स को परास्त करने की रिपब्लिकन्स की संभावनाओं को एक बार धूमिल कर देंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रह कर ही काम कर सकता है। –सरदार पटेल

संवैधानिक व लोकतान्त्रिक आस्थाओं के तिरोहित होने का समय

देश के विभिन्न प्रदेशों में राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच रार-तकरार के किस्सों से पिछली आधी सदी का इतिहास भरा पड़ा है। अनेकों बार यह सवाल उठाया जाता रहा है कि राज्यपाल संस्था की क्या कोई उपयोगिता भी है? संविधान के प्रावधान अनुसार कि वे राज्य मंत्रीमंडल की सलाह पर ही काम करेंगे का यदि अक्षरश: पालन किया जाय तो फिर उनके पास अपने विवेक से करने को क्या रह जाता है? संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान सभा में स्पष्ट कहा था कि राज्यपालों के पास मंत्रिपरिषद के फैसलों को रद्द करने की शक्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा था "पहली बात जो मैं सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं वह यह है। संविधान के तहत राज्यपाल के पास कोई कार्य नहीं है जिसका वह स्वयं निर्वहन कर सकता है: कोई कार्य बिल्कुल नहीं...। तो क्या राज्यपाल केवल अलंकारिक पद है? यह भी सच है कि संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल का पद निर्वाचित पद नहीं रखा। वह केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त व्यक्ति होता है। इस पद को निर्वाचित न बना कर नियुक्ति वाला बनाने के पीछे संविधान निर्माताओं की यही मंशा थी कि राज्यों में शक्ति या सत्ता के दो केंद्र न बन जाएं। उनके मन में कहीं यह जरूर रहा कि समाज में अनेकों ऐसे लोग हो सकते हैं जो सक्रिय राजनीति से कोई वास्ता न रखते हों और राजनीति की उठापटक से दूर अपने काम में लगे रहते हुए ऐसा कुछ करते रहते हों जिससे वृहद समाज समृद्ध होता है। ऐसे लोगों की चुनावी चौसर खेलने में कोई रुचि नहीं होती। ऐसे प्रबुद्ध लोगों के ज्ञान और अनुभव का लाभ शासन को मिले तो वैसे अनुभवी लोगों को राज्य प्रमुख के अलंकारयुक्त पद पर बिठाया जाय जिनकी रोज़मर्रा के शासन के काम-काज में तो कोई भूमिका न हो मगर उनकी उपस्थिती और उनका नैतिक नेतृत्व लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना की राह प्रशस्त कर सके। संविधान निर्माता शायद मान कर चल रहे थे कि निर्वाचित प्रतिनिधि जो सदन में बहुमत के आधार पर सरकारें बनायेंगें वे तथा उनके प्रमुख लोकतान्त्रिक आदर्शों से सरोबार होंगे। परंतु समय के साथ संवैधानिक आदर्श स्थिति और व्यावहारिक राजनीति में दूरियां इतनी बढ़ती गई कि राज्यपाल और राज्य शासन के बीच विवाद अप्रीतिकर स्थितियां पैदा करने लगे। इन हालात को अब दक्षिण भारत के राज्यों में देखा जा रहा है। इसे कुछ समय पहले तक पश्चिम बंगाल में भी देखा था। राजस्थान में भी हम राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच तनातनी के हालात देखते रहते हैं। हाल ही में हमने देखा राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही आहूत करने में राज्यपाल की राजनीति को परास्त करने के लिए यहां सदन का एक सत्र पूरा होने पर उसके अनिश्चित काल के लिए सत्रावसान की कार्यवाही इसलिए नहीं की गई कि कहीं जरूरत पड़ने पर सदन के कार्यवाही आहूत करने से राज्यपाल बाधा न डाल दे। राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच ऐसी आपसी पटखनियों की संविधान निर्माताओं ने सपने में भी कल्पना नहीं की होगी।

जब तक देश में एक ही पार्टी कांग्रेस का रुतबा और दबदबा बना रहा तब तक ऐसे हालत बनने की नौबत नहीं आई क्योंकि राज्यपाल और सरकारें एक ही राजनैतिक दल के होते थे। परंतु अब भारतीय लोकतंत्र में भाजपा के प्रतिष्ठापित होने और कांग्रेस द्वारा अपना खोया हुआ वैभव पुन: प्राप्त करने की जद्दोजहद के बीच राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच दंगल जैसे हालत बन गए हैं। संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफ़ारिश पर की जाती है। राज्यपाल की नियुक्ति के सम्बन्ध में दो प्रकार की प्रथाएं बन गयी थीं कि किसी व्यक्ति को उस राज्य का राज्यपाल नहीं नियुक्त किया जाएगा, जिसका वह निवासी है तथा राज्यपाल की नियुक्ति से पहले सम्बन्धित राज्य के मुख्यमंत्री से विचार-विमर्श किया जाएगा। यह प्रथा 1967 तक तो चली लेकिन उस साल के चुनावों में जब कुछ राज्यों में गैर कांग्रेसी सरकारों का गठन हुआ, तब दूसरी प्रथा को समाप्त कर दिया गया और मुख्यमंत्री से विचार विमर्श की बजाय सिर्फ सूचना दी जाने लगी। कांग्रेस के वैभव काल में ही राज्यपाल पद पर संविधान निर्माताओं की मंशा के विपरीत राजनैतिक आधार पर नियुक्तियां होने लगी जो बाद में स्थायी परंपरा ही बन गई। अपनी राजनीतिक पारी में बीत चुके या बाहर धकेल दिये राजनेता राज्यपाल नियुक्त होने लगे। उधर सरकारों में बैठे निर्वाचित प्रतिनिधि भी सिर्फ और सिर्फ अपनी कुर्सी के लिए हो गए जिसे बचाने के लिए वे अपने प्रतिद्वंदियों को समूल मिटा देने को आमादा नज़र आने लगे। ऐसे में राजनीति की चौसर की चालें राजभवन तक पहुंचने लगी तो इसमें क्या आश्चर्य है। जब केंद्र और राज्य में अलग-अलग दलों की सरकारें होती हैं तब यह दंगल भयानक हो जाता है। यह सब होता है आम जनता की बेहतरी उसके विकासके नाम पर। मगर यह विकास हमेशा दिवास्वप्न ही बना रहता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि राजनीति आज ज्यादातर ऐसे लोगों को आकर्षित करती है जिनमें सरपरस्त बनने का लालच होता है। ऐसा बनने के लिए राजनीति और आर्थिक संस्कृति में नीतिभ्रष्टता और कुटिलता जरूरी औज़ार होते हैं। ऐसी संस्कृति में सने राजनेता उस गरीब के प्रति असंवेदनशील होते हैं जिसके पास काम नहीं है और न दो जून रोटी का जुगाड़।ऐसे राजनेताओं ने जरूर सीख लिया है कि किस प्रकार अपनी लुभावनी बातों, सार्वजनिक वक्तव्यों तथा भाषणों से अपने असली रूप को छुपाये रखा जाय ताकि बहुसंख्यक मज़लूमों के वोट उन्हें मिल सकें और वे सत्ता में पहुंच कर अपना और अपनों का हित साध सकें। आज़ादी के बाद जिस तरह के लोकतान्त्रिक नेतृत्व, शासन और समाज की कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने की थी उसको ध्वस्त होने में आज़ादी के बाद अधिक देर नहीं लगी। एक पूरे युग की भ्रष्ट सामंती व्यवस्था हमें विरासत में मिली थी जिसे बदल कर असली गणतंत्र की स्थापना की आज़ादी के बाद कोई कोशिश नहीं हुई। हम भारत के लोग उसे अपनी नियति मान कर स्वीकार करते चले गए। आजादी के अमृत काल के आते-आते राजसत्ता को निजी सत्ता की तरह इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति कम होने की बजाय बढ़ती ही गई है।

> **संविधान निर्माता शायद मान कर चल रहे थे कि निर्वाचित प्रतिनिधि जो सदन में बहुमत के आधार पर सरकारें बनायेंगें वे तथा उनके प्रमुख लोकतान्त्रिक आदर्शों से सरोबार होंगे। परंतु समय के साथ संवैधानिक आदर्श स्थिति और व्यावहारिक राजनीति में दूरियां इतनी बढ़ती गई कि राज्यपाल और राज्य शासन के बीच विवाद अप्रीतिकर स्थितियां पैदा करने लगे।**

आज़ादी के बाद हम भारत के लोग ऐसा राजनैतिक नेतृत्व नहीं खड़ा कर सके हैं जो प्रशासन तंत्र को देश के आम जन के प्रति संवेदनशील बना सके। वास्तव में इसका उल्टा ही हुआ। सत्ता में आना ही सबका लक्ष्य होचला है क्योंकि इससे उन्हें अपने और अपनों के हित साधने की ताकत मिलती है। सत्ता से बाहर रह गए सभी अगले चुनावों का इंतज़ार इसलिए नहीं करते कि उन्हें आम जन के लिए कुछ करना है बल्कि इसलिए करते हैं कि अब तक दूसरों ने अपना घर भरा अब उनकी बारी है। इसीलिए सत्ता में बैठे लोग भले ही वे किसी भी विचारधारा के हों प्रशासन तंत्र को तुष्ट करके चलते हैं। एक समय प्रतिबद्ध कार्यपालिका की वकालत की गई। वह मांग वैचारिक आधार पर थी। मगर तब से अब तक गंगा में मैल की न जाने कितनी धाराएं जा कर मिलती चली गई है। अब कार्यपालिका के लोग सच में प्रतिबद्ध होने लगे हैं। यह प्रतिबद्धता जनहित में वैचारिक स्तर पर नहीं होती बल्कि पूरी तरह शीर्ष राजनैतिक नेतृत्व दे रहे व्यक्ति के प्रति होती है। ऐसी हालत में राजनेता और नौकरशाहों के बीच गठबंधन बन जाता है। इसमें जाति की भूमिका भी जुड़ जाती है। एक ऐसी व्यवस्था बन जाती है जिसमें कानून और नियम सिर्फ राज में बैठे लोगों के लिए होते हैं। इस तंत्र में विधिवत बने कानून की नहीं सत्ता और तंत्र में बैठे लोगों की मर्जी की चलती है। राज्यपाल पद पर बैठे लोग भी इसके अपवाद नहीं रहे हैं। आकंठ राजनीति में डूबा कोई व्यक्ति जब इस संवैधानिक पद पर बिठाया जाता है तब उससे यह अपेक्षा करना व्यर्थ है कि वह अपना चरित्र बदल लेगा। राज्यपालों ने अब विश्वविद्यालयों के मामलों में अपनी सक्रिय भूमिका खोज ही ली है। राज्यपाल पद पर बैठा व्यक्ति राज्य के विश्वविद्यालयों का पदेन कुलाधिपति होता है और उसका विश्वविद्यालयों के रोजमर्रा के कामकाज में दखल आम हो चला है। कुलपतियों की नियुक्तियों में भी वह दखल देता है। इसी कारण अनेक दक्षिणी राज्यों में मुख्यपर्यात्रियों के साथ उनके संबंध इस हद तक बिगड़ गये हैं कि वहां कानून बदल कर राज्यपाल का विश्वविद्यालयों के काम में हस्तक्षेप को खत्म करने की नौबत आ गई है। इसीलिए यह यह सवाल फिर उठने लगा है कि राज्यों में राजभवनों की कोई जरूरत भी है?

वर्ष 1966 में केंद्र सरकार ने मोरारजी देसाई की अध्यक्षता में प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन किया गया था। उस आयोग ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की थी कि राज्यपाल के पद पर किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त किया जाना चाहिये जो किसी दल विशेष से न जुड़ा हो। परंतु उस सिफारिश पर कभी कोई चर्चा ही नहीं की गई क्योंकि वह दलीय राजनीति को रास नहीं आई। मगर अब समय आ गया है कि राज्यपाल के कार्यालय से जुड़ी शक्तियां और उनके विशेषाधिकार की जवाबदेही निर्धारित हो तथा उनके कामकाज को पारदर्शी बनाया जाय। साथ ही राज्यपाल अपने दायित्वों का किस प्रकार उचित निर्वहन करें उसके लिये आमसहमति से 'आचार संहिता' विकसित की जानी चाहिये और राज्यपाल की विवेकाधीन शक्तियों पर अंकुश लगाया जाना ही श्रेयकर होगा।

–अतिथि संपादक
राजेंद्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

पांच सितारा जेल

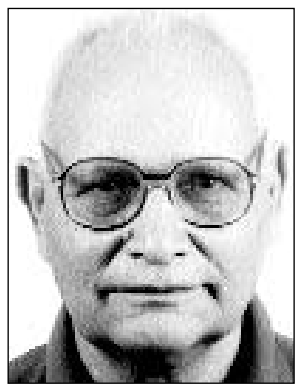

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

बेटी के पास अमेरिका आये हुए थे, उससे मिलने। उसके साथ कुछ दिन रहने। बिटिया शादी के बाद अमेरिका आ गई थी। कंवरसाब यहीं एक बड़ी आईटी कंपनी में कार्यरत थे। हम अमेरिका पहली बार आये थे। सच में तो विदेश ही पहली बार आये थे। बेटी का घर और रहन-सहन देख कर बड़ा अच्छा लगा। अपना आलीशान घर, कार, फ्रीज, वाशिंग मशीन, डिश वाशर, आधुनिक मोडयूलर किचन, बड़े स्क्रीन वाला कलर टेलीविजन, कम्प्यूटर आदि आदि सब सुविधायें। हमारे लिए काफी कुछ नया और भव्य। उनकी आय अच्छी थी। अमरीकी जीवन शैली रास आ रही थी। सप्ताह के 5 दिन काम करना और वीक एण्ड पर एन्जोय करना, दोस्तों के साथ सैर-सपाटे, घूमना-फिरना, पिकनिक, पार्टी, पिक्चर। घूमों-फिरो, खाओ-पिओ, मौज-मस्ती करो। बिटिया भी काम करती थी। कार चलाती थी। वीक डेज पर हमें ले जाते। बड़े बड़े मॉल, बाजार, लाईब्रेरी, मैकडोनल्ड, आइसक्रीम पार्लर, ग्रोसरी शॉप, पिकनिक स्थल, रमणीय स्थान।

शाम को कंवरसाब घर लौटते ही चाय का प्याला ले, डाक देखते। फ्री कूपन और सेल आदि के नोटिस निकाल कर बताते और किस चीज के इन्स्टालमेण्ट ड्यू के नोटिस आये हैं अलग करते। कौन से इन्स्टालमेण्ट ड्यू हैं, कोई बड़ा इन्स्टालमेण्ट तो ड्यू नहीं, की चर्चा करते। मैंने पूछा तो बताया कि यहाँ सभी साधन, यहां तक कि फ्रीज और वाशिंग मशीन भी, लोन पर लेने की सुविधा है। ईजी मन्थली इन्स्टालमेण्ट में चुकाना होता है। पूरा चुकाने पर ही मालिकाना हक मिलता है, तब तक वह रेहन पर। उसे काम में लेने, भोगने का अधिकार आपका। बड़ा व्यवस्थित काम है। इन्स्टालमेण्ट समय पर नहीं चुकाओ तो वसूली करने वाले घर आकर सामान जब्त कर ले जायेंगे और आपको ब्लेकलिस्ट कर देंगे। हालांकि ऐसी नौबत नहीं आती। आप सचेत रहते हैं। सजग रहते हैं। ऐसा मौका कभी न आये। आप इसके लिए प्लान करते हैं। सुविधायें जुटाने और भोगने कि लिए यह आपके कार्य का अनिवार्य हिस्सा होता है, जीवनयापन का अंग।

यह भोग की संस्कृति है जिसे लोग सहर्ष अंगीकार करते हैं। ऋण चुकाना (डेट सर्विसिंग), खपना जीवनशैली का अंग। हर चीज की कीमत चुकानी होती है। सुख सुविधा भोगने के लिए इच्छाओं की दासता।

मुझे याद आता है गांव में एक सम्पन्न व्यक्ति के लिए किसी का कथन, "ओ क्यां को सेठ, ई को घर तो गिरवी पड्यो है।"

अमेरिका से लौट कर मैने एक कविता लिखी थी–

अमरीका में जिंदगी पांच सितारा जेल
सुख सुविधायें खूब हैं, लेकिन सभी उधार,
जीना भी रुजगार है, जीवन मुक्त बाजार,।
सुख सुविधा से पूर्ण सब, घर, मोटर, बाजार,
वातानकूलित बंद सब, कांच ढके, बेजार।
घर के दरवाजे खुले, सीधे कारों पास,
कारों भीतर जिंदगी, लंबा कारावास।
घर के बाहर कुदरती, यद्यपि खिली बहार,
बस खिड़की से देखलो, बंद कांच के पार।
सड़कें भी सुंदर बहुत, स्वच्छ नील आकाश,
वातानुकूलित कार में, छनी हवा का वास।
भौतिक सुख के दास सब, माया का सब खेल,
अमरीका में जिंदगी पांच सितारा जेल।

एक ओर अमरीका की उधार, भोग-विलास की संस्कृति, औवर सेनिटाइज्ड, रेजिमेंटेड जीवन शैली, और दूसरी ओर शेखावाटी, राजस्थान की बचत (थ्रिफ्ट) की संस्कृति और नैसर्गिक, स्वच्छन्द जीवन। क्या तुलना करें, वैसे अपनी-अपनी जगह सभी ठीक हैं, सुख के आधार अपने अपने। फर्क सुख की अवधारणा का है।

भौतिक सुख, सुख का आधार सुविधायें, अमारीकी जीवन शैली का कोई मुकाबला नहीं। हमें भी कुछ दिन बड़ा अच्छा लगता है, उनके सुख में भागीदार हो कर। बच्चों पर गर्व मिश्रित आनन्द। फिर अकेलापन हावी हो जाता है, अपने नीड़ में लौटने की छटपाटाहट तारी हो जाती है। अधिक सुख मिलता है जब बच्चे यहां आते हैं, पारिवारिक जश्न का आनन्द, सुख।

– डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

(17 नवंबर - मानगढ़ धाम शहादत दिवस)

मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित नहीं किया जाना आश्चर्यजनक

पन्नालाल मेघवाल

- **शहादत के सौ वर्ष 17 नवंबर 2012 को पूर्ण होने पर राज्य सरकार ने यहां शताब्दी समारोह का आयोजन किया**

देश को अंग्रेजी शासन, जागीरदारों एवं जमींदारों के अत्याचारों से आजादी दिलाने के लिए संत गोविंद गुरु ने 17 नवंबर 1913 को मानगढ़ पहाड़ी पर आदिवासी भगतों की सत्संग सभा आयोजित की थी। इस सभा पर अंग्रेजी फौज ने बंदूकों से अंधाधुंध गोलियां बरसाई जिससे लगभग 1500 आदिवासी भगत शहीद हो गए थे।

मानगढ़ पहाड़ी जनसंहार के 6 वर्ष बाद 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में एक शांति सभा पर ब्रिगेडियर जनरल डायर ने अंग्रेजी फौज से बरबस गोलियां चलवाईं जिससे लगभग 750 निर्दोष लोग शहीद हो गए थे। मानगढ़ पहाड़ी आदिवासियों का जनसंहार जलियांवाला बाग जनसंहार से अधिक बड़ा, वीभत्स और बर्बर था लेकिन आश्चर्य यह है कि केंद्र सरकार द्वारा जलियांवाला बाग को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया गया लेकिन मानगढ़ धाम को अभी तक राष्ट्रीय स्मारक घोषित नहीं किया गया है।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानगढ़ धाम पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने व सीएम गहलोत के कार्यक्रम में उपस्थित रहकर मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग के बाद भी मानगढ़ धाम राष्ट्रीय स्मारक घोषित नहीं हुआ, यह आश्चर्यजनक है।

आदिवासी जिले डूंगरपुर के बांसिया (बेडसा) गांव में 30 दिसंबर 1858 को बनजारा जाति में जन्मे गोविंद गुरु ने किशोरावस्था से आदिवासी भील समाज में सुधार आंदोलन की अलख जगाई। आदिवासी भीलों एवं मीणों की बिखरी हुई भोली किंतु पिछड़ी जनता को संगठित कर गोविंद गुरु ने स्वामी दयानंद सरस्वती के संपर्क में स्वदेशी मंत्र की दीक्षा लेकर, उन्हीं के उपदेशों और विचारों से प्रेरित होकर 1883 में संप सभा की स्थापना की।

संप सभा के माध्यम से गोविंद गुरु आदिवासी भील समाज में भक्ति भाव एवं देश प्रेम का जज्बा फैलाते। गोविंद गुरु से आदिवासी भील समाज इतना प्रभावित हुआ कि उनका हर शब्द उनके लिए अलिखित कानून बनने लगा। गोविंद गुरु के सुधारवादी आदिवासी भील अनुयाई भगत कहलाने लगे। लेकिन दुर्भाग्य से इस संगठन को अंग्रेजों ने विद्रोहियों का समूह समझा।

राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात के इलाकों के बीच अवस्थित मानगढ़ पहाड़ी पर गोविंद गुरु ने सन् 1903 में मेले की शुरुआत की। संप सभा के तत्वावधान में लाखों की संख्या में लोग मेले में जुटते तथा समाज सुधार कार्यों का लेखा-जोखा करते थे। इन्हीं मेलों की श्रृंखला में 17 नवंबर 1913 को मगसर पूनम मेले में लाखों आदिवासी भील भगत जमा हुए थे।

कर्नल शटन के आदेश पर अहमदाबाद, बड़ौदा एवं गोधरा से बुलाई गई फौजों ने मानगढ़ पहाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। यह फौज बंदूकों, तोपों और मशीनगनों से लैस थी। मानगढ़ मेले में संप सभा को गोविंद गुरु संबोधित कर रहे थे। अचानक कर्नल शटन ने फायर का आदेश दिया। बंदूकों, तोपों और मशीनगनों से उगलती आग ने आदिवासी भगत भीलों को भून दिया। महज पन्द्रह बीस मिनट के इस तूफान में मानगढ़ पहाड़ी लाशों से पट गई। इस गोलीकांड में लगभग डेढ़ हजार आदिवासी भील भगत मारे गए तथा हजारों घायल हुए।

गोविंद गुरु के पांव में गोली लगी, वे अंग्रेजों की हुकूमत की इस बर्बरता को देखकर फूट-फूटकर रो पड़े। सैनिकों ने उन्हें बंदी बना लिया तथा अहमदाबाद की सेंट्रल जेल में ले गए। अंग्रेजों तथा उनके दरबारी राजाओं ने गोविंद गुरु पर अलग आदिवासी भील राज्य बनाने के षड्यंत्र का आरोप लगाया। उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई। उनके प्रमुख साथी पूंजा धीरजी भगत को आजीवन कारावास की सजा हुई। कुरिया भगत को भी सजा हुई। अहमदाबाद जेल में अच्छे चलन तथा विनम्रता के कारण गोविंद गुरु की फांसी रोक दी।

दस वर्ष के कारावास के बाद उन्हें जेल से तो रिहा किया लेकिन राजस्थान आने पर रोक लगा दी। गोविंद गुरु ने जेल से छूटकर पहले जालोद और बाद में कंबाई में जाकर भील चेतना का काम जारी रखा और 30 अक्टूबर 1931 को इस दुनिया से विदा हो गए। मानगढ़ पहाड़ी पर बना स्मारक गोविंद गुरु तथा अनाम शहीदों की स्मृति को जिंदा रखे हुए हैं। मानगढ़ की पवित्र धूणी पर मार्गशीर्ष की पूर्णिमा पर विशाल मेला भरता है। यहां लोग गोविंद गुरु की धूणी पर हवन और भजन कीर्तन कर उन्हें नमन करते हैं।मानगढ़ पहाड़ी शहादत के सौ वर्ष 17 नवंबर 2012 को पूर्ण होने पर राज्य सरकार ने यहां शताब्दी समारोह का आयोजन किया। इस बलिदान में शहीद हुए सभी आदिवासी भगतों को श्रद्धांजलि एवं शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र चढ़ाकर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

कम बारिश से इस बार प्रदेश में ग्वार की फसल की कम हुई पैदावार

एक करोड़ बोरी ग्वार होने की उम्मीद थी लेकिन 75 लाख बोरी ही उत्पादन हुआ

बीकानेर, (कासं)। अगस्त और सितंबर में कम बारिश होने के कारण इस बार प्रदेश में ग्वार की फसल कमजोर हुई है। फसल कमजोर होने से पिछले 10 दिनों से ग्वार के भावों में 700 रुपए क्विंटल और गम में 2000 रुपए क्विंटल की तेजी आ गई। सोमवार को ग्वार के भावों में 300 रुपए क्विंटल की तेजी आई। भाव बढ़ते देख किसानों ने ग्वार की फसल बाजार में लानी कम कर दी है।

आमतौर पर इन दिनों मंडी में एक लाख बोरी ग्वार की आवक होती है लेकिन पिछले 10 दिनों में मंडी में 50 से 52 हजार बोरी ही आ रही है। व्यापारी बाबूलाल सारस्वत का कहना है कि अरब और यूरोपीय देशों में लगातार बढ़ रही डिमांड के कारण भाव बढ़ रहे हैं। विदित रहे कि भारत से 80 प्रतिशत ग्वार और उससे जुड़े उत्पाद यूरोपीय देशों के अलावा सऊदी अरब, रूस, अमेरिकी देशों में भेजा जाता है। पाकिस्तान और सूडान से भी 20 प्रतिशत ग्वार इन देशों में जाता है लेकिन इस वहां बारिश कम होने से वहां से ग्वार नहीं भेजा जा रहा। इसलिए ग्वार के भावों में तेजी आई है। इस बार मंडी में अब तक 15 लाख बोरी ग्वार की आवक हो चुकी है। दीपावली के बाद जैसे ही इसके भाव बढ़ने शुरू हुए किसानों ने फसल को लाना कम कर दिया। अब प्रतिदिन 50 हजार तक बोरी आ रही है।

हिण्डौन जिला अस्पताल में एक बैड पर तीन मरीज

हिण्डौन सिटी (निस)। बारिश का दौर खत्म होने के बाद मौसमी बीमारियां थमने का नाम नही ले रही। जिला चिकित्सालय में वायरल बुखार की लैब में कुल 20 मरीज डेंगू के होने की पुष्टि हो चुकी। फिर भी शहर के जलभराव क्षेत्रों में नगर परिषद द्वारा मच्छर निरोधी दवाओं का छिड़काव भी नहीं किया जा रहा है।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से जिला चिकित्सालय में मरीजों की प्रतिदिन ओपीडी 2500 पहुंच चुकी है। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी पुष्पेंद्र गुप्ता ने बताया कि चिकित्सकालय में भर्ती होने वाली मरीजों की संख्या भी बढ़ने से वार्डों की स्थिति बदतर बनी हुई। एक वार्ड में 23 बैड पर 60 से ज्यादा भर्ती मरीजों का उपचार चल रहा है। जिला चिकित्सालय के शिशु वार्ड में स्थिति बदतर बनी हुई है। पलंग पर जगह नही मिलने पर परिजन जमीन पर शिशु रोगियों का उपचार करा रहे है। लैब जांच में प्रतिदिन 300 से अधिक मरीजों की ब्लड जांच हो रही है। वहीं लैब में मरीजों की जांच के सैंपल लेने की अवधि सुबह 9 से 12 बजे तक होने से कई मरीज बिना जांच के ही लौट रहे हैं ।

कब होगा "मैगा हाइवे" का निर्माण?

- **ब्यावर -मसूदा सड़क मार्ग को लेकर ग्रामीणों में रोष**

मसूदा, (निसं)। ब्यावर -मसूदा सड़क मार्ग को लेकर ग्रामीणों में रोष है । ग्रामीणों ने बताया कि सत्ता में आने के पहले राजनेता, पूर्व सरकार व उनके जनप्रतिनिधियों पर जमकर हमला करते हैं चुनाव के वक्त बयानबाज़ी कर सरकार पर हमला बोल देते है । मगर जैसे ही खुद की सरकार बनी सारे वादे भूल जाते है। जब कभी जनता के बीच जाते है तो खोखले आश्वासन देकर सम्मान सहित निकल जाते हैं । भोलीभाली जनता वादों में लिपटी जाती है । ग्रामीण सलीम ,इस्माईल सहित दर्जनों ग्रामीणों ने कहा कि मसूदा क्षेत्र के ग्रामीणों में छतिग्रस्त सड़क को लेकर आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रदेश में शासित कांग्रेस की सरकार भले ही नयी -नयी योजनाएँ लाकर घोषणाएं कर रही है, लेकिन जनता को मूल आवश्यकता के तौर पर सड़क, पानी ,बिज़ली शिक्षा, और चिकित्सा ही चाहिए । कांग्रेस के नेताजी भले ही मोटे -मोटे कसीदे गढ रहे हो लेकिन इन दिनों मसूदा से ब्यावर व बान्दनवाडा सड़क के मौजूदा हाल देखकर हर कोई सरकार और यहां के शासन -प्रशासन पर उंगली उठाने में कसर नहीं छोड़ रहा है । कई सालो से इस सड़क मार्ग का नवीनीकरण न होना, ऐसे में इस सड़क मार्ग से गुजरने वाला हर व्यक्ति यहां के स्थानीय नेताओंऔर राजस्थान सरकार को कोसते है कि न जाने कब इस सड़क का निर्माण होगा।

इस सड़क की यात्रा करने वाले लोग बताते है कि इस सड़क की हालत गांव के खेतों मे जाने हेतु बनी हुई ग्रेवल रोड से भी बदतर है, यहां दुपहिया वाहनों का आना -जाना किसी गंभीर मुसीबत को मौल लेने से कम नहीं है। ऐसी स्थिति में भी इस सड़क कि सुध लेने वाला कोई नहीं है, बड़े वाहन, छोटे वाहन सब के लिए ये मार्ग मुसीबत बना हुआ है ।

आमजन ने बताया कि इस सड़क की स्वीकृति मुख्यमंत्री बजट घोषणा में जारी हो चुकी, टेंडर प्रक्रिया भी प्रारम्भ कर दी गई मगर अब तक मौके पर कोई काम चालू नहीं हुआ। ऐसे में आम जन का बार -बार यही सवाल होता है कि आखिर कब तक यही हालात रहेंगे, कब काम चालू होगा, कब सरकार व जनप्रतिनिधियों एवं शासन और प्रशासन की नजरें इस पर पड़ेगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 16 नवम्बर, 2022

मार्गशीष मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, आश्लेषा नक्षत्र सांय 6:59 तक, ब्रह्म योग रात्रि 1:07 तक, बालव करण सांय 6:53 तक, चन्द्रमा सांय 6:59 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-वृष, बुध-वृश्चिक, गुरू-मीन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज मार्गशीर्ष संक्रांति, सूर्य वृश्चिक सांय 7:15 से प्रवेश करेगा। पूण्य काल दिन 12:51 से आरम्भ होगा। महापात योग दिन 1:35 से रात्रि 7:20 तक है। आज श्री काल भैरवाष्टमी, कालाष्टमी है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:31 तक, शुभ 10:51 से 12:11 तक, चर 2:52 से 4:12 तक, लाभ 4:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:51, सूर्यास्त 5:32

मेष
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी और अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता और योजनानुसार बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

लूट की वारदात के तीन आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद किये

व्यापारी और उसके पुत्र से रास्ते में चार बदमाशों ने बैग छीनने का किया था प्रयास

मंडी में व्यापारी से लूट के प्रयास मामले में पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

- **मुकुंदगढ़ पुलिस ने भोड़की रोड पर तीनों बदमाशों को गिरफ्तार किया**
- **योगेश कुमार के इशारे पर हुई थी घटना**

मुकुंदगढ़, (निसं)। मंडी में व्यापारी से लूट के प्रयास मामले में पुलिस ने 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

झुंझुनूं एसपी मृदुल कच्छावा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुकुंदगढ़ मंडी में व्यापारी से 23 अक्टूबर की रात को दुकान से घर जाते वक्त स्कूटी पर सवार व्यापारी और उसके पुत्र से रास्ते में रोककर चार बदमाशों द्वारा बैग छीनने का प्रयास किया गया था। इसी प्रयास के दौरान इन बदमाशों ने व्यापारी के बेटे पर हमला किया था। जिससे उसके सिर में चोट लगी और घायल हो गया था। घटना के बाद चारों बदमाश मौके से फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। घटनास्थल के आसपास लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जिसके आधार पर संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। मुकुंदगढ़ पुलिस को सूचना मिली कि व्यापारी से लूट की वारदात को योगेश कुमार के इशारे पर अंजाम देने की कोशिश की गई थी।

इस घटना में शामिल तीन बदमाश बाइक से भोड़की रोड की ओर भागे हैं। इस पर मुकुंदगढ़ पुलिस ने भोड़की रोड पर तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए तीनों बदमाशों से पूछताछ की। इन तीनों बदमाशों की निशानदेही से पुलिस ने एक पिस्टल व 8 जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस गिरफ्तार किए गए तीनों बदमाशों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के दौरान इलाके में हुई लूट की अन्य वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

टक्कर से बाइक सवार की मौत

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाना पुलिस ने गाँव नेशल जा रहे एक मोटरसाईकिल सवार की अज्ञात वाहन की टकर लगने से मौत हो गई। जिसका हमीरवास थाने में प्रकरण दर्ज करवाया गया है। थानाधिकारी राधेश्याम ने बताया कि रोहताश पुत्र रणजीत सिहं जाति जाट उम्र 45 साल निवासी नेशल छोटी ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि 14 नवंबर 2०922 को सांय के समय उसका भाई इन्?द्रसिहं पुत्र रणजीत सिंह मोटरसाईकिल पर सवार होकर राजगढ से वापिस अपने घर गाँव नेशल छोटी लौट रहा था। जैसे ही उसका भाई गाँव लीलावठी के नजदीक पहूँचा तो किसी अज्ञात वाहन के चालक ने वाहन को तेज गति व लापरवाही से चलाते हुए मोटरसाईकिल के सामने से टक?कर मारी, जिससे आई गम्?भीर चोटों के कारण इन्द्र सिंह घायल हो गया। दुघर्टना के बाद उसे राज.सामु.स्?वास्?थ्?य केन्?द्र राजगढ पर लेकर गए, जहाँ भर्ती करने के उपरांत डॉक?टर ने इन्?द्रसिहं को मृत घोषित दिया। पुलिस ने आात वाहन चालक के खिलाफ दुघर्टनाकारित करने के आरोप का मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

टिकट नहीं देने पर जाट समाज में आक्रोश

11 सदस्यों की कमेटी बनाई

सरदारशहर, (निसं)। आगामी 5 दिसंबर को होने जा रहे उपचुनाव में दावेदारी प्रस्तुत करने के बावजूद प्रमुख राजनीतिक पार्टियों द्वारा समाज के किसी भी व्यक्ति को टिकट नहीं दिये जाने पर बड़ी संख्या में उपस्थित समाज के सभी लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया।

विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक जाटों की जनसंख्या होने के बावजूद जाट समाज के किसी व्यक्ति को प्रत्याशी नहीं बनाए जाने पर समाज ने व्यापक रूप से आक्रोश व्यक्त करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त की। प्रो. डीसी सारण की अध्यक्षता में जाट विकास परिषद के भवन में समाज की आयोजित बैठक में सभी वक्ताओं ने कहा कि इस निर्णय से पूरा समाज आहत है। सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में रतनगढ़ तहसील की 11 पंचायतों के जाट समाज के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। आगामी चुनाव में समाज द्वारा उठाए जाने वाले संभावित कदमों के बारे में 11 सदस्यों की कमेटी बनाई गई है जो 16 नवंबर को सायं 5 बजे तक अपना निर्णय बताएगी। कमेटी में रतनगढ़ तहसील के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है। मीटिंग में वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर व्यापक विचार विमर्श करने के बाद सौहार्दपूर्ण माहौल में मीटिंग का समापन हुआ। उपस्थित समाज के सभी लोगों ने कमेटी पर निर्णय छोड़ते हुए कहा कि कमेटी जो भी निर्णय करेगी ,समाज उसकी अनुपालना करेगा।

डीपीसी प्रक्रिया शुरू नहीं करने पर रेसला संगठन ने आंदोलन की चेतावनी दी

मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपने जाते रेसला उपशाखा राजगढ (चूरू) संगठन के शिक्षकगण।

- **वाइस प्रिंसिपल शत प्रतिशत पदोन्नति करने के लिये मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन**

सादुलपुर, (निसं)। रेसला उपशाखा राजगढ (चूरू) द्वारा वाईस प्रिंसिपल शत प्रतिशत पदोन्नति करने हेतु मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी राजगढ को ज्ञापन सौंपा गया।

रेसला उपशाखा राजगढ के अध्यक्ष महावीर प्रसाद ने बताया कि वित विभाग से स्वीकृत होकर केबिनेट के अनुमोदन के पश्चात 12421 वाईस प्रिंसिपल का कैडर बनाया गया जो कि पदोन्नति से शत प्रतिशत व्याख्याताओं से ही भरा जाना था, लेकिन शिक्षा विभाग के अधिकारी अपना रवैया अपनाकर डीपीसी कराने के बजाय केबिनेट के फैसले पर आमजन से राय माँगने में व्यस्त है, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए 20 नवम्बर तक डीपीसी की प्रक्रिया आरंभ की जावे अन्यथा रेसला संगठन द्वारा पूरे राजस्थान में आदोलन किया जायेगा। इस मौके पर सीताराम सिंघल जिला मंत्री रेसला चूरू, संदीप पूनियां उपाध्यक्ष रेसला चूरू, संदीप पूनियां नवां, राजपाल ओला, राजवीर सुडा, रामानन्द सरावग, सरला पूनियां, सीमा पूनियां, अरूणा वशिष्ठ, ओमप्रकाश मीणा, मनीष सिंघानिया, दिनेश पूनियां ब्लॉक मंत्री, विजय आर्य, ओमप्रकाश श्योराण, ब्रहमानन्द, वीरेन्द्र थालौड, गोपीकृष्ण नेमीवाल, रजनीश धुवां, अजय शर्मा, राजकुमार पूनियां, उम्मेद पूनियां, हनुमान शर्मा, हनुमान गिर, सुभाषचन्द्र कलाल, विजय स्वामी, मनीराम रंगा व राजवीर सुडा आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

चूरू, (कासं)। पंखा सर्किल के पास जिला पर्यावरण सुधार समिति द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह कि तीस महिलाओं को उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत बूंदी बंधेज के प्रशिक्षण कार्यक्रम का राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के जिलाधिकारी राजेश मीणा ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मीणा ने कहा कि महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर अपना आर्थिक विकास कर सकती हैं। कार्यक्रम में समिति के सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि महिलाओं को प्रशिक्षण व बैंकों से ऋण प्रदान करवाकर उनका सर्वांगीण विकास करने का प्रयास किया जा रहा है। परियोजना के तहत चूरू शहर की कुल नब्बे महिलाओं को इस प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। प्रशिक्षण के पश्चात उद्यमिता भ्रमण कच्चे माल की उपलब्धता तैयार माल का विक्रय इस पर भी संस्था इन प्रशिक्षणार्थियों के साथ लंबे समय तक रहेगी कार्यक्रम में नवीना कुमावत वर्षा कंवर योगेश कुमार कुमावत का विशेष सहयोग रहा।

अभ्यर्थियों को आपराधिक रिकॉर्ड प्रकाशित करवाने होंगे

- **तीन अवसरों पर अलग-अलग तिथियों को प्रकाशित, प्रसारित करानी होगी सूचना**

चूरू, (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सरदारशहर विधानसभा उप चुनाव के दौरान अभ्यर्थियों को अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के संबंध में समाचार पत्रों एवं टीवी चैनलों में प्रकाशन एवं प्रसारण करवाना होगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश गौतम ने बताया कि निर्वाचन विभाग की ओर से इस संबंध में जारी दिशा.निर्देशों में कहा गया है कि अभ्यथी द्वारा फॉर्मेट सी.1 में अपने आपराधिक रिकॉर्ड की सूचना निर्वाचन प्रचार अवधि के दौरान निर्वाचन क्षेत्र में व्यापक रूप से प्रकाशित होने वाले राष्ट्रीय, स्थानीय समाचार पत्रों में न्यूनतम फोंट साइज 12 एवं उन संबंधित क्षेत्रों में उपलब्ध लोकप्रिय राष्ट्रीय, स्थानीय टीवी चैनलों में ;प्रसारण का समय प्रातः 8 बजे से रात्रि 10 बजे के मध्य न्यूनतम 7 सैकंड्स के लिए स्टैंडर्ड फोंट साइज में अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद और मतदान की तिथि से दो दिन पहले के दौरान तीन अवसरों पर अलग.अलग तिथियों को प्रकाशित, प्रसारित करवाई जानी है। अभ्यर्थी द्वारा तत्काल इसकी सूचना रिटर्निंग अधिकारी को दी जाएगी।

प्रथम प्रचार अभ्यर्थिता वापसी के प्रथम चार दिनों के भीतर, दूसरा प्रचार अगले 5 से 8 दिनों के भीतर तथा तीसरा प्रचार 9 वें दिन से प्रचार अभियान के अंतिम दिन तक करवाना होगा ताकि निर्वाचकों को अभ्यर्थियों के बारे में जानने का पर्याप्त समय मिले। राजनैतिक दलों द्वारा फॉर्मेट सी.2 में अपने अभ्यर्थियों के संबंध में सूचना का प्रकाशन, प्रसारण करवाना होगा तथा अपनी वेबसाइट पर इसकी सूचना के प्रदर्शन के साथ.साथ पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी इसका प्रचार.प्रसार किया जाएगा। गौतम ने बताया कि सभी संबंधित को इसकी जानकारी एवं पालना के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

गौरव पदयात्रा में सैंकड़ों स्वर्णकार बंधु शामिल होंगे

सरदारशहर, (निसं)। स्वर्णकार गेस्ट हाउस माताजी के मंदिर में स्वर्णकार समाज सरदारशहर की बैठक राखी गई जिसमें स्वर्ण कला बोर्ड संघर्ष समिति के बैनर तले हनुमानगढ़ से जयपुर तक प्रारंभ हो रही गौरव पदयात्रा में कस्बे से सैकड़ो स्वर्णकार बंधुओ के शामिल होने का निर्णय किया गया। स्वर्ण कला बोर्ड बनाओ संघर्ष समिति के प्रभारी सांवरमल रोड, रणजीत जोड़ा,मुकेश भामा और शेखर ढल्ला ने बताया की 20 नवंबर को हनुमानगढ़ से प्रारंभ होने वाली 400 किलोमीटर की पदयात्रा में सरदारशहर के लोग की शामिल होकर जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ज्ञापन देंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित सरदारशहर दौरे के दौरान भी समाज का प्रतिनिधिमंडल इस विषय में उनको ज्ञापन देगा। दिनांक 26 नवंबर को गौरव पैदल यात्रा सरदारशहर पहुंचने पर सरदारशहर स्वर्णकार समाज यात्रा का जोरदार स्वागत करेगा। बैठक में समाज के सरक्षक मोहनलाल ढल्ला, भीकमचंद भामा, रामलाल रोड़ा, राजकुमार जांगलवा, हनुमान रोड़ा, हरीश मोशुन,अमित ढल्ला, रतनलाल डॉवर, संजय भामा ,बनवारी भामा, नोरतन कांटा, ओमप्रकाश कुकरा, आशीष कड़ेल, राकेश भामा, राकेश रोड़ा , शंकरलाल रोड़ा, महावीर कड़ेल, हरीश कड़ेल, मनोज भामा, वीरेंद्र कड़ेल, मुकेश, देवकिशन मोशुन, शिव आर्य सहित समाज गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जन्मतिथि परिवर्तन

कक्षा छह में अध्ययनरत छात्रा पूजा पुत्री भगवानाराम की ओर से सरकारी दस्तावेजों के अनुसार जन्मतिथि 20 अप्रैल 2013 करने का अनुरोध किया गया है। जबकि स्कूल में प्रवेश के समय भूलवश 22 जून 2012 अंकित करवा दी गई थी।

प्रधानाचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गाजूसर, पंचायत बुकनसर छोटा, (चूरू) राज.

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

संख्या: 01-2022-GSUBKN

मंडल रेल प्रबंधक ,उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 06.12.2022 को 15.00 बजे तक खुली ई–निविदा आमंत्रित करते है: **निविदा संख्या : 01-2022-GSUBKN कार्य का नाम व स्थान :** बीकानेर मंडल के सादुलपुर – रतनगढ़ खंड पर असलू, डोकवा एवं जुहारपुरा स्टेशनों पर एक साथ प्राप्ति एवं प्रेषण की सुविधा हेतु अतिरिक्त लूप लाइन की व्यवस्था के संबंध में ट्रैक कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 28873083.55 **धरोहर राशि :** Rs. 294400.00 **निविदा संख्या : 02-2022-GSUBKN कार्य का नाम व स्थान :** बीकानेर संभाग के बीकानेर – रतनगढ़ खंड पर सुदसर, परसनेउ एवं गाढ़वाला स्टेशन पर एक साथ प्राप्ति एवं प्रेषण की सुविधा हेतु अतिरिक्त लूप लाइन की व्यवस्था के संबंध में ट्रैक कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 22346808.14 **धरोहर राशि :** Rs. 261700.00 **निविदा संख्या : 03-2022-GSUBKN कार्य का नाम व स्थान :** बीकानेर मंडल के सादुलपुर – रतनगढ़ खंड पर डोकवा, असलू एवं जुहारपुरा स्टेशनों पर एक साथ प्राप्ति एवं प्रेषण की सुविधा हेतु अतिरिक्त लूप लाइन की व्यवस्था के संबंध में सिविल कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 8411677.78 **धरोहर राशि :** Rs. 168200.00 **निविदा संख्या : 04-2022-GSUBKN कार्य का नाम व स्थान :** प्लेटफार्म, स्टेशन भवन, ड्युटी बंक रिटेनिंग वॉल, सडक और अन्य विविध का निर्माण। बीकानेर संभाग के बीकानेर – रतनगढ़ खंड पर सुदसर, परसनेउ एवं गढ़वाला स्टेशन पर एक साथ प्राप्ति एवं प्रेषण की सुविधा हेतु अतिरिक्त लूप लाइन की व्यवस्था के संबंध में कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 61752162.55 **धरोहर राशि :** Rs. 458800.00 नोटः– अन्य शर्ते रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 946-CQ/22

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

चूरू की सड़कों पर खुले आम बिकता है मांस-मछली

आमजन को पैदल चल पाना दुभर

- **चूरू की नगर परिषद व जिला प्रशासन को आमजन की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं**

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय पर शहर में खुले रूप से मांस - मछली की बिक्री होने के कारण मांस विक्रेताओं के आस-पास की दुकानों के कुत्ते पूरी तरह से मांसाहारी बन चुके जिसके कारण आमजन को पैदल चल पाना दूभर हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार सड़को पर बिना किसी इजाजत के खुले रूप से मांस - मछली के टुकडे देखे जा सकते हैं। इसी के साथ खुलेआम मास मछली रखा हो जाने से वाहनों की धूल भी उनपर दिनभर गिरती रहती है। यह नजारा शहर के बीचोंा बीच मुमताज अस्पताल की सड़क पर आराम से दिनभर देखा जा सकता है। बिना किसी इजाजत के मांस मछली की दुकानें आराम से संचालित हो रही है। लेकिन आश्चर्य तो इस बात का हैं कि चूरू की नगर परिषद व जिला प्रशासन हाथ पर हाथ रखकर बैठे हैं। जनता की समस्याओं से उनको कोई सरोकार नहीं है। इसी प्रकार से आवारा सांडों की समस्या से भी आमजन परेशान है। सब्जी मंडी में आये दिन सांडों के भय से भयभीत होकर सब्जी खरीदनी पड़ती है। कहीं कोई चोट ना लग जाये। यह भय सब्जी खरीददारों को सताता रहता है।

इस संबंध में लोगों ने बताया कि आश्चर्य तो इस बात का हैं कि अधिकारी कभी ग्राउण्ड स्तर पर इस बात को ही नहीं आंकते की आखिर शहर के लोग किन समस्याओं को लेकर परेशान हैं और अपने बंद वातानुकुलित कमरे में बैठकर ही व्यवस्थाओं को सुधारने की हुंकार भरते रहते हैं। लोगों ने बताया कि नगर परिषद के अधिकारियों को जमीनी स्तर पर इस बात का ध्यान देना चाहिए।

जिला स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 21को

झुंझुनूं, (निसं)। स्थानीय गणपति नगर स्थित न्यू राजस्थान बालिका पीजी महाविद्यालय में स्व. नौरंगराम ढूकिया की 20वीं पुण्यतिथि पर 21 नवंबर सोमवार को जिला स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। संस्था सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया ने बताया कि प्रतियोगिता में जिलेभर की राजकीय व निजी माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों के दो-दो प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में पंजीयन के लिए विद्यालय से अध्ययनरत प्रमाण या विद्यालय आईडी साथ लानी होगी। इंजी. ढूकिया ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम विजेता 5100 रुपए, द्वितीय 3100 रुपए, तृतीय 2100 रुपए व चतुर्थ स्थान प्राप्त विद्यार्थी को 1100 रुपए की नगद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। जिला मुख्यालय के बाहर से भाग लेने वाले प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को आने जाने का किराया भुगतान किया जाएगा। जिला मुख्यालय प्रतिभागियों के लिए मंडावा मोड से महाविद्यालय तक संस्था की तरफ से वाहन सुविधा उपलब्ध रहेगी।

झुंझुनूं को मिली तीन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी

प्रदेश के खेल इतिहास में संभवतः ऐसा पहली बार हो रहा है

- **33 जिलों से झुंझुनूं आएंगे 17 व 19 वर्ष छात्र-छात्रा वर्ग के तीन हजार खिलाड़ी व खेल अधिकारी**
- **समसपुर रोड स्थित विज्डम सिटी झुंझुनूं एकेडमी स्थित जीवेम स्पोर्टस स्कूल में 20 से 24 नवंबर तक होंगी प्रतिस्पर्धाएं, जोर शोर से चल रही है तैयारियां**

झुंझुनूं, (निसं)। प्रदेश के खेल इतिहास में संभवतः ऐसा पहली बार हो रहा है कि वीर प्रसूता झुंझुनूं की धरा पर राज्य स्तर की तीन प्रतियोगिताओं के आयोजन की मेजबानी मिली है।

इसके तहत 20 से 24 नवंबर तक समसपुर रोड स्थित विज्डम सिटी झुंझुनूं एकेडमी स्थित की जीवेम स्पोर्टस एकेडमी में बैडमिंटन, लॉन टेनिस व टेबल टेनिस की 66वीं राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं होंगी। इन प्रतियोगिताओं में 17 व 19 वर्ष आयु वर्ग में छात्र एवं छात्राओं की प्रदेश भर से 33-33 टीमें भाग लेंगी। यानी करीब तीन हजार से अधिक खिलाडी, कोच, दल प्रभारी, टीम मैनेजर, रेफरी, खेल अधिकारी एवं अभिभावक इसमें भागीदारी निभाएंगे। जीवेम स्पोर्टस स्कूल के संस्थापक डॉ. दिलीप मोदी ने बताया कि यह जिले का सौभाग्य है कि खेलों की इन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी का अवसर हमें मिला है। खेलों को लेकर झुंझुनूं में जिस तरह की आधुनिक, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं जुटाई जा रही है, यह उसी का नतीजा है। स्कूल के निदेशक आकाश मोदी और मैनेजर अरविंद गुंसारिया ने बताया कि 20 नवंबर को विज्डम सिटी के मैदान पर बनाए गए विभिन्न कोर्ट में इन प्रतियोगिताओं का उद्घाटन होगा।

इसके आयोजक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर और जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय झुंझुनूं हैं तथा संयोजक का दायित्व जीवेम स्पोर्टस स्कूल को सौंपा गया है। जो महत्ती जिम्मेदारी है। मोदी ने बताया कि झुंझुनूं में इस तरह के प्रदेश स्तरीय आयोजन से न केवल झुंझुनूं का महत्व बढ़ा है। बल्कि यहां के खिलाड़ियों के मन में भी उत्साह और उमंग का माहौल है। झुंझुनूं एकेडमी के प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों का आगमन 19 नवंबर से ही शुरू हो जाएगा। खिलाड़ियों, उनके साथ आने वाले टीम मैनेजर व अन्य लोगों के आवास, भोजन व शहर में यातायात की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। होस्टल निदेशक कुरड़ाराम धींवा और यातायात प्रभारी राजेंद्र पूनियां ने बताया कि जिला प्रशासन के साथ बैठकें करके पूरी आयोजन की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरीय क्षैत्र सुजानगढ़ तहसील सुजानगढ़ (जिला चूरु)

क्रमांक : का.प्रा.अधि.न.क्षै.सु./2022/8646 दि. 3/11/2022

प्रारुप-10

(नियम 6 (7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़

सं. दिनांक

लोक सूचना

श्री महेश पारीक पुत्र श्री बनवारी लाल पारीक तहसील सुजानगढ़ जिला चूरु ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का गैर–कृषिक (एग्रो वेस इन्डस्ट्रीज) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :–

क्र.सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	जिला चूरु तहसील सुजानगढ़	राजस्व ग्राम सुजानगढ़ ग्रामीण	2235 / 602, 2244 / 603, 2246 / 611	9995.07 वर्गमीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम,1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिन के भीतर–भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर–भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही हैं और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 03.11.2022 को जारी की गयी।

(कमलेश कुमार मीना)

प्राधिकृत अधिकारी नगरीय क्षैत्र सुजानगढ़

उत्तर पश्चिम रेलवे

कमीशन आधार पर हॉल्ट एजेंट की नियुक्ति हेतु जन सूचना

सं. 91 आर बी /हॉल्ट एजेंट/नोटिस/2022–23 दिनांक 14.11.2022

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक, (वाणिज्य) उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर मण्डल के निम्नलिखित हॉल्ट स्टेशन के संचालन हेतु पाँच वर्ष की अवधि के लिए हॉल्ट स्टेशन क्षेत्र के स्थानीय निवासियों से, जो उस जिले के निवासी हो, जिसमे हॉल्ट स्टेशन स्थित है, तथा जो कमीशन आधार पर हॉल्ट एजेंट के रूप में कार्य करने के इच्छुक हो, से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

क्रम सं.	हॉल्ट स्टेशन का नाम
1	उदासर
2	खिलेरियां
3	बिग्गा बास रामसरा
4	श्रीमकड़ीनाथ नगर
5	गहरी भागी

आवेदक की आयु कम से कम 18 वर्ष दिनांक 13.12.2022 तक तथा दसवी पास हो। आवेदन पत्र मण्डल रेल प्रबन्धक, (वाणिज्य) उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर मण्डल कार्यालय में दिनांक 13.12.2022 को 17 बजे तक पहुँच जाने चाहिए । दिनांक 13.12.2022 (13 दिसम्बर– 2022) के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। प्रार्थी आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्र संलग्न करेंगे (स्वयं द्वारा सत्यापित) (1) दसवी पास शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र । (2) आयु का प्रमाण पत्र (18 वर्ष से अधिक) (3) सरकारी अस्पताल के द्वारा जारी किया गया स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जिसमे स्पष्ट हो कि उनमे कार्य करने की क्षमता है तथा वे किसी बीमारी से पीड़ित नहीं है। (4) पुलिस सत्यापन प्रमाण पत्र । (5) स्थानीय निवासी का जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट से जारी मूल निवास प्रमाण पत्र /मतदान प्रमाण पत्र। आवेदन के संबंध में विस्तृत जानकारी **www.nwr.indianrailway.gov.in** वैबसाईट से अथवा वाणिज्य शाखा, मण्डल कार्यालय, बीकानेर में किसी भी कार्य दिवस को प्राप्त की जा सकती है। 942-CQ/22

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

बाजार पर किसानों के स्वयं के नियंत्रण से खेती की दशा सुधरेगी: सुचित्रा आर्य

संवाद कार्यक्रम को कृषि उद्योग विकास बोर्ड उपाध्यक्ष सुचित्रा आर्य ने संबोधित किया।

- **राज्य कृषि उद्योग विकास बोर्ड द्वारा प्रगतिशील किसान, कृषि एन्टर प्रिन्योर्स कृषि व्यवसायी व निर्यातकों का खण्ड स्तरीय संवाद कार्यक्रम आयोजित**

सीकर। राज्य कृषि उद्योग विकास बोर्ड द्वारा प्रगतिशील किसान, कृषि एन्टर प्रिन्योर्स कृषि व्यवसायी व निर्यातकों का खण्ड स्तरीय संवाद कार्यक्रम सीकर में कृषि उद्योग विकास बोर्ड अध्यक्ष रामेश्वर डूडी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस दोरान डूडी ने कहा बोर्ड किसानों को उद्यमी बनाने का प्रयास करेगा राज्य में उत्पादित कृषि जींस जीरा धनिया लहसुन, ईसबगोल और खजूर आदि के प्रसंस्करण के साथ निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम में कृषि उद्योग विकास बोर्ड उपाध्यक्ष सुचित्रा आर्य ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार का केन्द्र बिन्दु सदैव गांव और किसान रहा है, पूंजीवादी दौर में किसान खेती के अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है, बाजार पर किसानों के स्वयं के नियन्त्रण से खेती की दशा सुधर सकती है।

2019 की कृषि निति सरकार का नवाचार है जो हमारे नेता राहुल गांधी का विजन है, इस बोर्ड का गठन उन्हीं के निर्देशों से ही हुआ है जिसके तहत फूड प्रसंस्करण इकाईयों को बढावा देना ताकि खेत से उत्पाद निकलने के बाद किसानों की अतिरिक्त आमदनी में इजाफा हो तथा रोज़गार का भी सर्जन हो, बोर्ड का उद्देश्य किसान सशक्त और आत्मनिर्भर हो कृषि आधारित प्रोसेस प्लांट वेयर हाउस की स्थापना और कृषि नवाचारों को बनाने की जरूरत है एग्रो बोर्ड के द्वारा कृषि नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से प्रदेशभर में संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, इस दौरान सीकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं बिसूका जिला उपाध्यक्ष सुनीता गठाला ने भी अपने विचार रखे।

चोरी का मुकदमा दर्ज

सूरजगढ़, (निसं)। थाना पुलिस ने बताया कि बूंटीराम चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया है कि रात को घर के सामने गाड़ी खड़ी की थी। भूल से चाबी लगी छोड़ दी। सुबह उठे तो गाड़ी नहीं मिली। मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

Chola Enter a better life

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एण्ड फायनेंस कम्पनी लिमिटेड

कॉरपोरेट कार्यालय : नं. 2, डेयर हाउस, प्रथम तल, एन.एस.बी. बोस रोड़, चेन्नई- 600001

शाखा कार्यालय सीकर : शॉप नं.-3, प्रथम तल, हीरा मार्केट, बस डिपो के पास, सीकर-332001

आधिपत्य-नोटिस नियम 8 (1) के अन्तर्गत

जबकि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **मैसर्स चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एण्ड फाईनेंस कम्पनी लिमिटेड** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 यहां इसे आगे अधिनियम कहा गया की धारा 13(12) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 का सपठित नियम 9 के तहत प्रदत शक्तियों के अनुप्रयोग में निम्न वर्णित कॉलम (बी) में ऋणग्रहिताओ को, कॉलम (सी) में वर्णित दिनांक को, कॉलम (डी) में वर्णित देय राशि मय ब्याज के नोटिस प्राप्ति के सूचना-पत्र में उल्लेखित राशि को 60 दिनों के भीतर उक्त सूचना-पत्र की प्राप्ति दिनांक से लौटाने के लिये निर्गमित किया। ऋणग्रहिताओ द्वारा वह राशि लौटाने में विफल होने पर, ऋणग्रहिताओ को विशेषतः और जनसामान्य को सामान्यतः एतद् द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने अधिनियम की धारा 13(4) के साथ पठित नियम 9 के तहत् शक्तियों के अनुप्रयोग में कम्पनी के पास बंधक नीचे वर्णित तालिका के कॉलम (ई) में दर्शित सम्पतियो का कॉलम (एफ) में दर्शित दिनांक को आधिपत्य ग्रहण कर लिया हैं। ऋणग्रहिताओ को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा नीचे वर्णित तालिका के कॉलम (ई) में दर्शित सम्पतियो के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पतियो के साथ कोई व्यवहार तालिका के कॉलम (डी) में दर्शित राशि तथा उस पर ब्याज व खर्चो के पूर्ण भुगतान तक के लिये **मैसर्स चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एण्ड फाईनेंस कम्पनी लिमिटेड** के प्रभार के अध्यधीन होगा। प्रतिभूतिकरण अधिनियम की धारा 13(8) के तहत् ऋणी अपनी प्रतिभूत आस्तियों की बिक्री की अधिसूचना से पूर्व समस्त बकाया राशि, लागत भार व खर्चो सहित जमा करवा कर मोचन करवा सकते हैं।

क्र. सं.	ऋणी का नाम व पता तथा ऋण खाता संख्या	मांग सूचना पत्र की दिनांक	बकाया राशि	कब्जे में ली गई सम्पत्ति का विवरण	सांकेतिक कब्जे की दिनांक
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)
1.	ऋण खाता संख्या X0HEIKA00003248754, X0HEIKA00004173897 और HE02IKA00000004193, 1. श्री सांवर मल नायक, 2. श्रीमती रेशम देवी, 3. श्री सीता राम नायक, 4. श्रीमती द्रोपति देवी, सभी निवासी:- प्लॉट नंबर 32, वार्ड नंबर 39, समर्थपुरा, पिपराली रोड, सीकर, राजस्थान -332001, 5. मैसर्स सांवर मल नायक (जरिए प्रोपराइटर श्री सांवर मल नायक), पता:- वार्ड संख्या 39, नायक मोहल्ला, कोर्ट रोड के पीछे, सीकर, राजस्थान-332001, 6. मैसर्स जय भवानी बिल्डर्स (जरिए प्रोपराइटर श्री सीता राम नायक), पता:- प्लॉट नंबर 32, वार्ड नंबर 39, समर्थपुरा, पिपराली रोड, सीकर, राजस्थान -332001, 7. श्री मुकेश कुमार नायक निवासी:- विकास कॉलोनी, समर्थपुरा, पिपराली रोड, सीकर, राजस्थान-332001, 8. श्रीमती परमेश्वरी देवी निवासी:- समर्थपुरा, पिपराली रोड, सीकर, राजस्थान-332001, 9. श्री कमल कुमार निवासी:- वार्ड नंबर 41, विकास कॉलोनी, दुर्गा निवास, सीकर, राजस्थान-332001, 10. श्रीमती संगीता देवी निवासी:- 50 विकास कॉलोनी, सीकर, वार्ड नं 39, सीकर, राजस्थान-332001 एन.पी.ए. दिनांक 05.08.2022	18-08-2022	रु. 56,22,965.86/- दिनांक 18.08.2022 तक व आगे का ब्याज सहित	संपत्ति:- प्लॉट नंबर 32, वार्ड नंबर 30, समर्थपुरा पीपराली रोड, सीकर, राजस्थान। जिसका क्षेत्रफल 233.33 वर्ग गज। संपत्ति की चतु सीमाएं:- पूर्व:- बाबू लाल शर्मा का घर, पश्चिम:- प्लाट नं. 33, श्री शर्मा जी का उत्तर:- रोड, दक्षिण:- कुशलानी जी का घर और रोड	14.11.2022

दिनांक : 14.11.2022 स्थान : सीकर प्राधिकृत अधिकारी, चोलामण्डलम इन्वेस्टमेंट एण्ड फायनेंस कम्पनी लिमिटेड

ओडा रेलवे पुल विस्फोट मामला

400 पुलिसकर्मी जुटे हैं अपराधियों की तलाश में

जांच के लिए एसटीएस और इंटलिजेंस एडीजी उदयपुर पहुंचे, घटना स्थल का अवलोकन किया

उदयपुर, (निस)। ओड़ा रेलवे ब्रिज पर ब्लास्ट के तीसरे दिन राज्य सरकार के विशेष निर्देश पर एसओजी व एटीएस के एडीजी अशोक राठौड और इंटलिजेंस के एडीजी एस सेंगथीर सुबह 11 बजे घटना स्थल ओड़ा रेलवे पुल पहुंचे। उनके साथ एटीएस और इंटलिजेंस के सभी अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा उदयपुर एसपी विकास शर्मा और एटीएस के एएसपी अनंत कुमार भी घटनास्थल पर उनके साथ रहे। दोनों अधिकारियों ने दो घंटे से भी अधिक समय तक घटनास्थल का अवलोकन कर साक्ष्य जुटाए । इन अधिकारियों ने अपने नोट्स में लिखा कि हमले को पूरी प्लानिंग के तहत किया गया। इसका निशाना ट्रेन और ट्रेन में बैठे सैंकड़ों पैसेंजर थे।

एडीजी अशोक राठौड ने स्थानीय लोगों की करतूत की संभावनाओं को कम बताते हुए कहा कि ब्लास्ट के बाद मिले सबूतों को देखते हुए प्राथमिक तौर पर इसे आतंकी हमला कहा जा सकता है। एडीजी राठौड ने घटना स्थल पर एक-एक चीज को बारीकी से समझा। इसके बाद अब तक एटीएस द्वारा की गई जांच के बारे में भी जानकारी ली । इस पर एएसपी अनंत कुमार ने विस्तार से अब तक मिले

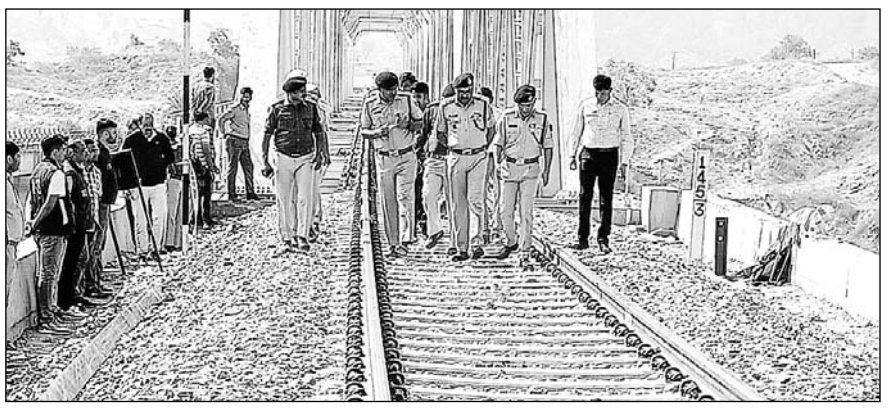

उदयपुर से 35 किमी दूर ओडा रेलवे पुल पर हुए विस्फोट के मामले में मंगलवार को एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़ और इंटलिजेंस के एडीजी एस सेंगथीर ने मौका मुआयना किया।

सबूत और उसकी संभवानाओं के बारे में बताया। इसके बाद सराड़ा डीएसपी राजेन्द्रसिंह, जावरमाइंस थानाधिकारी अनिल विश्नोई समेत कुछ अधिकारियों को टास्क देकर मौके से रवाना कर दिया गया। मीडिया से बात करते हुए अशोक राठौड़ ने कहा कि इस केस पर चल रही जांच और क्या संभावनाएं हो सकती है। इस पर स्पॉट पर ही बातचीत की गई है। अभी कई सवाल हैं। इनके बारे में जानकारी मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा की अब तक हुई जांच में ये तो लगभग स्पष्ट है कि ये कृत्य सुनियोजित योजना के तहत किय गया।

इंटलिजेंस के एडीजी एस सेंगथीर ने कहा कि इस मामले में जांच जारी है। कुछ बता पाना जल्दबाजी विस्फोट की इंटेंसिटी और जो हालात उसे देखकर ये आतंकी घटना ही मानी जा सकती है। विस्फोट के पीछे डर और आंतक के साथ जनहानि की मंशा हो सकती है। इस हमले के पीछे किस संगठन या ग्रुप का हाथ है, यह अभी नहीं कहा जा सकता।

उदयपुर एसपी विकास शर्मा के अनुसार इस मामले में अब तक किसी को नहीं पकड़ा गया है। दो दर्जन से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई है। केस में कडी से कड़ी जोड़ने के लिए 400 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की टीम लगी हुई हैं। केन्द्रीय एजेंसी, आईबी, एनआई और एटीएस के अधिकारियों के साथ मिलकर इस केस पर जांच हो रही है।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने जावर माइंस क्षेत्र में टिटोनेटर सप्लाई करने वाले दो युवकों को भी पूछताछ के लिए बुलाया। उनसे पिछले 6 महीनों में विस्फोटक सामान की बिक्री

- **जंगलों व गांवों को खंगाल रही पुलिस, बाईकर्स गैंग पर संदेह**

करने वाले लोगों की विस्तार से जानकारी ली गई। पुलिस अब तक 25 किलोमीटर की परिधि में हर गांव में जाकर ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

उदयपुर से 35 किमी दूरी पर खारवा-चांदा रेलमार्ग के ओडा रेलवे पुल पर हुई विस्फोट की घटना में पुलिस लोकल एंगल पर भी फोकस कर रही है। इलाके में एक्टिव 3-4 बाइक राइडर्स ग्रुप की तलाश की जा रही है। पुलिस को शक है कि मार्च में इसी गैंग के बाइक राइडर्स ने चलती बस पर पुल से पथराव किया था। ये युवक ओड़ा के आस-पास स्थित गावों के रहने वाले हैं। ये युवक इलाके में अपना दबदबा बनाने के लिए ऐसा कृत्य करते रहते हैं। स्थानीय होने से कारण उनके लिए पहाड़ी और जंगलों में छिपना आसान है। ओड़ा के जिस रेलवे ब्रिज पर ब्लास्ट हुआ वहां भी ये युवक अकसर बैठते रहे हैं।

विद्युत निगम का तकनीकी सहायक व दलाल रिश्वत लेते धरे

आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी

धौलपुर, (निसं)। एसीबी मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर मंगलवार को दोपहर एसीबी धौलपुर की टीम ने 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए विद्युत निगम धौलपुर के सब स्टेशन जाटोली पर तैनात तकनीकी सहायक कप्तान सिंह पहाड़िया और उसके दलाल दिनेश कुमार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रिश्वत की ये राशि विद्युत कनेक्शन आवेदन पर पुराना बिजली बिल बकाया होने का भय दिखाकर एवं नया मीटर लगाने की एवज में मांगी गई थी।

एसीबी के मुताबिक 12 नवंबर 2022 को एक व्यक्ति ने एसीबी कार्यालय में लिखित रिपोर्ट पेश की। जिसमें बताया कि मैंने अपनी पत्नी ज्योति के नाम से घरेलू बिजली कनेक्शन लेने के लिए आवेदन किया गया है। जिसका डिमांड नोटिस भी मेरे द्वारा जमा करा दिया गया लेकिन मेरे घर पर अभी तक कनेक्शन नहीं हुआ है और ना ही मीटर लगाया गया है। मेरे आवेदन पर लाइनमैन कप्तान सिंह द्वारा पुराना बिजली का बिल बकाया होने का भय दिखाकर एवं नया मीटर लगाने के बदले में 12 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है।

एसीबी टीम के 13 नवंबर 2022 को शिकायत का गोपनीय सत्यापन कराने पर कप्तान सिंह लाइनमैन दिनेश कुमार दलाल के मार्फत 11 हजार रुपए की रिश्वत लेकर विद्युत कनेक्शन देने पर सहमत हो गया। जिसके बाद उसी समय परिवादी से 5 हजार रुपए रिश्वत ले ली गई तथा बाकी 6 हजार रुपए बाद में लेना तय हुआ। सत्यापन में रिश्वत की मांग की पुष्टि होने के बाद एसीबी की टीम ने मंगलवार को सुबह से ही राजाखेड़ा में अपना जाल बिछा दिया। इसके बाद मंगलवार को तकनीकी सहायक के दलाल दिनेश कुमार पुत्र सोवरन सिंह प्रजापति निवासी वार्ड नंबर 30 रूहाई मौहल्ला राजाखेड़ा ने सब्जी मंडी राजाखेड़ा में 6 हजार रुपए

पटवारी को 4 हजार की रिश्वत लेते दबोचा

की रिश्वत ली। जिस पर एसीबी की टीम ने मौके पर ही दलाल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। इसके बाद एसीबी टीम ने फोन पर दलाल दिनेश

- **पुराना बिल बकाया होने का भय दिखाकर नया मीटर लगाने की एवज में मांगी रिश्वत**

कुमार की तकनीकी सहायक कप्तान सिंह से मोबाइल पर बात कराई। जिसमें तकनीकी सहायक ने भी रिश्वत की राशि लेने की सहमति जाहिर कर दी। इसके बाद एसीबी टीम ने दलाल को सब्जी मंडी से तथा आरोपी तकनीकी सहायक कप्तान सिंह को विद्युत निगम के सब स्टेशन जाटोली से दबोच लिया। जिनके कब्जे से रिश्वत की राशि 6 हजार रुपए भी बरामद कर ली।

पटवारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम ने तिजारा में एक कार्रवाई करते हुए 4000 रुपए की रिश्वत के साथ एक हल्का पटवारी को रंगे हाथों दबोच लिया। इस पटवारी ने एक किसान से उसकी केसीसी की फाइल को आगे बढ़ाने के नाम पर 4 हजार रुपए रिश्वत की डिमांड की थी।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम अलवर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह ने बताया कि एक परिवादी के द्वारा तिजारा में सरेटा हल्का के पटवारी विष्णु कुमार के खिलाफ एक शिकायत दी गई थी कि उसकी केसीसी की फाइल को आगे बढ़ाने की एवज में उससे हल्का पटवारी विष्णु कुमार 4 हजार

- **केसीसी की फाईल को आगे बढ़ाने के नाम पर ली रिश्वत**

रुपए की रिश्वत की डिमांड कर रहा है। जिस पर एसीबी की टीम ने 14 नवंबर को मामले का सत्यापन कराया और सत्यापन कराने के बाद मंगलवार दोपहर को ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

परिवादी को पैसे लेकर हल्का पटवारी के पास भेजा गया। पटवारी ने जैसे ही पैसे लिए और एसीबी की टीम को इशारा मिलते ही पटवारी को रंगे हाथों दबोच लिया। रिश्वत में ली गई चार हजार रुपए की राशि भी जब्त कर ली गई है।

पाटन में यूरिया की कालाबाजारी

पाटन, (निसं)। रबी और खरीफ की फसल के लिए किसान को इस समय खाद बीज की दरकार है । फाटन क्षेत्र में हो रही खाद की कालाबाजारी जारी है। खाद बीज वाले डीलर खाद को अधिक रेट में बेचते हैं और किसान को खाद बीज के साथ अन्य दवा खरीदने के लिए दबाव बनाते हैं, जिस कारण किसानों को मजबूरन अपनी जेब कटवानी पडती है ।

जब किसान खाद बीज वाले डीलर के पास जाता है तो उसको डीलर द्वारा खाद नहीं होने की बात कह कर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं तथा किसान द्वारा बार-बार निवेदन करने पर ब्लैक में खाद देने की बात कहते हैं और किसान मजबूर होकर ब्लैक में खाद खरीदता है । खाद डीलरों के पास खाद भी समय पर आ जाता है लेकिन वह उस खाद को रात्रि में मौका मिलते ही दूसरी जगह अच्छा मुनाफा लेकर बेच देता है।

संवाददाता ने सहायक कृषि अधिकारी बाबूलाल यादव से बात की और किसानों की समस्याएं उनके सामने रखी तो उन्होंने भी माना कि खाद बीज वाले मूल्य से अधिक रेट पर अपना खाद बेच रहे हैं जिसकी शिकायत पूर्व में भी आई थी। शिकायत के आधार पर खाद बीज वालों को नोटिस भी दिए गए थे फिर भी अगर कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो अब की बार इनके पास खाद की गाडी आएगी तो वहां कृषि पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएंगे तथा उसके नेतृत्व में ही खाद वितरण करवाया जाएगा ।

'खाद की समस्या को लेकर प्रदेश व केन्द्र सरकार से संपर्क में हूं'

टोंक, (निसं)। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने मंगलवार को राजस्थान वरिष्ठ नागरिक बोर्ड के सदस्य एवं टोंक जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष एडवोकेट आत्माराम गोयल के निधन पर उनके निवास पर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त की और परिवारजनों को ढांढस बंधाया।

इसके बाद ग्राम छान में पहुंच कर ग्राम पंचायत छान के सरपंच कालूराम बैरवा के निधन पर पायलट ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पुष्पाजंलि अर्पित की। सचिन पायलट ने दौरे के

- **'दो-चार दिन में खाद क्षेत्र में पहुंच जाएगा'**

दौरान ग्राम राधावल्लभपुरा, ग्राम खरेडा, ग्राम पंचायत गणेती के ग्राम बीबोलाव एवं ग्राम पंचायत गोपालपुरा में कार्यक्रमों में भाग लेकर विकास कार्यों का शिलान्यास किया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के साथ ही उनका निस्तारण करने का आश्वासन दिया। इस दौरान पायलट का ग्रामीणों ने जगह-जगह स्वागत भी किया।

गांवों के दौरे के दौरान पायलट ने कहा कि मैं जनता के बीच उनके विकास कार्य हुए या नहीं हुए, यह जानकारी लेने आया हूं। पायलट ने कहा कि टोंक जिले में भी खाद समस्या चल रही है। इसको लेकर प्रदेश व केन्द्र सरकार से लगातार संपर्क में हूं, ताकि किसानों को समय पर खाद मिल सके। भारत सरकार अलग -अलग राज्य को जरुरत के हिसाब से खाद का वितरण कर रही है। दो-चार दिन में खाद क्षेत्र में पहुंच जाएगा । इसके लिए पूरी कोशिश की जा रही है । उन्होंने कहा कि समय पर किसानों को खाद नहीं मिला तो उनकी मेहनत बेकार हो जाएगी, केन्द्र व राज्य सरकार से आग्रह किया है कि किसानों को समय पर अच्छी गुणवत्ता वाली खाद उपलब्ध कराएं। इस मौके पर पायलट ने राधावल्लभपुरा से मोरभाटियान, सीतारामपुरा से चूली मोड, गणेती रोड से जेकमाबाद सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया और विकास कार्यों की घोषणाएं भी की। इस मौके पर मसूदा विधायक राकेश पारीक, विप्र कल्याण बोर्ड अध्यक्ष महेश शर्मा, कांग्रेस निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण गाता, पूर्व विधायक कमल बैरवा, नगर परिषद सभापति अली अहमद, मणिन्द्र लोदी, हंसराज गाता, सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

पायलट ने अग्रवाल समाज के अध्यक्ष एडवोकेट आत्माराम गोयल के निधन पर उनके निवास पर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त की ।

चिकित्सा लेक्चरर की पात्रता जांच

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग में काय चिकित्सा विषय के लेक्चरर पदों के लिए संवीक्षा परीक्षा-2021 के तहत पात्रता की जांच के लिए अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई है। साक्षात्कार के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सचिव एचएल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा काय चिकित्सा विषय के लेक्चरर पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के लिए संवीक्षा परीक्षा का आयोजन 11 नवंबर 2021 को किया गया था। परीक्षा के फलस्वरूप 12 अभ्यर्थियों को पात्रता की जांच के लिए विचारित सूची में अस्थाई रूप से शामिल किया गया है। यह परिणाम राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर में दायर याचिका संख्या 12013/2021 में पारित अंतरिम आदेश 7 मार्च 2022 की पालना में याचिका में पारित होने वाले अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उन्होंने बताया कि जारी की गई विचारित सूची साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। इसका उद्देश्य मात्र दस्तावेज सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करना है। अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों/नियमों के अनुसार की जाएगी।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के गुडला नदी गांव में मंगलवार को 11:30 बजे दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया जिसमें दोनों पक्षों के करीब 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

घायलों को बौंली चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय रैफर किया गया है। समाचार भेजे जाने तक बौंली सर्किल इंस्पेक्टर कुसुमलता मीणा मय दल बल के गुडला नदी गांव में मौके पर मौजूद है। पुलिस थाना बौंली से प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी रामसहाय गुर्जर निवासी गुडला नदी थाना बौंली ने उपस्थित थाना होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दूसरे पक्ष के लोगों ने हमारे मना करने के बावजूद भी सरसों की बुवाई कर दी एवं आज पानी की पिलाइ करने लगे । इस मामले को लेकर दोनों पक्षों में खेत पर ही खूनी संघर्ष हो गया। दोनों और से लाठी गंडासा अन्य धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया जिससे दोनों पक्षों के 25 लोग घायल हो गए। जिसमें एक पक्ष के 13 एवं दूसरे पक्ष के 11 लोग शामिल हैं। बौंली पुलिस ने चिकित्सालय में दोनों पक्षों के लोगों को अलग-अलग वार्ड में प्राथमिक उपचार के बाद रैफर किया। आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

चिकित्सालय सूत्रों के अनुसार घायलों में एक पक्ष के रूप सिंह, रामकेश, गिर्राज, प्रकाश, भगवान सिंह, प्यार सिंह, गोपाल, गबरु, विजय, व राजाराम जाति गुर्जर शामिल है। दूसरे पक्ष के में महिला धोला देवी, दिलखश, गबरु, मदनलाल पुखराज हंसराज रायसिंह बसराम मनसुख पायलट, मीठालाल, रामकेश व मोहनलाल गुर्जर शामिल है।

परीक्षा आयोजित

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्राध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2022 का प्रारंभ मंगलवार से हुआ। प्रथम दिन सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन तथा हिन्दी विषय की परीक्षा का आयोजन किया गया। सामान्य ज्ञान की परीक्षा में अभ्यर्थियों का उपस्थिति प्रतिशत 47.04 तथा हिन्दी विषय में 49.42 प्रतिशत रहा। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया सुबह 9 से 10.30 बजे तक आयोजित सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन की परीक्षा के लिए पंजीकृत 52636 अभ्यर्थियों में से 24759 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित हिन्दी विषय की परीक्षा में पंजीकृत 31117 अभ्यर्थियों में से 15377 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए।

भाजपा नेता अशोक पिंचा आज भरेंगे नामांकन

सरदारशहर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अशोक पींचा विधानसभा उपचुनाव हेतु अपना नामांकन 16 नवंबर को दाखिल करेंगे।

विशाल नामांकन रैली सुबह 10 बजे ताल मैदान से रवाना होकर गांधी चौक पहुंचकर विशाल आम सभा में परिवर्तित होगी। आम सभा को डॉ. सतीश पूनिया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, अर्जुनराम मेघवाल केंद्रीय मंत्री, गुलाबचंद कटारिया नेता प्रतिपक्ष राजस्थान विधानसभा, राजेंद्र राठौड उप नेता प्रतिपक्ष राजस्थान विधानसभा, रामसिंह कस्वा पूर्व सांसद, वंदना आर्य जिला प्रमुख, अभिनेष महर्षि विधायक रतनगढ, माधोराम चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष, मुकेश दाधीच प्रदेश उपाध्यक्ष, पंकज गुप्ता प्रदेश कोषाध्यक्ष, धर्मवीर पुजारी जिलाध्यक्ष भाजपा, रामगोपाल सुथार जिला प्रभारी, खेमाराम मेघवाल पूर्व मंत्री, पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण, संतोष मेघवाल प्रधान बिदासर, भाजपा नेता राकेश जांगिड तारानगर सहित अनेक भाजपा नेता संबोधित करेंगे।

इधर यूरिया खाद की किल्लत, उधर कालाबाजारी

पुलिस के पहरे में बंटा खाद, सुबह चार बजे से भूखे-प्यासे लाइन में लगे किसान

ग्राम सेवा सहकारी समिति पर यूरिया खाद के लिये लगी किसानों की लाईन।

अलवर, (निसं)। प्रदेश में फसल के लिए बढ़ती यूरिया खाद की मांग के बीच जगह-जगह से कालाबाजारी के समाचार है । किसान हाइवे जाम करने लगे है व पुलिस व प्रशासन की मौजूदगी में कूपन और खाद बंटवाने का काम किया जा रहा है । सीकर के पाटन सहित प्रागपुरा पावटा , निवाई सहित कई जगह से खाद की किल्लत होने के समाचार सामने आ रहे हैं। रामगढ़ ग्राम सेवा सहकारी समिति पर यूरिया खाद प्रशासन की देखरेख में बांटा गया, भारी बल के साथ पुलिस मुस्तैद रही । तहसील में सुबह से ही किसानों की लंबी कतार लगी रही।

रामगढ बस स्टैंड के पास ग्राम सेवा सहकारी समिति पर यूरिया खाद के 600 कट्टे आए थे लेकिन सहकारी समिति के कर्मचारी अपने चाहतो को कालाबाजारी कर खाद बांट रहे थे। जिसका किसानों ने सोमवार को विरोध किया और दिल्ली हाईवे रोड जाम कर बैठ गए। थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बड़ी मुश्किल से किसानों को समझाकर जाम को खुलवाया और खाद बांटने के लिए सहकारी समिति के कर्मचारियों को मना कर दिया।

यूरिया खाद में हो रही धांधली को रोकने के लिए तहसीलदार धीरेंद्र कर्दम ने तहसील पर किसानों की लाइन लगवाकर टोकन देकर खाद वितरण किया । किसानों का कहना है कि सुबह से भूखे प्यासे लाइन में लगे हुए हैं लेकिन मंगलवार को भी उम्मीद नहीं है कि एक कट्टा खाद का मिल पाएगा । तहसीलदार धीरेंद्र कदम का कहना है कि आज तहसील पर लाइन लगाकर प्रत्येक किसान को एक आधार कार्ड के हिसाब से एक कट्टे का टोकन दिया जा रहा है जिससे कि सभी किसानों को 1-1 कट्टा मिल सके। तहसील और सहकारी समिति पर पुलिस भारी संख्या में मुस्तैद रही ।

किसानों ने झिलाय रोड पर राजीव गांधी सेवा केन्द्र के बाहर जाम लगाया।

निवाई, (निसं)। यूरिया खाद की मांग को लेकर किसानों ने झिलाय रोड पर स्थित राजीव गांधी सेवा केन्द्र के बाहर सड़क पर जाम लगा दिया और किसान एकता के समर्थन में नारेबाजी की।

जाम खुलवाने के लिए थानाधिकारी राजेंद्र खण्डेलवाल ने मौके पर पुलिस जाप्ता भेजा। किसानों ने तहसीलदार को बताया कि यूरिया खाद के किसान सेवा केन्द्र पर कूपन नहीं दिए जा रहे हैं तथा बाजार में 266 रूपये के यूरिया खाद का कट्टा 550 रूपये में ब्लैक में बिक रहा है। तहसीलदार ने किसानों को खाद का

- **266 रूपये के यूरिया खाद का कट्टा 550 रूपये में ब्लैक में बिक रहा है**

ब्लैक करने वालों दुकानदारों के विरुद्ध कार्यवाही का भरोसा दिलाया। इसके बाद जाम खुलवाया गया।

इसके बाद यूरिया खाद लेने आए किसानों की पुलिस जाप्ते के सहयोग से तहसीलदार ने लाईन लगवाकर किसानों को यूरिया खाद के कूपन वितरित किए।

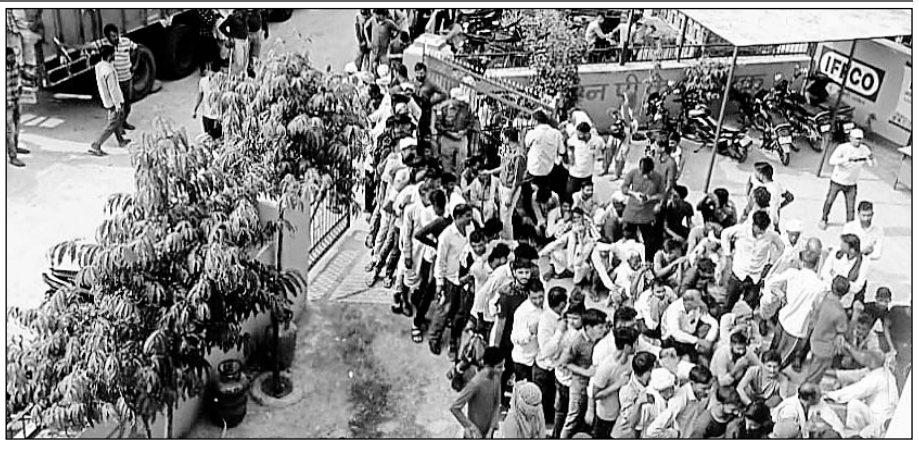

यूरिया खाद आने की सूचना पर प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति पर उमड़ी किसानों की भीड़।

पावटा, (निसं)। खाद नहीं मिलने से अभी तक सरसों की फसलों में यूरिया खाद नहीं डाला जा सका है और सिंचाई प्रभावित हो रही है।

पावटा प्रागपुरा सहित आस - पास के क्षेत्रों में किसानों को किसी दुकान पर यूरिया का ट्रक पहुंचने की सूचना मिलती है तो यहां सुबह से ही हजारों किसान खाद लेने के लिए उमड़ पड़ते हैं और टोकन लेने के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी नजर आती हैं।

मंगलवार को प्रागपुरा कस्बे में प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति परिसर में यूरिया खाद लेने के लिए

- **करीब एक हजार से ज्यादा लोग लाइन में टोकन लेने के लिए खड़े रहे**

किसानों की कतारें लग गईं। यहां करीब एक हजार से ज्यादा लोग लाइन में टोकन लेने के लिए खड़े रहे।

जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड ने केन्द्रीय उर्वरक मंत्री से बात करके 2600 टन यूरिया जयपुर ग्रामीण के लिए उपलब्ध करवाया ।

वहीं रैंक व अधिकारियों से बातचीत के सहयोग से चेयरमैन प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति प्रागपुरा उपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति में 1520 कट्टे दो ट्रक यूरिया आए। जिनको पाने के लिए हजारों की संख्या अन्नदाता किसानों की भीड उमडी। जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड व उच्च अधिकारियों से बातचीत जारी है और यूरिया जल्द मंगवाया जायेगा।

आदिवासी कला, संस्कृति और शिल्प को व्यापक स्तर पर संरक्षित किया जाए : मिश्र

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि आदिवासी क्षेत्रों में प्राचीन परम्परा और भारतीय संस्कृति आज भी जीवंत दिखाई देती है। उन्होंने आदिवासी समाज की कला, संस्कृति और शिल्प को व्यापक स्तर पर संरक्षित किए जाने का आव्हान किया है।

राज्यपाल मिश्र क्रांतिकारी महापुरुष बिरसा मुंडा की जयन्ती के अवसर पर मंगलवार को राजभवन में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस सम्मान समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज में आर्थिक विषमता दूर करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाओं और आजीविका के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जनजातियों के समग्र विकास के उद्देश्य से इन क्षेत्रों के लिए योजना निर्माण में नवाचारों और नए कार्यक्रमों को आवश्यकता अनुरूप समावेश किए जाने पर भी बल दिया।

राज्यपाल मिश्र ने क्रांतिकारी महापुरुष बिरसा मुंडा की जयन्ती के अवसर पर मंगलवार को राजभवन में आयोजित समारोह में उल्लेखनीय काम करने वालों को सम्मानित किया।

- **राजभवन में जनजातीय गौरव दिवस सम्मान समारोह आयोजित**

राज्यपाल ने कहा कि आदिवासी समाज में भगवान के रुप में पूजे जाने वाले महान क्रांतिकारी बिरसा मुंडा ने देश की स्वाधीनता और आदिवासी समाज की संस्कृति एवं गौरव के संरक्षण के लिए जो कार्य किया वह अविस्मरणीय है। उन्होंने जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक सोच के साथ कार्य करने का आव्हान किया।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि जनजातीय कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और इसी अनुरूप प्रदेश में जनजातीय क्षेत्र के निवासियों के कल्याण के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए राजभवन स्तर पर जनजातीय परिवर्तन एकक का गठन भी किया गया है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर वन धन योजना में सर्वाधिक लाभार्थियों वाले क्रमश: उदयपुर, बांसवाड़ा एवं डूंगरपुर जिलों के राजीविका के जिला परियोजना प्रबन्धकों को सम्मानित किया। उन्होंने नवाचार और नए मूल्य संवर्धित उत्पाद प्रस्तुत करने के लिए भोमटवाड़ा, नयागांव (उदयपुर), कोटड़ा (उदयपुर) और छोटी सादड़ी (प्रतापगढ़) के वन धन विकास केन्द्रों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। उन्होंने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के तीसरे राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव में अलग-अलग प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों तथा उच्च प्राप्तांक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने क्षय रोग के उपचार के लिए स्वच्छ प्रोजेक्ट के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि संविधान में अनुच्छेद 244 (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप राज्यपाल जनजातीय क्षेत्र के संरक्षक का कार्य करते हैं।

बीसीआर व बार एसोसिएशन जयपुर से मांगा जवाब

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के चुनाव करवाए जाने का मामला

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के चुनाव करवाए जाने से जुड़े मामले में बीसीआर व हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के सचिव से 28 नवंबर तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस विजय विश्नोई व वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह निर्देश बीसीआई व अधिवक्ता सुमेर सिंह ओला की अपील पर दिया।

अपील में 11 अक्टूबर के एकलपीठ के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के पूर्व महासचिव प्रहलाद शर्मा सहित अन्य की याचिका पर अदालत ने बीसीआई के 3 अक्टूबर 2022 के उस आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी थी, जिसमें बार एसोसिएशन के 18 नवंबर को होने वाले चुनाव पर रोक लगाई थी। वहीं एकलपीठ ने स्पष्ट था किया कि हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के चुनाव सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशानुसार सख्ती से करवाए जाएं। एकलपीठ के इस आदेश को बीसीआई ने खंडपीठ में चुनौती देते हुए कहा कि प्रार्थियों को उसके आदेश पर कोई आपत्ति थी तो उन्हें उसके समक्ष ही प्रार्थना पत्र दायर करना चाहिए था और इसे हाईकोर्ट में चुनौती नहीं दी जानी चाहिए थी। इसके अलावा एकलपीठ ने उन्हें सुने बिना ही अंतरिम आदेश दिया है, जो गलत है। इसलिए एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाई जाए। खंडपीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए बीसीआर व बार एसोसिएशन से जवाब मांगा है। गौरतलब है कि बीसीआई ने अधिवक्ता सुमेर सिंह ओला की याचिका पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर सहित प्रदेशभर की बार एसोसिएशनों के चुनावों पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी थी। वहीं दूसरी ओर हाईकोर्ट की एकलपीठ ने डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन जयपुर के चुनाव पर रोक लगाने वाले बीसीआई के 3 अक्टूबर वाले आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह निर्देश उमेश कुमार की याचिका पर दिया।

अभियान में 195 कार्यवाही

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि राज्य के माइंस विभाग द्वारा अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ 11 नवंबर से चलाए गए तीन दिनी विशेष अभियान में राज्यभर में 195 कार्यवाही कर 200 वाहनों की जब्ती के साथ ही 70 लाख 29 हजार से अधिक की राशि जुर्माने के रुप में वसूली जा चुकी है। अभियान के दौरान सर्वाधिक कार्यवाही जयपुर जोन और जयपुर वृत में रही हैं वहीं वसूली राशि में भी जयपुर आगे रहा है।

एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि 10 जनवरी को स्टोनमार्ट के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार अवैध खनन के प्रति गंभीर होने के साथ ही निरंतर अभियान चलाकर इस पर रोक लगाने के प्रयास कर रही है। प्रदेश में वैध खनन को बढ़ावा देने के प्रति भी सरकार गंभीर है।

कलशयात्रा के साथ 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ शुरू

अखिल विश्व गायत्री परिवार की सह संस्थापक भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वाटिका में मंगलवार को 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ हुआ।

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार की सह संस्थापक भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वाटिका में मंगलवार को तीन स्थानों से निकली कलश यात्राओं के साथ 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। पहली कलश यात्रा शक्तिपीठ से, दूसरी वाटिका रोड स्थित श्याम पैराडाईज से और तीसरी कलशयात्रा मोहनपुरा रोड से एक साथ एक ही समय पर रवाना हुई। रवानगी से पूर्व कलश भगवान का पूजन किया गया। तीनों कलश यात्राओं में तीन हजार से अधिक महिलाएं पीली साड़ी में सिर पर कलश लेकर मंगल गीत गाती चल रहीं थी। वहीं पुरूष सिर पर पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा लिखित सद्ग्रंथ लेकर चल रहे थे। हम बदलेंगे युग बदलेगा, हम सुधरेंगे युग सुधरेगा जैसे उद्घोष करते हुए चल रहे युवाओं ने वातावरण में जोश भर दिया। चालो चालो सुहागन नार कलश सिर धारण करो...., हम गायत्री मां के बेटे तुम्हे जगाने आए हैं...जैसे गीतों के साथ आगे बढ़ रही कलशयात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। वाटिका बस स्टैंड पर जैसे ही तीनों कलश यात्राओं का त्रिवेणी संगम हुआ तो कलश धारण किए मातृ शक्ति की करीब एक किलोमीटर लंबी कतार लग गई। यज्ञ स्थल पर सांसद रामचरण बोहरा ने कलशयात्रा की अगवानी की। बोहरा ने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के वाटिका में आने से यह कस्बा जीवंत तीर्थ बन चुका है। गायत्री परिवार राजस्थान के समन्वयक ओमप्रकाश अग्रवाल, गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के व्यवस्थापक रणवीर सिंह चौधरी, डॉ. प्रशांत भारद्वाज सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता कलशयात्रा में उपस्थित रहे। देव कन्याओं द्वारा आरती के साथ पहले दिन के कार्यक्रम का विश्राम हुआ।

कार्यक्रम संयोजक दामोदर शर्मा ने बताया कि बुधवार, 16 नवंबर को सुबह 6:30 से 7: 30 तक सामूहिक जप, ध्यान, प्रज्ञा योग, व्यायाम के माध्यम से शरीर को नीरोग रखने के सूत्र बताए जाएंगे। सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक देवपूजन के साथ गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ होगा। शाम 6 से 8 बजे तक युग संगीत और सर्व सुलभ गायत्री साधना पर प्रवचन होंगे। गुरुवार, 17 नवंबर को सुबह नियमित जप-योग के बाद 8:30 से 11:30 बजे तक गायत्री महायज्ञ और विभिन्न संस्कार होंगे। शाम को 6 से रात्रि 8 तक युग संगीत और सद्ग्रंथ स्थापना दीप महायज्ञ होगा। 18 नवंबर को सुबह 8:30 से 11: 30 बजे तक गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी।

11 दिसंबर को होगी रद्द की गई वनरक्षक भर्ती परीक्षा

जयपुर। राजस्थान में 2300 पदों के लिए 12 नवंबर को रद्द की गई वनरक्षक भर्ती परीक्षा 11 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। मंगलवार को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने रद्द की गई भर्ती परीक्षा की नई तारीख जारी कर दी है। इसके तहत 4 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी 11 दिसंबर को 2 पारी में भर्ती परीक्षा देंगे। पहली पारी की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक होगी, जबकि दूसरी पारी के परीक्षा दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक होगी। दरअसल, रद्द एक पारी की परीक्षा की गई थी। लेकिन कैंडिडेट्स की संख्या को देखते हुए अब ये परीक्षा संभाग के मुख्यालय पर दो पारी में होगी।

- **4 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी होंगे शामिल, दो पारियों में होगी परीक्षा**

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने बताया कि वनरक्षक दूसरी पारी का पेपर आउट होने की वजह से रद्द कर दिया गया था। ऐसे में 1 महीने के भीतर ही बोर्ड ने फिर से 11 दिसंबर को भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसमें दूसरी पारी की परीक्षा में रजिस्ट्रेशन कराने वाले 4 लाख 2 हजार 129 अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे।

बता दें कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 2300 पदों के लिए 12 और 13 नवंबर को 4 पारियों में भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रदेश के 16 लाख 36 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। लेकिन 12 नवंबर को दूसरी पारी का पेपर सोशल मीडिया पर लीक हो गया। जिसके बाद राजसमंद पुलिस ने इस पूरे मामले में 10 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया है। वहीं, प्रदेश भर में लगातार पेपर लीक से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

तीन हजार को मिले जॉब ऑफर लेटर

जयपुर, (का.सं.)। कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग की ओर से यहां बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय मेगा जॉब फेयर में 30 हजार से अधिक युवक-युवतियों को रोजगार के लिए साक्षात्कार देने का अवसर मिला। विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों ने इनमें से करीब 3 हजार का नौकरियों के लिए चयन कर ऑफर लेटर प्रदान किए, वहीं लगभग 10 हजार को शॉर्ट लिस्ट कर रोजगार देने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग की आयुक्त रेणु जयपाल ने बताया कि करोना काल के बाद पहली बार जयपुर में बड़े स्तर पर 14 एवं 15 नवम्बर को जॉब फेयर का आयोजन किया गया।

'सहकारी समितियां तकनीक के माध्यम से सेवाएं दें'

जयपुर, (का.सं.)। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने बताया कि सहकारी समितियां तकनीक का उपयोग कर उपभोक्ताओं को सेवायें प्रदान करें। साथ ही नवाचारों को अपना कर समितियों के व्यवसाय में वृद्धि करते हुए सदस्यों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दें।

आंजना ने 69 वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य की 7000 से अधिक ग्राम सेवा सहकारी समितियों का कम्प्यूटराइजेशन किया जायेगा। प्रथम फेज में 1730 ग्राम सेवा सहकारी समितियों का कम्प्यूटराइजेशन के लिए चयन कर लिया गया हैं तथा इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 22.07 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। केन्द्र सरकार भी इस कार्य में 60 प्रतिशत राशि वहन करेगी। सहकारी समितियों के कम्प्यूटराइजेशन होने से समितियों में पारदर्शिता आयेगी एवं जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। सहकारी समितियों के द्वारा होने वाले व्यवसाय में समय के अनुरूप तथा लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बदलाव हो, इस ओर हमारा प्रयास है। अब समितियों में प्रोसेसिंग यूनिट एवं कस्टम हायरिंग की स्थापना हुई है।

प्रदेश में मंगलवार को केवल 14 ही नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या में और कमी आई है। इस दौरान राज्य में 14 नए मरीज मिले हैं। वहीं 10 मरीज ही ठीक हुए हैं। इस बीच सीकर में करोना से एक संक्रमित की मौत हो गई है। प्रदेश में फिलहाल 229 संक्रमितों का इलाज चल रहा है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 7 जिलों में 14 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को इनकी संख्या 36 रही थी। इधर आज सीकर व पाली में 3-3, अलवर, राजसमंद व कोटा में 2-2 तथा बीकानेर और जयपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। जयपुर में केवल सोड़ाला इलाके में ही एक मरीज पाया गया है। इस बीच राज्य में 5361 जांचे की गई है।

- **सीकर में करोना से एक मरीज की मौत हुई है**
- **जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में एक ही नया संक्रमित पाया गया है**

प्रदेश में मंगलवार को केवल 10 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 229 हो गए हैं। इस बीच राजधानी जयपुर में कोई भी मरीज रिकवर नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 67 हो गए हैं। प्रदेश में मंगलवार को करोना से सीकर में एक संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ राज्य में अब तक इस बीमारी से 9649 लोगों की मौत हो चुकी है।

विकास कार्यों के लिए 13 करोड़ रुपए मंजूर

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अनुसूचित/गैर अनुसूचित क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 13 करोड़ रूपए के अतिरिक्त बजट प्रावधान को स्वीकृति दी है।

गहलोत के इस निर्णय से अनुसूचित/गैर अनुसूचित क्षेत्रों में संपर्क सड़क, पुलिया एवं नाली निर्माण सहित 95 विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे। इससे आमजन की मूलभूत समस्याओं का समाधान होगा और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। उक्त सभी कार्यों के लिए वित्तीय प्रावधान, जनजाति विकास कोष से किया गया है।

आंध्र के राज्यपाल ने की विजयवाड़ा में पूजा-अर्चना

जयपुर (का.सं.)। तमिलनाडु में सर्व समाज के गर्मजोशी से स्वागत के बाद विप्र फाउंडेशन की परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा का अमृत भारत आंध्र पहुंच गया। नेल्लौर और गुंटकल होते हुए मंगलवार को विजयवाड़ा पहुंचने पर आंधप्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने स्वयं यहां अमृत भारत रथ की अगवानी कर भगवान परशुराम की पूजा अर्चना की।

राज्यपाल के अचानक रथ की अगवानी करने की खबर मिलने पर प्रशासन हरकत में आया और कड़े सुरक्षा इंतजाम किए। राज्यपाल के पहुंचने पर रथ का नेतृत्व कर रहे स्वामी चिरंजीवी रामनारायण दास और विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास ,आंध्र ज़ोन अध्यक्ष गोपाल शर्मा, महामंत्री संजय शर्मा, सह अध्यक्ष वेद प्रकाश सारस्वत एवं ओमप्रकाश पारीक, विजयवाड़ा चेप्टर के अध्यक्ष सतपाल शर्मा, मंत्री अजय ओझा, कोषाध्यक्ष नथमल ओझा, मीडिया प्रभारी वेणुगोपाल शर्मा व अन्य सदस्यों ने उनका शॉल, पुष्पगुच्छ से सम्मान किया। राज्यपाल ने विधिवत भगवान परशुराम की पूजा अर्चना कर रथ यात्रा के सफल होने के लिए प्रार्थना की।

'धोखाधड़ी करने पर सेना भर्ती से वंचित हो सकते हैं उम्मीदवार'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यालय भर्ती क्षेत्र जयपुर ने राजस्थान राज्य में बीकानेर, बहरोड़ और जयपुर में अब तक तीन अग्निवीर भर्ती रैलियां आयोजित की हैं, जबकि चौथी कोटा में चल रही है। इन रैलियों में भाग लेने के लिए कुल 2,85,637 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था।

रैलियों के संचालन के दौरान, कई उम्मीदवारों को फर्जी दस्तावेजों के साथ और उनकी जन्म तिथि में धोखाधड़ी के संशोधन के साथ भाग लेने का प्रयास करते पाया गया। रैली स्थलों के पास स्थापित कुछ ई-मित्र स्टॉल उम्मीदवारों को इन दस्तावेजों के प्रावधान में शामिल थे, जैसा कि ऐसे दस्तावेजों के साथ पकड़े गए उम्मीदवारों द्वारा आरोप लगाया गया था। ऐसे ई-मित्र स्टालों की भागीदारी से संबंधित जिला कलेक्टर कार्यालयों को सूचित किया गया था।

मुख्यालय भर्ती क्षेत्र (जयपुर) सभी इच्छुक उम्मीदवारों को ऐसी प्रथाओं से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करता है क्योंकि ये न केवल अवैध हैं बल्कि उन्हें भविष्य की किसी भी भर्ती रैलियों में भागीदारी से भी वंचित कर देते हैं और इससे राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है।

नर्सिंग ऑफिसर्स का आंदोलन स्थगित

जयपुर, (कासं)। राजधानी के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से आई.एच. एम. एस. पोर्टल के माध्यम से सभी कार्य नर्सेज से ही कराये जाने के आदेश के खिलाफ मंलवार को दूसरे दिन भी नर्सिंग ऑफिसर्स ने सवाई मानसिंह चिकित्सालय के मुख्यद्वार पर दो घण्टे गेट मीटिंग कर विरोध प्रकट किया। इसके बाद चिकित्सा अधीक्षक से वार्ता में मांगों पर सहमति बनने पर आंदोलन स्थगित कर दिया गया।

संयोजक रोशन लाल यादव ने बताया कि दो दिन के विरोध प्रदर्शन के बाद आज जिला अध्यक्ष बलदेव सिंह व वरिष्ठ नेता प्यारेलाल चौधरी के नेतृत्व में एसोसियेशन के पदाधिकारियों की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा के साथ सौहार्दपूर्ण वार्ता हुई।

अध्यक्ष बलदेव सिंह ने बताया कि वार्ता में चिकित्सा अधीक्षक ने एसोसियेशन को आश्वस्त किया कि आई.एच.एम.एस पोर्टल पर चिकित्सकों से संबधित कार्य चिकित्सकों के द्वारा तथा नर्सिंग सेवाओं से संबधित कार्य नर्सिंग ऑफिसर्स के द्वारा किया जाएगा। वरिष्ठ नेता प्यारेलाल चौधरी ने बताया कि वार्ता में सहमति के उपरांत मरीज हित में आंदोलन को स्थगित कर दिया गया है। महिला चिकित्सालय सयोजक नित्यानंद यादव ने बताया कि वार्ता में नर्सिंग अधीक्षक सुरेश मीणा, नर्सेज नेता महीपाल सामोता, सुरेन्द्र बांकावत, प्रकाश सेन, हेमराज गुप्ता, शारदा निनामा, राकेश फौजदार, रतिराम यादव, महावीर चौधरी, भरतलाल जाटव, भूपेन्द्र, निरमा मीणा शामिल थे।

- **चिकित्सा अधीक्षक के साथ वार्ता में बनी मांगों पर सहमति**

जयपुर के विद्याधर नगर में 23 नवंबर को होने वाली विमेंस रन फॉर नेशन के तीसरे एडिशन के आयोजन के पोस्टर का विमोचन पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने किया। रन की आयोजक प्रियदर्शनी सोलर मिशन एंड वाटर सेविंग संस्था की अध्यक्ष शशि गुप्ता ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण है और पिछले तीन वर्षों से यह आयोजन निरंतर जारी है। इस मौके पर अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, रुचिका अग्रवाल, रुचि गोयल, यामिनी गुप्ता, सरोज चौधरी, राजेश अग्रवाल नटराज, दिनेश अग्रवाल दिलीप अग्रवाल सीए, संजय अग्रवाल सीए, राजेंद्र अग्रवाल, बजरंग बोहरा, बाबूलाल गुप्ता भी मौजूद थे।

असिस्टेंट बैंक मैनेजर सुसाइड मामले में पति गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। असिस्टेंट बैंक मैनेजर मेघा कौशल (34) के सुसाइड केस में नया मोड़ आया है। मेघा के पिता ने बजाज नगर थाने में बेटी के पति और सास के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि दोनों मिलकर बेटी को नशीले पदार्थ खिला रहे थे, उससे माफी मांगने के वीडियो बनाते थे। पुलिस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, मेघा के पति को मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है।

मेघा के पिता दुर्गेश सिंह ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मेघा कौशल की शादी शिवम निझावन (36) के साथ 7 फरवरी 2018 को दिल्ली में हुई थी। मेघा और शिवम दोनों सरकारी बैंक में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर काम कर रहे थे। दोनों का ट्रांसफर मार्च-अप्रैल 2022 में दिल्ली से जयपुर हुआ था। मेघा, शिवम और उसकी माता कमलेश निझावन जयपुर के गांधी नगर स्थित आरबीआई के स्टाफ क्वार्टर में रह रहे थे। शादी के बाद से ही मां-बेटे ने मेघा कौशल को परेशान करना शुरू कर दिया। उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाता था। जयपुर आने के बाद यह प्रताड़ना और बढ़ गई। उसे दहेज-पैसा लाने के लिए तंग किया जाने लगा।

उसे नशीले पदार्थ खिलाकर माफी मांगने के वीडियो बनाते थे। इसके पीछे उनका क्या उद्देश्य था, पता नहीं। जब वह ज्यादा तंग हो गई तो उसने दिनांक 13 नवंबर को सुबह फोन किया। कहा, उसको जयपुर आ के दिल्ली ले जाओ। हम रात 9 बजे ट्रेन से जयपुर पहुंच गए।

इस दौरान 3-4 बार बेटी से बात हुई। उसने बताया कि शिवम और उसकी मां ने मुझे भेजने से मना कर दिया है। खूब लड़ाई की है। इसके बाद हमारी मेघा से कोई बात नहीं हो सकी। हम होटल में रुक गए। सोमवार सुबह करीब 7 बजे एक अनजान नंबर से कॉल आई कि आपकी बेटी की तबीयत खराब है। उसको एसएमएस अस्पताल में एडमिट किया है। हम सीधे ही रेलवे स्टेशन से अस्पताल पहुंचे। बहुत देर ढूंढने के बाद पता चला कि मेघा कौशल मर चुकी है। मॉर्च्युरी में बॉडी पड़ी है। परिजनों ने आशंका जताई है कि मेघ की हत्या करके शव पंखे पर टांगा गया है। सुसाइड दिखाने की कोशिश की और अस्पताल में यह कह कर भर्ती कराया गया कि मेघा की तबीयत खराब है। मेघा के पति शिवम निझावना और उसकी सास ने हमें फोन भी नहीं किया कि उसकी तबीयत खराब है या वह मर चुकी है।

कार्यकताओं ने डॉ. शर्मा का केक काटकर और तलवार की भेंट कर जन्मदिन मनाया

मुकुंदगढ़ कस्बे के आदर्श स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित शिविर में 289 यूनिट रक्तदान

मुकुंदगढ़, (निसं)। कस्बे के आदर्श स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को नवलगढ विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सुबह 9 बजे शाम 6 बजे तक आयोजित हुआ। शिविर में 3 टीमों ने 289 यूनिट रक्त संग्रहण किया।

रक्तदाताओं में डॉ. शर्मा ने प्रमाण पत्र प्रतीक चिह्न देकर हौंसला अफ़जाई किया। शिविर में मुकुंदगढ नगरपालिका अध्यक्ष मनीष चौधरी व दिलीप मीणा ने 51- 51 किलो की फूल माला पहनाकर स्वागत किया। जन्मदिन के अवसर पर समर्थकों ने केक काटकर व शर्मा को तलवार भेंट की। डॉ. शर्मा ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा रक्तदान पुण्य का काम है। आपकी एक यूनिट रक्त ना जाने किस मोड पर किस इंसान के काम आ जाए। आपकी एक यूनिट किसी की जिंदगी बचा

मुकुंदगढ़ कस्बे के आदर्श स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित रक्तदान शिविर समारोह को नवलगढ़ विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा ने संबोधित किया।

■ रक्तदाता से बड़ा कोई सेवादार नहीं : डॉ. शर्मा

सकती है। रक्तदाता से बड़ा कोई सेवक नहीं हो सकता।

इस मौके पर प्रधान दिनेश सुंडा, पालिकाध्यक्ष नवलगढ़ शोयब खत्री, पालिका उपाध्यक्ष कैलाश चोटिया, सुभिता सीगड, पूर्व पालिका अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी, पार्षद प्रमोद पचलंगिया, अशोक बेरवाल, प्रेम गुर्जर, कपिल सैनी, सीपी जांगिड, सीताराम सैनी, नरोत्तम चेजारा, रज्जाक रंगरेज, आर्य भाटी, हारून चोबदार, संदीप चाहर, महेंद्र दादरवाल, रामनिवास, बाबू रंगरेज, जावेद, इकबाल, साहिब, दयाशंकर पोरवाल, जितेंद्र चौधरी, मनीष डोटासरा, इकबाल खोकर, जुबेर, अरविंद चौबे, बिलाल खत्री, रामनिवास, आकाश बेदवाल, रफीक तगादा, राजेश मिश्रा, सरपंच मणिराम झूरिया, जगदीश पूनियां, सुरेश पूनियां, मनोज गोयल, अरविंद देवड़ा, मनोज पोरवाल, सुरेश शर्मा, मुकेश पोरवाल, श्यामसुंदर टेलर, पंडित आदित्य नारायण सुरोलिया, सुखराम कसेरू सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

किसान गर्जना रैली के पोस्टर का विमोचन

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर 19 दिसम्बर को रामलीला मैदान दिल्ली में किसान गर्जना रैली के पोस्टर का विमोचन करते भारतीय किसान संघ तहसील राजगढ एवं सिद्धमुख के कार्यकर्तागण।

सादुलपुर, (निसं)। भारतीय किसान संघ तहसील राजगढ एवं सिद्धमुख की संयुक्त बैठक तहसील अध्यक्ष भरतलाल एवं गौविन्द गौड की संयुक्त अध्यक्षता में सुराणा भवन सादुलपुर में हुई।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद धारणिया, प्रान्त कोषाध्यक्ष श्रीचन्द सिद्ध, मुकेश रामपुरा जिलाध्यक्ष, शीशराम प्रजापत जिला मंत्री एवं कौशल पूनियां पूर्व जिला अध्यक्ष विद्यार्थी परिषद द्वारा उद्बबोधन दिया गया एवं 19 दिसम्बर को रामलीला मैदान दिल्ली में किसान गर्जना रैली के लिए दोनों तहसीलों के तहसील संयोजक, सह संयोजक राजगढ में संयोजक रामबिलाश कांधराण, सहसंयोजक अनिल भाकर सिद्धमुख में विनोद खण्डेलवाल व लोकराम भादु सहसंयोजक एवं पंचायतों के प्रभारी नियुक्त किये गये तथा राजगढ तहसील के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से मिठू सिंह भोजाण को नियुक्त किया एवं भरतलाल शर्मा को जिला कार्यकारिणी में नियुक्त किया गया है। दोनों तहसीलों के अध्यक्षों एवं संयोजकों से 10 बजे दिल्ली ले जाने का निर्णय लिया है।

गौरतलब है कि किसान गर्जना रैली फसलों का लागत आधारित लाभकारी मूल्य देने, कृषि आदानों पर से जीएसटी हटाने, प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि राशी बढाने की माँग एवं हर खेत को सिंचाई का पानी देने की माँग मुख्य माँगे हैं। बैठक में देवीलाल जोशी, लोकराम भादु, अंजनी कुमार, बलवीर ढाणा, सत्यनारायण, मोहनलाल, नत्थूराम मान्जू गालड, ईश्वर महला, भूपसिंह, रणजीत सिंह, मघाराम, शंकरलाल सैनी, रामसिंह, रामपत स्वामी, सुरेन्द्र, पुरूषोतम पारीक, जितेन्द्र सैनी, हेमंत गोस्वामी, हनुमान स्वामी, प्रताप बेनिवाल, कृष्ण देव, रजनीश सिंह, निरज गोस्वामी, लीलाधर, जगदीश मेघवाल, बलवीर मेघवाल, सत्यप्रकाश सैनी आदि उपस्थित थे।

बाल मेले के रूप में बड़े धूमधाम से मनाया बाल दिवस

शहर के अशोक स्तंभ के पास स्थित आर्या पब्लिक स्कूल में बाल दिवस मनाया गया।

रतनगढ़, (निसं)। शहर के अशोक स्तंभ के पास स्थित आर्या पब्लिक स्कूल में सोमवार को बाल दिवस के उपलक्ष में बाल मेले का आयोजन किया गया। बाल मेले का शुभारंभ पूर्व पालिकाध्यक्ष संतोषबाबू इन्दोरिया, समाजसेवी उम्मेद मिश्रा ओमप्रकाश बबेरवाल संस्था के निदेशक अंम्बिका प्रसाद हारित ने फीता काटकर उद्घाटन किया। बाल मेले में बच्चों द्वारा खाने-पीने सहित अनेक प्रकार की मनमोहक प्रस्तुति एवं शिक्षाप्रद ज्ञानवर्धक स्टॉले लगाई।

इस मौके पर स्कूल के बच्चों ने भी मेले में स्टालों पर पैसे देकर खाया पिया। इस दौरान बच्चों में भी काफी उत्साह देखने को मिला, इस मौके पर संस्था प्रधान अंम्बिका तिवाड़ी ने बाल मेले को लेकर बालकों की हौंसला अफजाई की ओर उनका उत्साहवर्धन किया। स्कूल के बच्चों और स्कूल के पूरे स्टाफ ने बाल मेले के आयोजन में अपनी भागीदारी निभाई। इस अवसर पर संस्था के सचिव डॉ अनुराग हारित, अमित कुमार भुडाढरा सहित अन्य शिक्षकों एवं समाजसेवियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। बाल मेले का उद्देश्य शिक्षा के साथ बच्चों में महापुरुष के प्रति श्रद्धा भाव उत्पन्न करना और उनमें कौशल विकास पैदा करना था।

मेले में मुख्य बात है अभी देखी गई कि बच्चों में खाने की मात्रा के अनुसार ही वस्तु ख़रीदीं और झूठन भी नहीं छोड़ी गई अत: हमें इस बाल मेले से शिक्षा मिलती है कि शादी समारोह में हमें उसी मात्रा में खाना लेना चाहिए ताकि झूठन न हो और खाने का अपमान ना हो यह जानकारी छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा दी गई। बाल मेले में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भजन गायिका रानी बैरासरिया का निधन

सादुलपुर, (निसं)। भजन गायिका एवं क्षेत्र की अग्रणी महिला कार्यकर्ता प्रमोद रानी बैरासरिया का हिसार के एक निजी अस्पताल में उपचार के मौत होने पर कस्बे में शोक की लहर है। इसी दौरान प्रमोद रानी के निधन का समाचार मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर छा गई और सोशल मीडिया पर तो श्रद्धांजलि का तांता लग गया। वहीं मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। गौरतलब है कि भजन गायिका प्रमोद रानी बैरासरियां पिछले 11 दिन से अस्वस्थ होने के कारण हिसार के एक निजी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। जिन्होंने उपचार के दौरान हिसार में सोमवार की देर रात्रि को अंतिम सांस लेते हुए दुनिया को अलविदा कह दिया। गौ सेवा प्रभात फेरी कीर्तन मंडल के संस्थापक व धार्मिक प्रवृत्ति वाली मिलनसार व्यवहार वाली प्रमोद रानी की अंतिम यात्रा में कांग्रेस के पूर्व विधायक नंदलाल पूनियां, बसपा नेता पूर्व विधायक मनोज न्यांगली, पूर्व चेयरमैन जगदीश बैरासरिया, हरियाणा प्रांतीय व्यापार संघ के अध्यक्ष बजरंग गर्ग, संयुक्त व्यापार समिति के अध्यक्ष पवन मोहता, भगेला निवासी दिल्ली के उद्योगपति रामकुमार अग्रवाल, पार्षद राहुल पारीक, पार्षद हैदर अली, गायक श्याम मुरारी शर्मा एवं उपेन्द्र पांडिया, शहर के चिकित्सकों सहित सैंकडों नागरिक उनकी शवयात्रा में शामिल हुए।

चुनावों के दौरान मतदान दलों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण: सिहाग

चूरू, (कासं)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने कहा है कि चुनावों के दौरान मतदान दलों की भूमिका सर्वाधिक

■ सरदारशहर विधानसभा चुनाव अंतर्गत चूरू, तारानगर व सुजानगढ़ में हुआ पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम का प्रशिक्षण

महत्त्वपूर्ण होती है। इसलिए मतदान दलों से जुड़े पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी बेहतर ढंग से अपना प्रशिक्षण लेकर निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करवाएं।

जिला कलेक्टर मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित राजकीय विधि महाविद्यालय में सरदारशहर विधानसभा उप चुनाव अंतर्गत आयोजित पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों प्रथम के प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हालांकि अधिकतम कार्मिक चुनावों के अनुभवी हैं तथा

जिला कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ सिहाग ने पीठासीन अधिकारियों के प्रशिक्षण को संबोधित किया। बजरंग सैनी

अनेक चुनाव संपन्न करवा चुके हैं। फिर भी प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और प्रत्येक बिंदु पर एकदम स्पष्ट रहें। किसी प्रकार का असमंजस हो तो उसे प्रशिक्षण के दौरान ही क्लीयर कर लें। मतदान प्रक्रिया एकदम निष्पक्ष, स्वतंत्र, पारदर्शितापूर्ण होने के साथ.साथ त्रुटिरहित संपन्न होए यह आपका दायित्व है। सभी कार्मिक कोविड रोधी बूस्टर डोज लगवाया जाना सुनिश्चित कर लें। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक उप चुनाव को गंभीरता से लें और पूरी सतर्कताए सजगता एवं सक्रियता के साथ अपना दायित्व निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया के दौरान मतदान दलों को न केवल निष्पक्ष रहना हैए अपितु उनकी यह निष्पक्षता दिखनी भी चाहिए। सीईओ पीआर मीणा ने भी प्रशिक्षण के दौरान आवश्यक निर्देश दिए।

विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स ने सभी कार्मिकों को मतदान प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की और बारीकी से एक.एक प्रक्रिया पर चर्चा कर अवगत करवाया। इस दौरान एसडीएम निखिल कुमार, तहसीलदार धीरज झाझड़िया, विधि महाविद्यालय प्राचार्य श्रवण सैनी, डॉ जेबी खान, सोमेश शर्मा, बजरंग सैनी, खालिद तुगलक, हवासिंह, दलीप सरावग सहित संबंधित अधिकारीए प्रशिक्षणए पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी प्रथम मौजूद थे।

छात्रों को पिलाई स्वर्णप्रासन की दवा

उदयपुरवाटी, (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जमात के छात्रों को पुष्य नक्षत्र के योगकाल में तीन नंबर चुंगी स्तिथ यहां के राजकीय आयुर्वेद औषधालय के वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साअधिकारी डॉ.राजेंद्र कुमावत के नेतृत्व में दो बूंद स्वर्णप्रासन की पिलाई गई और इसके महत्व के बारे में बताते हुए डॉ. ने कहा की यह आयुष मंत्रालय के निर्देशित प्रोटोकॉल में शुरू की गई एक निरापद दवा है जो विशिष्ठ रसायनों के योग से तैयार की जाती हैजन्म से लेकर 16 साल तक के बच्चो को पिलाए जाने का विधान है।रोज पीने से इसके गुण नजर आने लगते हैं तथा पुष्य नक्षत्र के दिन अगर इसे पिलाया जाए तो दुगुनी फलदाई यह दवा मानी गई है।बदलते मौसम में यह इम्यूनिटी बूस्टर का सा काम करती है,तो रोज पीने से त्वचा में निखार लाती है और बुद्धि को तेज करती है।उन्होंने कहा स्वस्थ मन में ही सुंदर मन का निवास होता है इसलिए ऐसी गुणकारी औषधि का अच्छी सेहत के लिए बचपन से ही किया जाना चाहिए।लोगो में जागरूकता लाने के लिए व बच्चो के स्वर्णिम स्वास्थ्य के लिए जगह जगह इसको पिलाया जाकर आयुर्वेद विभाग के चिकित्सा अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में नवाचार करते हुए इस गुणकारी औषधि का प्रचार प्रसार स्वर्णप्रशन की ड्रॉप पिलाकर कर रहे हैं और आयुर्वेद के प्रति जागरूक भी।

सैनी का विद्यार्थियों ने किया स्वागत

उदयपुरवाटी, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय उदयपुरवाटी में सांसद नरेंद्र खीचड ने विकास समिति सदस्य मनोनीत किया जाने के बाद में कमल सैनी महाविद्यालय में प्रथम बार पहुंचे प्राचार्य गोकुल चंद सैनी और छात्र छात्राओं ने स्वागत और अभिवादन किया।

सैनी ने प्राचार्य प्रो गोकुल चंद सैनी महाविद्यालय में विकास संबधित कार्यों को लेकर चर्चा की गई और प्राचार्य ने बताया कि जल्द ही भवन निर्माण पूरा होने की और अग्रसित है। अगला सत्र नव निर्माण भवन में ही संचालित किया जाएगा। सैनी ने कहा महाविद्यालय की समस्याओं को लेकर जल्द ही सांसद और सरकार को अवगत करवाकर निवारण किया जाएगा। इस दौरान पार्षद तेजस छीपा एबीवीपी के नगर मंत्री राजवर्धन सिंह,कर्णवीर सिंह, विजय शर्मा, रोहित शर्मा, विजय राठी, दीपक सैनी, राहुल सैनी, नीतू सैनी आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय वेट लिफ्टिंग एवं पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ

श्री जगन्नाथ दीवान उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रतियोगिता शुरू हुई।

पाटन, (निसं)। कस्बे में स्थित श्री जगन्नाथ दीवान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 66 वी जिला स्तरीय वेटलिफ्टिंग एवं पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ सत्यप्रकाश ट्रेलर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया।

इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य अमर सिंह मीणा ने आए हुए अतिथियों एवं प्रतिभाओं को माला एवं साफा पहना कर स्वागत किया। सत्य प्रकाश टेलर ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 17 वर्षीय एवं 19 वर्षीय बालक बालिकाओं के विजेता रहने वाले खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित किया जाएगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता बीकानेर में आयोजित होगी। प्रतियोगिता के पहले दिन 13 टीमों के कुल 84 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मंच का संचालन राजकीय विद्यालय डोकन के प्राचार्य नवीन टांक द्वारा किया गया। इस दौरान श्रीमती जमुना देवी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मे अध्ययनरत कक्षा बारहवीं विज्ञान की छात्रा नचिता गुर्जर को जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर उसका माला एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता समारोह में पंचायत समिति प्रधान सुवालाल सैनी, पूर्व प्रधान कांता प्रसाद शर्मा, पाटन सरपंच मनोज चौधरी,शिव कुमार चौधरी, एसीबीईओ मोहर सिंह मंगावा, वार्ड पंच विपिन योगी, मुकेश खर्रा, पाटन उपसरपंच रेखा बाई, प्रधानाचार्य महावीर प्रसाद मीणा,अमर सिंह मीणा, निर्मला देवी सहित कस्बे के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दो ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया

झुंझुनूं, (निसं)। मनरेगा लोकपाल महावीर प्रसाद तोगड़िया ने जिले की दो ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। लोकपाल ने देरवाला एवं हनुमानपुरा ग्राम में सामाजिक निरीक्षण किया। इस दौरान देरवाला में ऑनलाइन हाजिरी नहीं होना (विशेषकर शनिवार, रविवार को), व्यक्तिगत कार्य मोटूराम के खेत में कुंड निर्माण का प्रदर्शन सूचना पट्ट पर नहीं होना, ग्राम पंचायत देरवाला में एक ही नरेगा कार्य चालू है। जबकि ग्राम पंचायत बड़ी है तथा स्वीकृत कार्य भी है। इसी प्रकार उन्होंने हनुमानपुरा ग्राम में नरेगा कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मस्टरोल में 33 श्रमिक पंजीकृत थे, जिसमें से 14 श्रमिक उपस्थित मिले। कार्य स्थल पर पानी की व्यवस्था नहीं थी। श्रमिकों ने मजदूरी कम आने की भी समस्या बताई। इस दौरान आईईसी समन्वयक अजीत सिंह बिजारणिया भी साथ रहे।

विजेता छात्राओं का हुआ सम्मान

प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर छात्राओं का सम्मान किया गया।

रतनगढ़, (निसं)। संचियालाल बैद राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, रतनगढ़ की 17 वर्षीय बैडमिंटन टीम में जिला स्तर पर उपविजेता रही साथ ही विद्यालय की चार छात्राओं का बैडमिंटन में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुई। ये छात्राएं सरदार शहर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

इसी विद्यालय की जिला स्तरीय विज्ञान मेले में पर्यावरण मॉडल पर तृतीय स्थान पर रही छात्रा खुशबू प्रजापत एवं बैडमिंटन टीम की सभी छात्राएं सोनिया सांखला, खुशबू प्रजापत, रजनी दायमा, तुलसी, पूजा सांखला, आस्था सांखला का अभिनंदन भामाशाह संतोष श्यामसखा, सीमा और ओमप्रकाश चौधरी ने प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया गया। संस्था प्रधान दिनेश लाटा ने कहा कि खेलों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। इस अवसर पर मनोज, नरेंद्र, महेंद्र, साधना, वंदना, अंजू चौहान, सरला, रमा खेरवाल व कमला देवी उपस्थित थी।

ग्रीन स्कूल झुंझुनूं एकेडमी का 'चिल्ड्रन डे' पर फन पिकनिक आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं इंटरनेशनल विज़्डम सिटी स्थित ग्रीन स्कूल झुंझुनू एकेडमी सीबीएसई के नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने केड शक्ति धाम का भ्रमण किया। पंडित जवाहर लाल नेहरू (चाचा नेहरू) के जन्मदिन के अवसर पर विज़्डम सिटी के प्यारे बच्चों के लिए वन डे फन पिकनिक का योजन किया गया।

स्कूल डायरेक्टर आकाश मोदी, यातायात प्रबंधक राजेंद्र पूनियां, उप प्राचार्य सरोज सिंह, प्रशासक कमलेश कुलहरि, हैड मिस्ट्रेस उमा शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर 20 से ज्यादा बसों को रवाना किया। बाल दिवस पर सभी बच्चों ने कुछ समय प्रकृति के बीच शांत वातावरण में बिताया। जहां सभी ने केड शक्ति धाम के दर्शन किए। सभी अध्यापकों की ओर से बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूप एवं बॉल, होला हुप, फुटबॉल, फ्रीज

पिकनिक के लिये हरी झंडी दिखाकर 20 से ज्यादा बसों को रवाना किया गया।

बी, डांस, म्यूज़िक आदि विभिन्न ऐक्टिविटी की गई। ग्रीन स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने ग्रीन परंपरा को निभाते हुए सभी मिलने वालों को ग्रीन नमस्कार किया। साथ ही वहां के पेड़-पौधों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा।

■ केड शक्ति धाम के किए दर्शन

सभी विद्यार्थियों व स्टाफ ने भ्रमण स्थल को छोड़ने से पहले सभी वेस्ट मेटिरिअल के लिए डस्ट बिन का उपयोग किया। इस अवसर पर बच्चों में उत्सव जैसा माहौल रहा।

सभी विद्यार्थियों का विद्यालय परिसर में निदेशक आकाश मोदी, प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा, वाइस प्रिंसीपल सरोज सिंह द्वारा अभिनंदन किया गया तथा जीवेम चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, जीवेम डायरेक्टर आशुतोष मोदी, जॉली एंजल्स डायरेक्टर रानू मोदी, क्रिएटिव डायरेक्टर गरिमा मोदी, जीवेम छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, हेडमिस्ट्रेस उमा शर्मा तथा स्कूल प्रशासक कमलेश कुलहरि ने सभी छात्र और छात्राओं को बाल दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की।

सिरसला ग्राम में ओवरब्रिज बनाने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर ऑवर ब्रिज बनाने की मांग को लेकर ग्राम सभा में देहात ब्लॉक अध्यक्ष रामनिवास सहारण ने संबोधित किया।

■ ओवरब्रिज बनाने की मांग को लेकर सभा आयोजित

चूरू, (कासं)। चूरू के राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित ग्राम सिरसला, बास ढाकान, ख्याली, लोहसना बड़ा के आम रास्तो से भारी संख्या में वाहनो की आवाजाही के कारण आमजन व पशुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि हाल ही में नेशनल हाईवे को डबल से फ़ॉर लेंन का निमार्ण कार्य प्रकियाधीन है।

इस पर ओवरब्रिज बनवाने की मांग को लेकर ग्राम सभा आयोजित की गई। जिसमें फोरलेन पर ओवरब्रिज बनाने का प्रस्ताव लिया। ओवरब्रिज बनाने की मांग लेकर मंगलवार को देहात ब्लॉक अध्यक्ष रामनिवास सहारण ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। दिये गये ज्ञापन में बताया कि हमारे आम रास्तो के ऊपर से ओवरब्रिज बनाया जाये ताकि गांव में जन हानि व पशुधन हानि से बचा जा सके।

इस अवसर पर ज्ञापन देने वालो में महेंद्र भाकर, दारासिंह सहारण, प्रहलाद सिंह राठौड़, अभयसिंह राठौड़, नरेश धानिया, महेन्द्र सोनगरा, रघुवीर सहारन, अमरसिंह मेघवाल, जयनारायण लुहार, भंवरसिंह गोठवाल, लीलाधर गोठवाल, षुभकरण सहारण, राजू सहारण किशोर सिंह राठौड़, विजेन्द्र हेमराज ब्राह्मण राजू सोनगरा प्रजापत, पंचायत समिति सदस्य पुरषोत्तम बिजारणिया, सुरेन्द्र बाढ़की, उम्मेद भाकर सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

वह जितना हमारे लिये खेल सके उतना ही अच्छा है। टेस्ट कप्तान के रूप में वह शानदार काम कर रहे है लेकिन सीमित ओवरों के क्रिकेट में हमारी रणनीति का अहम हिस्सा है। वह तीनों विधाओं के माहिर खिलाड़ी है। - मैथ्यू मोट

इंग्लैंड के गेंदबाजी कोच, बेन स्टोक्स के वनडे से संन्यास का फैसला वापिस लेने की उम्मीद जताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

पैट कमिंस

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ पैट कमिंस ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2023 सीजन से बाहर रहने का फैसला किया है। कमिंस ने मंगलवार को ट्विटर पर इसकी घोषणा करते हुए बताया कि उन्होंने अगले साल एशेज टेस्ट शृंखला और एकदिवसीय विश्व कप से पहले आराम करने के लिये यह कठिन फैसला लिया है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले कमिंस ने ट्वीट किया, मैंने अगले साल के आईपीएल में नहीं खेलने का कठिन फैसला लिया है। अगले 12 महीने का अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम टेस्ट और वनडे से भरा हुआ है।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ सीरीज के लिये बोल्ट, गप्टिल को टीम से बाहर रखा

क्राइस्टचर्च, 15 नवंबर। न्यूजीलैंड ने नये दौर में प्रवेश का अंदेशा देते हुए अनुभवी ओपनर मार्टिन गप्टिल और तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवर शृंखलाओं के लिये टीम में शामिल नहीं किया है। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मैचों के लिए टीम की घोषणा करते हुए बताया कि केन विलियम्सन ब्लैक कैप्स की कमान संभालेंगे। गप्टिल के स्थान पर फिन ऐलन को बतौर सलामी बल्लेबाज 15-सदस्यीय स्क्वाड में शामिल किया गया है। ऐलन ने हाल ही में समाप्त हुए टी20 विश्व कप 2022 में भी न्यूजीलैंड के लिये सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाई थी, और अब वह एकदिवसीय टीम में भी मुख्य सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा सकते हैं।

दूसरी ओर बोल्ट इस साल की शुरुआत में अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने और दुनिया भर की घरेलू लीगों में ध्यान केंद्रित करने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ अपने अनुबंध को तोड़ने का फैसला करने के बाद उन्हें टीम में जगह नहीं दी गयी। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि बोल्ट और गप्टिल को टीम से बाहर रखने का फैसला मुश्किल था। स्टीड ने कहा, जब ट्रेंट ने अगस्त में अपने एनज़ेडसी अनुबंध से तोड़ने का फैसला किया, तो हमने संकेत दिया कि उन खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनके पास केंद्रीय या घरेलू अनुबंध हैं, और यहाँ ऐसा ही हुआ।

उन्होंने कहा, हम सभी ट्रेंट की विश्व स्तरीय क्षमता को जानते हैं, लेकिन इस समय जैसे-जैसे हम और अधिक वैश्विक आयोजनों की ओर बढ़ रहे हैं, हम दूसरों को अवसर और अनुभव देना चाहते हैं। सीमित ओवर क्रिकेट में शीर्ष क्रम में फिन के उभरने और सफलता का मतलब है कि मार्टिन गप्टिल के वर्ग का एक खिलाड़ी टीम में जगह नहीं बना सकेगा। यह उच्च प्रदर्शन वाले खेल की प्रकृति है। उल्लेखनीय है कि भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप 2023 में एक साल से भी कम समय बचा है। कीवी टीम 2019 में हुए आयोजन का रोमांचक फाइनल हारकर दूसरे स्थान पर रही थी, लेकिन इस बार वह ट्रॉफी उठाना चाहेगी। स्टीड ने विश्व कप की योजनाओं को लेकर कहा, एकदिवसीय विश्व कप में एक साल से भी कम समय बचा है और हम फिन को एकदिवसीय अनुभव हासिल करने का हर मौका देना चाहते हैं, खासकर भारत जैसे अच्छे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ। उन दोनों खिलाड़ियों के लिए संदेश यह है कि आगे बहुत सारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और निश्चित रूप से उनके लिए दरवाजे बंद नहीं हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 नवंबर से शुरू होने वाली टी20 शृंखला शुरू होनी है, जबकि तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 25 नवंबर से खेली जाएगी। टी20 सीरीज में भारतीय टीम की अगुवाई हार्दिक पांड्या करेंगे, जबकि एकदिवसीय शृंखला के लिये शिखर धवन भारत की कमान संभालेंगे। विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों को इस दौरे पर आराम दिया गया है। न्यूजीलैंड टी20 टीम में केन विलियमसन (कप्तान) है और फिन ऐलन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, डेरिल मिचेल, एडम मिल्ने, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सैंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, ब्लेयर टिकर टीम का हिस्सा हैं।

न्यूजीलैंड वनडे टीम : केन विलियमसन (कप्तान), फिन ऐलन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, एडम मिल्ने, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सैंटनर, टिम साउदी टीम का हिस्सा हैं।

भारत टी20 टीम : हार्दिक पांड्या (कप्तान), शुभमन गिल, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, उमरान मलिक हैं।

भारत एकदिवसीय टीम : शिखर धवन (कप्तान), शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, शाहबाज अहमद, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर, कुलदीप सेन, उमरान मलिक हैं।

टी20 सीरीज : वेलिंगटन (18 नवंबर), तोरंगा (20 नवंबर), नेपियर (22 नवंबर) में खेली जाएगी। जबकि एकदिवसीय सीरीज: ऑकलैंड (नवंबर 25), हैमिल्टन (नवंबर 27), क्राइस्टचर्च (30 नवंबर) में होंगे।

पोलार्ड ने आईपीएल से संन्यास लिया, बनेंगे मुंबई के बल्लेबाजी कोच

मुंबई, 15 नवंबर। मुंबई इंडियन्स (एमआई) के दिग्गज ऑलराउंडर कीरन पोलार्ड ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास लेने की घोषणा करते हुए कहा कि उनकी फ्रेंचाइज़ी को बदलाव की जरूरत है और अगर वह एमआई से नहीं खेल सकते तो एमआई के खिलाफ भी नहीं खेलना चाहेंगे। पोलार्ड ने ट्विटर पर जारी एक बयान में कहा, यह फैसला मेरे लिये आसान नहीं रहा है क्योंकि मैं कुछ और वर्षों तक खेलने की इच्छा रखता हूं, लेकिन मुंबई इंडियन्स से चर्चा के बाद मैंने अपने आईपीएल करियर को समाप्त करने का फैसला किया है।

पोलार्ड ने कहा कि उन्होंने संन्यास के बाद एमआई के बल्लेबाजी कोच की भूमिका स्वीकार कर ली है, जबकि वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टी20 लीग में मुंबई इंडियन्स की टीम 'एमआई अमीरात' के लिये खेलना जारी रखेंगे।

आईपीएल के 13 सत्रों में एमआई का प्रतिनिधित्व कर चुके पोलार्ड ने कहा कि वह टूर्नामेंट की सबसे बड़ी और सबसे सफल टीम के लिये खेलकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। पोलार्ड ने टीम प्रबंधन के साथ-साथ मुकेश अंबानी, नीता अंबानी और आकाश अंबानी के प्रेम और समर्थन के लिये उनका आभार व्यक्त किया।

पोलार्ड उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने आईपीएल में 100 से ज्यादा मैच खेले और एक ही फ्रेंचाइजी से संबंधित रहे। पोलार्ड के अलावा विराट कोहली (रॉयल चैलेंजर बैंगलोर), सुनील नारायण (कोलकाता नाइट राइडर्स), जसप्रीत बुमराह (मुंबई इंडिन्स) और लसिथ मलिंगा (मुंबई इंडिन्स) ने भी अपने आईपीएल करियर के दौरान सिर्फ एक ही फ्रेंचाइजी से संबंध रखा।

मुंबई इंडियन्स ने पोलार्ड को उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और चतुर गेंदबाजी के साथ-साथ उनकी स्फूर्ति से भरी फील्डिंग के लिये भी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाया था। एमआई के साथ पांच आईपीएल और दो चैंपियन्स लीग जीतने वाले पोलार्ड इन उम्मीदों पर खरे उतरे और उन्होंने आईपीएल में 171 मैच खेलकर 147.32 के स्ट्राइक रेट से 3412 रन बनाये, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 87 रन रहा। इसके अलावा उन्होंने 107 मैचों में गेंदबाजी करते हुए 69 विकेट लिये और 103 कैच भी पकड़े।

शेन वॉटसन के अलावा पोलार्ड एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने आईपीएल करियर में 3000 रन बनाए और 50 विकेट लिये। उन्होंने 2013 के आईपीएल फाइनल में 32 गेंदों पर 60 रन की विस्फोटक पारी खेली जिसके दम पर एमआई ने पहली बार आईपीएल खिताब जीता था। एमआई हर नीलामी से पहले पोलार्ड को टीम में शामिल करती थी। साल 2022 की मेगा-ऑक्शन से पहले भी पोलार्ड को छह करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया गया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिये नोवोक जोकोविच को मिल सकता है वीजा

मेलबर्न, 15 नवंबर। विश्व के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 2023 ऑस्ट्रेलियाई ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिये ऑस्ट्रेलिया का वीज़ा मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के सरकारी प्रसारक एबीसी ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा कि आवर्जन मंत्री एंड्रयू गाइल्स ने कोरोना वैक्सीन न लेने के लिये जोकोविच पर जनवरी 2022 में लगाया गया तीन साल का प्रतिबंध हटा दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि गाइल्स आगामी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिये जोकोविच को वीज़ा प्रदान करेंगे।

जोकोविच ने सोमवार को ट्यूरिन में एटीपी फाइनल 2022 का अपना पहला मैच जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया जाने को लेकर कहा, फिलहाल कोई आधिकारिक सूचना नहीं है। हम इंतजार कर रहे हैं। वह (आयोजक) ऑस्ट्रेलियाई सरकार से बात कर रहे हैं, मैं फिलहाल आपको बस यही बता सकता हूं।

उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलियाई ओपन के निदेशक क्रेग टाइली ने इससे पहले कहा था कि यदि जोकोविच को वीज़ा मिलता है तो वह जनवरी में यहां आ सकते हैं, लेकिन टेनिस ऑस्ट्रेलिया उनकी ओर से पैरवी नहीं कर सकेगा। यदि 21 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ऑस्ट्रेलिया पहुंचते हैं तो वह टूर्नामेंट जीतकर राफेल नडाल के 22 ग्रैंड स्लैम खिताबों की बराबरी करने का प्रयास करेंगे।

गढ़वाल ने जीत के साथ तालिका में चढ़ाई की

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। गढ़वाल डायमंड ने मंगलवार को फुटबॉल दिल्ली सीनियर डिवीजन लीग में दिल्ली टाइगर्स को 5-0 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए। विजेता टीम के लिये नाइजीरियाई मूल के माइकल ने दो गोल किये जबकि मानव और अंकित ने एक-एक गोल जमाया। पराजित टीम के सूरज विनय ने एक आत्मघाती गोल किया। गढ़वाल इस जीत के साथ सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स के बाद अंक तालिका में दूसरे स्थान पर आ गई है। सीनियर डिवीजन लीग में बुधवार को खेले जाने वाले मैच में नेशनल यूनाइटेड को शास्त्री एफसी से और यंगमेन एफसी को दिल्ली यूनाइटेड से खेलना है।

मैरीकोम एथलीट आयोग की अध्यक्ष चुनी गयी

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट आयोग ने मंगलवार को सर्वसम्मति से छह बार की विश्व मुक्केबाजी चैंपियन एमसी मैरीकोम को अध्यक्ष और ओलंपियन तथा राष्ट्रमंडल खेलों के 2022 के कई पदक विजेता टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल को उपाध्यक्ष चुना।

यहां जारी विज्ञिप्त के मुताबिक आईओए चुनाव के निर्वाचन अधिकारी उमेश सिन्हा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को प्रमाण पत्र सौंपा। आयोग ने 10 दिसंबर को होने वाले भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी परिषद के चुनाव के लिए ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग और ओलंपिक में दो बार पदक जीतने वाली पीवी सिंधू को भी आयोग के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। इससे पहले सोमवार को आईओए एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में 10 खिलाड़ियों को निर्विरोध चुना गया ।

मैरीकोम, शरत, सिंधू और नारंग के अलावा आयोग में चुने गए दस खिलाड़ियों में तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू, टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल, हॉकी खिलाड़ी रानी रामपाल, तलवारबाज भवानी देवी, नौकायन खिलाड़ी बजरंग लाल, पूर्व शॉटपुट खिलाड़ी ओ पी करहाना और शीतकालीन ओलंपियन शिवा केशवन शामिल हैं। दस खिलाड़ियों में से पांच महिलायें हैं और सभी ओलंपियन हैं। सिर्फ केशवन शीतकालीन ओलंपियन हैं। सिर्फ दस खिलाड़ियों ने ही नामांकन दाखिल किया था और आईओए चुनाव के निर्वाचन अधिकारी उमेश सिन्हा ने सभी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया ।

विश्वनाथ ने विश्व युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीत से शुरू किया अभियान

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। एशियाई युवा चैंपियन विश्वनाथ सुरेश ने मंगलवार को स्पेन के ला नुसिया में आईबीए युवा पुरुषों और महिलाओं विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के अभियान की शुरुआत आयरलैंड के पटसी जॉयस थाडी पर रोमांचक जीत के साथ की। चेन्नई के 17 वर्षीय मुक्केबाज ने पुरुषों के 48 किग्रा वर्ग के शुरुआती दो चरण में बराबरी के मुकाबले के बाद तीसरे दौर में खेल का स्तर ऊंचा किया और 3-2 के खंडित फैसले से विजेता बने। विश्वनाथ इस साल की शुरुआत में जॉर्डन में आयोजित एएसबीसी एशियाई युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले सात भारतीयों में शामिल थे। भारतीय मुक्केबाजों ने इस प्रतिष्ठित आयोजन के पिछले सत्र में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए आठ स्वर्ण सहित 11 पदक जीते थे। इस साल 25 सदस्यीय भारतीय दल में 13 पुरुष और 12 महिला मुक्केबाज शामिल हैं। टूर्नामेंट 26 नवंबर तक चलेगा।

फुटसॉल : कामर्शियल चैलेंजर्स की लगातार दूसरी जीत

लखनऊ 15 नवंबर। कामर्शियल चैलेंजर्स ने एनईआर लखनऊ के इंटर डिपार्टमेंटल फुटसॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन मंगलवार को सिक्योरिटी हंटर्स को 2-1 से हराकर अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल क्रीड़ा संघ के तत्वावधान में एनईआर स्टेडियम, ऐशबाग पर लीग कम नॉकआउट आधार पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में सिक्योरिटी हंटर्स ने एक अन्य मैच में जीत हासिल की। दूसरी ओर ऑपरेटिंग एवेंजर्स व ट्रैक्शन टाइगर्स का मैच 4- 4 से बराबरी पर छूटा। कामर्शियल चैलेंजर्स ने टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में सिक्योरिटी हंटर्स को 2-1 से हराया। सिक्योरिटी हंटर्स ने खेल के पांचवें मिनट में प्रवीण मिश्रा द्वारा किए गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की। इसके बाद कामर्शियल चैलेंजर्स ने रणनीति बदलकर आक्रामक रूख अपनाया। इससे पहले दिन के पहले मैच में सिक्योरिटी हंटर्स ने इलेक्ट्रिकल थंडरबोल्ट्स को 5-0 से हराया। सिक्योरिटी हंटर्स से प्रवीन मिश्रा ने दो गोल दागे।

ऑल इंडिया हनुमान सिंह हैंडबॉल 18 नवम्बर से जयपुर में

जयपुर, 15 नवंबर। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान में राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ व हनुमान सिंह फाउंडेशन द्वारा 17वीं ऑल इंडिया हनुमान सिंह हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन सवाई मान सिंह इनडोर स्टेडियम में 18 से 20 नवंबरतक किया जायेगा। राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव तथा प्रतियोगिता के आयोजन सचिव यश प्रताप सिंह ने इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट की जानकारी देते हुये बताया कि महिला वर्ग में खेले जाने वाली इस प्रतियोगिता में मेजबान राजस्थान सहित देश की शीर्ष आठ टीमें भाग लेगी। जिसमें भारतीय रेलवे, हरियाणा, मोरसिंघी हैंडबॉल नर्सरी (हिमाचल प्रदेश), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), आर्यव्रत हैंडबॉल अकादमी (दिल्ली), उत्तर प्रदेश, राजस्थान पुलिस आदि प्रमुख टीमें हैं। यश प्रताप सिंह ने बताया कि सभी टीमों को दो पूल में बांटा जायेगा तथा प्रतियोगिता लीग कम नाकआउट आधार पर खेली जायेगी। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हनुमान सिंह ट्रॉफी से सम्मानित किया जायेगा।

प्रतिभाओं को पूल बड़ा होने पर ही सफेद और लाल गेंद की अलग टीमें संभव : विलियम्सन

वेलिंगटन, 15 नवंबर। सीमित ओवरों के क्रिकेट में इंग्लैंड की अप्रतिम सफलता से विरोधी टीमें भी अलग अलग प्रारूपों में अलग टीमें और कोच रखने के बारे में सोचने पर मजबूर हुई हैं लेकिन न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन का मानना है कि प्रतिभाओं का पूल बड़ा होने पर ही ऐसा कर पाना संभव है।

विलियमसन भारत जैसी टीमों के पास रिजर्व खिलाड़ियों का बड़ा पूल होने का जिक्र कर रहे थे जबकि न्यूजीलैंड जैसे छोटे देश में यह संभव नहीं है । इंग्लैंड के पास टेस्ट टीम के लिये ब्रेंडन मैकुलम कोच हैं जबकि सीमित ओवरों की टीम के कोच मैथ्यू मोट हैं ।

विलियमसन ने भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही टी20 श्रृंखला से पहले वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' इतना अधिक क्रिकेट खेला जा रहा है जो खिलाड़ियों ही नहीं बल्कि सहयोगी स्टाफ के लिये भी चुनौतीपूर्ण है ।'' उन्होंने कहा, हर दो या तीन दिन में मैच खेल रहे हैं जिसकी अपनी चुनौतियां है । दुनिया भर में अलग अलग प्रारूपों में संतुलन बनाने की जरूरत है । उन्होंने कहा ,'' कुछ देशों के पास खिलाड़ियों का बड़ा पूल है जो ऐसा कर सकते हैं । आप हमेशा संतुलन बनाने की कोशिश में रहते हैं ताकि खिलाड़ी तरोताजा रहें ।'' पिछले सप्ताह टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हारी कीवी टीम के कप्तान विलियमसन से पूछा गया था कि क्या इंग्लैंड ने टी20 क्रिकेट खेलने के नये मानदंड कायम किये हैं ।

उन्होंने कहा, ''कई मजबूत टी20 टीमें हैं और हमने टूर्नामेंट में देखा कि कइ उलटफेर हुए । इंग्लैंड ने काफी आक्रामक क्रिकेट खेला जो उनकी टीम के संतुलन के अनुरूप था । हर टीम अपनी ताकत पर काम करके उसके अनुरूप खेलना पसंद करती है ।'' भारत के खिलाफ श्रृंखला में तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेले जायेंगे जो अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी के लिये अहम होंगे । भारत के सीनियर खिलाड़ी इस श्रृंखला से बाहर हैं लेकिन विलियमसन का मानना है कि भारतीय टीम में इतनी गहराई है कि वह मेजबान के लिये काफी कड़ी चुनौती पेश करेगी।

विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में कई बदलाव देखने को मिलेंगे । तेज गेंदबाज उमरान मलिक को बड़े स्तर पर खुद को साबित करने का मौका दिया गया है । आईपीएल में मलिक के साथ खेल चुके विलियमसन ने कहा ,'' उमरान काफी प्रतिभाशाली है। उसके साथ पिछले साल काफी समय बिताया और रफ्तार उसकी ताकत है । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे खेलते देखना अद्भुत होगा।'

जयपुर पिंक पैंथर्स की जीत में चमके अर्जुन देशवाल

जयपुर, 15 नवंबर। अर्जुन देशवाल के दमदार खेल से जयपुर पिंक पैंथर्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के मैच में मंगलवार को यहां यू मुंबा को 32-22 से शिकस्त दी। देशवाल ने इस मुकाबले में 13 अंक जुटाकर बड़ा अंतर पैदा किया। जयपुर की टीम ने मैच के पांचवें मिनट में ही यू मुंबा को ऑल आउट कर 9-2 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। मध्यांतर के समय जयपुर पिंक पैंथर्स के पास 19-11 की बढ़त थी। यू मुंबा ने मैच के दूसरे हाफ में जयपुर को अच्छी चुनौती दी और एक समय टीम महज चार अंक (19-23) से पिछड़ रही थी। जयपुर की टीम ने हालांकि एक बार फिर से मैच पर पकड़ बनाने हुए अपनी बढ़त 31-20 कर ली जहां से यु मुंबा के सामने वापसी का कोई मौका नहीं था।

सुपर किंग्स ने ब्रावो की छुट्टी की

चेन्नई, 15 नवंबर। चेन्नई सुपर किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2023 सत्र की नीलामी से पहले टीम के प्रमुख ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को अनुबंध से मुक्त कर दिया है। सीएसके ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर मंगलवार को यह जानकारी दी। सीएसके ने बताया कि नीलामी से पहले ब्रावो, एडम मिल्ने, रॉबिन उथप्पा, क्रिस जॉर्डन, नारायण जगदीसन, हरि निशांत, केएम आसिफ और भगत वर्मा को अनुबंध से मुक्त किया गया है। ब्रावो 2011 से सुपर किंग्स का हिस्सा थे और उन्होंने 116 आईपीएल मैचों में सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिये पुरुष हॉकी टीम घोषित

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। हॉकी इंडिया ने 26 नवंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए 23 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा मंगलवार को की। भारत 13 जनवरी से शुरू होने वाले हॉकी पुरुष विश्व कप भुवनेश्वर-राउरकेला 2023 की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच खेलेगा।

अनुभवी ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह इस दौरे पर भारत की कप्तानी करेंगे, जबकि अमित रोहिदास को उप-कप्तान चुना गया है। फॉरवर्ड लाइन में मनदीप सिंह के साथ दिलप्रीत सिंह, अभिषेक और सुखजीत सिंह को शामिल किया गया है।

गुरजंत सिंह, आकाशदीप सिंह, मोहम्मद रहील मौसीन, राजकुमार पाल, नीलकांत शर्मा, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और सुमित मिडफ़ील्ड संभालेंगे। न्यूजीलैंड और स्पेन के खिलाफ एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022/23 मैचों से चूकने के बाद डिफेंडर वरुण कुमार ने टीम में वापसी करते हैं। वरुण के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, मंदीप मोर और नीलम संजीव ज़ेस भी रक्षा लाइन-अप में होंगे।

मुख्य कोच ग्राहम रीड ने टीम के बारे में कहा, ऑस्ट्रेलिया का आगामी दौरा हमारे लिए एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप भुवनेश्वर-राउरकेला 2023 में शीर्ष दावेदारों में से एक के खिलाफ खुद को परखने का अच्छा अवसर है। हमने अनुभवी खिलाड़ियों की एक ठोस टीम चुनी है। हमें विश्वास है कि यह वांछित परिणाम प्राप्त करने में हमारी मदद कर सकते हैं।

राजस्थान ने दिल्ली को 52 रन से हराया

कोलकाता, 15 नवंबर। कुणाल सिंह राठौड़ की 75 गेंद में 70 रन की पारी के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से राजस्थान ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के ग्रुप बी मैच में मंगलवार को यहां दिल्ली को 52 रन से शिकस्त दी। कम स्कोर वाले इस मैच में 218 रन पर ऑल आउट होने के बाद राजस्थान ने दिल्ली की पारी को 166 रन पर समेट दिया। टीम के लिए अनिकेत चौधरी और कमलेश नागरकोटी ने तीन-तीन जबकि दीपक चाहर ने दो विकेट लिये। स्पिनर राहुल चाहर और रवि बिश्नोई ने भी एक-एक विकेट चटकाया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर राजस्थान ने सात रन पर दो विकेट गंवा दिये। अभिजीत तोमर (33), महिपाल लोमरोर (35) और कप्तान अशोक मनेरिया (31) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। सातवें क्रम पर बल्लेबाजी करने आये राठौड़ ने 75 गेंद में 70 रन की पारी खेल टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की आधी टीम 15वें ओवर तक पवेलियन लौट गयी थी।

रोहन के शतक से केरल विजयी

बेंगलुरु, 15 नवंबर। केरल ने रोहन कुन्नुमल (134) के शानदार शतक की मदद से मंगलवार को विजय हज़ारे ट्रॉफी 2022 के ग्रुप-सी मुकाबले में गोवा को पांच विकेट से मात दी। गोवा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केरल को 242 रन का लक्ष्य दिया, जिसे केरल ने पांच विकेट गंवाकर 38.1 ओवर में हासिल कर लिया। रोहन ने अपनी 134 रन की विस्फोटक पारी में 101 गेंदें खेलकर 17 चौके और चार छक्के जड़े। रोहन के पहले प्रथम-श्रेणी शतक की बदौलत केरल ने ग्रुप-सी में अपनी दूसरी जीत हासिल की। गोवा ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 117 रन पर ही आधी टीम गंवा दी।

केकेआर ने आईपीएल की नीलामी से पहले किया 16 खिलाड़ियों को आउट

मुंबई, 15 नवंबर। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सत्र की नीलामी से पहले सर्वाधिक 16 खिलाड़ियों का अनुबंध खत्म कर दिया है। आईपीएल की सभी टीमों के लिए अपनी नवीनतम स्थिति की जानकारी देने के लिए 15 नवंबर तक का समय था। इसके अनुसार ही टीमों ने मंगलवार को अपनी स्थिति सार्वजनिक की।

केकेआर के बाद सबसे अधिक खिलाड़ियों को अनुबंध मुक्त करने वाली टीम मुंबई इंडियन्स है। उसने कीरन पोलार्ड सहित 13 खिलाड़ियों की छुट्टी की, जबकि सनराइज़र्स हैदराबाद ने पूर्व कप्तान केन विलियमसन सहित 12 खिलाड़ियों के साथ अनुबंध समाप्त किया है।

जिन खिलाड़ियों का उनकी वर्तमान टीम से अनुबंध समाप्त किया गया है और जो अगले टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हैं, दूसरी टीमें उन पर बोली लगा सकेंगी। आईपीएल 2023 के लिये 'छोटी नीलामी' कोच्चि में 23 दिसंबर को आयोजित की जाएगी।

इसी बीच, पंजाब किंग्स ने भी सनराइज़र्स की तरह पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल सहित नौ खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया है। चार बार की आईपीएल विजेता चेन्नई सुपर किंग्स ने ड्वेन ब्रावो और रॉबिन उथप्पा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों सहित आठ को नीलामी के लिये मुक्त किया है।

दिल्ली कैपिटल्स ने टिम सेफर्ट, मनदीप सिंह, अश्विन हेब्बार और श्रीकर भरत सहित सबसे कम चार खिलाड़ियों को बाहर किया है, जबकि शार्दुल ठाकुर पहले ही केकेआर के साथ जुड़ चुके हैं। आईपीएल 2023 की चैंपियन गुजरात टाइटन्स ने कुल नौ खिलाड़ियों से संबंध समाप्त किये हैं। वह रहमानुल्लाह गुरबाज़ और लोकी फर्ग्यूसन को पहले ही केकेआर के सुपुर्द कर चुके हैं, जबकि जेसन रॉय और वरुण आरोन को नीलामी के लिये मुक्त कर दिया गया।

गुजरात से फाइनल हारकर दूसरे स्थान पर रहने वाली राजस्थान रॉयल्स ने चार विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल नौ खिलाड़ियों के साथ अनुबंध समाप्त किया है। रॉयल्स ने टी20 विश्व कप 2021 और 2022 के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के लिये अद्धर्शतक जड़ने वाले डैरिल मिशेल को भी टीम से बाहर कर दिया है। सनराइजर्स के पास 23 दिसंबर की नीलामी के लिए सर्वाधिक 42.25 करोड़ रुपये शेष हैं। इसके बाद पंजाब के पास 32.20 करोड़ रुपये, जबकि लखनऊ के पास 23.35 करोड़ रुपये हैं। मुंबई के पर्स में 20.55 करोड़ रुपये, चेन्नई के पास 20.45 करोड़ रुपये, दिल्ली के पास 19.45 करोड़ रुपये, गुजरात के पास 19.25 करोड़ रुपये, राजस्थान रॉयल्स के पास 13.2 करोड़ रुपये, बैंगलोर के पास 8.75 करोड़ रुपये जबकि केकेआर के पास सबसे कम 7.05 करोड़ रुपये हैं।

मुंबई इंडियन्स की मौजूदा टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), टिम डेविड, रमनदीप सिंह, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, इशान किशन, ट्रिस्टन स्टब्स, डेवल्ड ब्रेविस, जोफ्रा आर्चर, जसप्रीत बुमराह, अर्जुन तेंदुलकर, अरशद खान, कुमार कार्तिकेय, ऋतिक शौकीन, जेसन बेहरेनडोर्फ , आकाश मधवाल।

अनुबंध-मुक्त किए गये खिलाड़ी: कीरन पोलार्ड, अनमोलप्रीत सिंह, आर्यन जुयाल, बासिल थम्पी, डेनियल सैम्स, फैबियन ऐलन, जयदेव उनादकट, मयंक मार्कंडे, मुरुगन अश्विन, राहुल बुद्धि, रिले मेरेडिथ, संजय यादव, टाइमल मिल्स। अदला-बदली के माध्यम से प्राप्त खिलाड़ी : जेसन बेहरेनडॉर्फ

पर्स शेष : 20.55 करोड़ रुपये

विदेशी खिलाड़ियों के लिये शेष स्थान : तीन

चेन्नई सुपर किंग्स की मौजूदा टीम : महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), डेवन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायडू, सुभ्रांशु सेनापति, मोईन अली, शिवम दूबे, राजवर्धन हांगरगेकर, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सेंटनर, रवींद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मथीशा पथिराना, सिमरजीत सिंह, दीपक चाहर, प्रशांत सोलंकी, महेश तीक्षणा।

अनुबंध-मुक्त किये गये खिलाड़ी : ड्वेन ब्रावो, रॉबिन उथप्पा, एडम मिल्ने, हरि निशांत, क्रिस जॉर्डन, भगत वर्मा, केएम आसिफ, नारायण जगदीसन।

शेष पर्स : 20.45 करोड़ रुपये

विदेशी खिलाड़ियों के लिये शेष स्थान : दो

गुजरात टाइटन्स की मौजूदा टीम : हार्दिक पांड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साई सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नालकांडे , जयंत यादव, आर साई किशोर, नूर अहमद

अनुबंध-मुक्त किये गये खिलाड़ी : रहमानुल्ला गुरबाज, लॉकी फर्ग्यूसन, डोमिनिक ड्रेक्स, गुरकीरत सिंह, जेसन रॉय, वरुण आरोन।

पर्स शेष : 19.25 करोड़ रुपये

विदेशी खिलाड़ियों के लिये शेष स्थान : तीन

दिल्ली कैपिटल्स की मौजूदा टीम : ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वॉर्नर, पृथ्वी शॉ, रिपल पटेल, रोवमैन पॉवेल, सरफराज खान, यश ढुल, मिचेल मार्श, ललित यादव, अक्षर पटेल, एनरिक नॉर्खिया, चेतन सकारिया, कमलेश नागरकोटी, खलील अहमद, लुंगी एनगिडी , मुस्तफिजुर रहमान, अमन खान, कुलदीप यादव, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्तवाल

अनुबंध-मुक्त खिलाड़ी : शार्दुल ठाकुर, टिम सेफर्ट, अश्विन हेब्बार, श्रीकर भारत, मनदीप सिंह। अदला-बदली के माध्यम से प्राप्त खिलाड़ी : अमन खान

पर्स शेष: 19.45 करोड़ रुपये

विदेशी खिलाड़ियों के लिये शेष स्थान : 2

जापान का सबसे गहरा रेल्वे स्टेशन "दोआई" निश्चित रुप से बेहद डरावना भी है। गुनमा प्रांत का यह स्टेशन, गर्म चश्मे वाले शहर, मीनाकामी के पास शीमीज़ू सुरंग में बहुत गहराई में है। शीमीज़ू कभी जापान की सबसे लम्बी सुरंग हुआ करती थी। वर्ष 1931 में जब यह सुरंग बनी थी तो टोक्यो से नीगाता के बीच की दूरी चार घंटे कम हो गई थी। दोआई स्टेशन से ट्रेन में सवार होने वाले यात्रियों को प्रवेशद्वार से 70 मीटर नीचे गहराई में जाना पड़ता है। इसलिए यह जापान का सबसे गहरा रेल्वे स्टेशन कहलाता है। इससे पहले यह उपाधि होकायडो के योशीओका-काइतेई स्टेशन के पास थी, जो 2014 में बंद हो गया। दोआई का डिज़ाईन बहुत अनूठा है। इसमें दो पृथक सिंगल साइड प्लेटफॉर्म हैं जो अलग- अलग ऊंचाई पर बने हैं। दक्षिण की तरफ जाने वाली ट्रेनों के लिए प्लेटफार्म प्रवेशद्वार से कुछ सीढ़ी उतरते ही है और उत्तर की तरफ जाने वाली ट्रेनों वाले प्लेटफॉर्म पर पहुँचने के लिए एक गहरी सुरंग से होकर जाना पड़ता है। यह रास्ता बहुत ठंडा और गुफा जैसा है तथा प्लेटफॉर्म तक पहुँचने के लिए 486 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं। जब ट्रेन यहां से गुजरती है तो बहुत तेज हवा आती है। इसकी एक और अजीब बात यह है कि, यह एक अनमैन्ड स्टेशन है, अर्थात् यहां टिकट चैक करने तक के लिए कोई कर्मचारी नहीं है। यात्रियों से ज्यादा यहाँ "गोस्ट हंटिंग" के शौकीन पर्यटक आते हैं।

एकल पट्टा प्रकरण में यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल को राहत

जयपुर 15 नवम्बर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एकल पट्टा प्रकरण में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल को बड़ी राहत दी है। अदालत ने ए.सी.बी. कोर्ट में चल रही प्रोटैस्ट पिटिशन समेत अन्य आपराधिक कार्रवाई को शांति धारीवाल की हद तक रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि, प्रकरण में याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है, ऐसे में यदि उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रखी गई तो वह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। जस्टिस नरेन्द्र सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश शांति धारीवाल की आपराधिक याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

■ **राजस्थान हाई कोर्ट ने ए.सी.बी. कोर्ट की कार्रवाई रद्द करने के आदेश दिए।**

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, एफ.आई.आर में याचिकाकर्ता शांति धारीवाल का नाम नहीं है। नगरीय विकास विभाग (यूडीएच) के प्रमुख सचिव ने एकल पट्टा की फाइल यूडीएच मंत्री के समक्ष रखी थी, जिसे हाईकोर्ट के आदेश के तहत परीक्षण के बाद वापस विभाग में भेजा गया। वहीं जेडीए ने गणपति कंस्ट्रक्शन कंपनी के पार्टनर शैलेन्द्र गर्ग को जारी एकल पट्टा भी निरस्त कर दिया है।

मामले में रामशरण सिंह की शिकायत पर तत्कालीन जोन उपायुक्त ओंकारमल सैनी, निष्काम दिवाकर, यूडीए के पूर्व सचिव जी.एस. संधू और शैलेन्द्र गर्ग के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया गया, लेकिन याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई जांच लंबित नहीं रखी गई। ए.सी.बी. कोर्ट की ओर से 3 मार्च 2016 को लिए प्रसंज्ञान में भी एक शब्द भी यूडीएच मंत्री के खिलाफ नहीं लिखा गया।

एसीबी की प्रगति रिपोर्ट में भी याचिकाकर्ता का अपराध प्रमाणित नहीं माना। एसीबी द्वारा 7 जुलाई 2021 को पेश एफ.आर. में भी इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है। ऐसे में एसीबी कोर्ट ने मामले की अग्रिम जांच के आदेश गलत दिए है।

याचिका में कहा गया कि, ए.सी.बी. कोर्ट ने गत 13 जून 2019 और 7 जुलाई 2021 की क्लोजर रिपोर्ट को निरस्त करते हुए कुछ बिन्दुओं पर अग्रिम जांच के आदेश दिए थे। एकल पट्टा प्रकरण के वक्त भी शांति धारीवाल यूडीएच मंत्री थे, इसके बाद भी प्रकरण में अभियोजन स्वीकृति नहीं ली गई थी। यूडीएच विभाग ने एकल पट्टे के लिए 1 अप्रैल 2011 को स्वीकृति दी थी। जिसके आधार पर जेडीए ने 29 जून 2011 को पट्टा जारी किया था, लेकिन पट्टे में रही त्रुटि के कारण 10 मई 2013 को पट्टा निरस्त कर दिया। इसके बावजूद डेढ़ साल बाद एसीबी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। एफ.आई.आर., प्रथम और पूरक चार्जशीट के साथ ही पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी की अग्रिम अनुसंधान रिपोर्ट में शांति धारीवाल का नाम नहीं था। इसके बावजूद परिवादी ने गत 3 जनवरी को प्रोटैस्ट प्रार्थना पत्र पेश कर याचिकाकर्ता को आरोपी बनाने की प्रार्थना की। जिस पर सुनवाई करते हुए 18 अप्रैल 2022 को ए.सी.बी. कोर्ट ने कुछ बिन्दुओं पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से अग्रिम जांच के आदेश दे दिए।

राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता ने भी याचिकाकर्ता का समर्थन करते हुए कहा कि, जांच में शांति धारीवाल के खिलाफ अपराध साबित नहीं था। ए.सी.बी. ने सह आरोपियों के खिलाफ अभियोजन वापस लेने का प्रार्थना पत्र भी पेश किया था, लेकिन ए.सी.बी. कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। जिसकी अपील हाईकोर्ट में लंबित है।

एमेज़ॉन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस नये हमले के अन्तर्गत, ऑर्गनाइज़र ने अपनी कवर स्टोरी में आरोप लगाया है कि "अमेरिकन बैप्टिस्ट चर्च" (ए.बी.एम.) नामक एक संगठन से कंपनी के वित्तीय संबंध हैं जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत में "धर्म-परिवर्तन अभियान" चलाना है। पत्रिका ने आरोप लगाया है कि ए.बी.एम., ऑल इंडिया मिशन (ए.आई.एम.) नामक एक मोर्चा चला रहा है, जिसने पूर्वोत्तर में 25,000 लोगों का धर्मान्तरण करके उन्हें ईसाई बना दिया है। एमेज़ॉन ने इन आरोपों का खण्डन किया है तथा कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा है कि एमेज़ॉन इंडिया का ए.आई.एम. या इससे सम्बद्ध संगठनों से कोई संबंध नहीं है।

प्रसंगवश बता दें कि अरुणाचल प्रदेश के एक संगठन ने नैशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स" (एन.सी.पी.सी.आर.) के पास शिकायत भेजी थी कि इस सीमावर्ती राज्य में धर्मान्तरण किया जा रहा है। इसके बाद, आयोग ने एमेज़ॉन के खिलाफ लगाये गये आरोपों की जाँच चला रखी है।

टी.आर.एस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप लगाया गया था कि यह कंपनी उपचुनाव के दौरान मुनुगोडे चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं का पैसा बाँटा करती थी।

जी.एस.टी. अधिकारियों ने कथित रूप से कम्पनी के अधिकारियों से कुछ वित्तीय लेन देन के बारे में पूछताछ की और जांच के लिए कम्पनी के बही खाते जब्त कर लिए और कम्पनी के ऑडिटर्स को भी सम्मन भेजा।

कहा जा रहा है कि ये रेड्स राज्य के कल्याण मंत्री गांगुला कमलाकर पर ई.डी. रेड्स के प्रतिकार में डाली गई है, आरोप है कि वे ग्रेनाइट स्कैम में लिप्त हैं।

मुनुगोडे उपचुनाव में भाजपा की कड़ी टक्कर से परेशान टी.आर.एस. नेतृत्व ने पार्टी को मजबूत बनाना शुरु कर दिया है। ताकि भाजपा की ग्रोथ पर नियंत्रण लगाया जा सके। मुनुगोडे विधानसभा उपचुनाव यहां के विकास के राजगोपाल रेड्डी के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने की वजह से हुए थे। वे उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी थे।

ऐसे समय में जब भाजपा को विभिन्न राजनैतिक दलो के नेताओं के आगमन स्थल पर में देखा जा रहा है, और इसे टी.आर.एस. का विकल्प माना जा रहा है। इसलिए पार्टी इस अवधारणा को तोड़ने के लिए भाजपा के नेताओं को अपनी तरफ लाने की पूरी कोशिश कर रही है। इस सम्बंध में टी.आर.एस. अपने उन नेताओं को वापस लाने के प्रयास में है जो पार्टी छोड़कर भाजपा में चले गए थे। उन्हें सरकार में ऊंचे पद की पेशकश की जा रही है। टी.आर.एस. ओर भाजपा नेताओं ने इस स्थिति पर टिप्पणी करने से मना कर दिया।

समझा जाता है कि वार्ता अग्रिम दौर में है। पता चला है कि भाजपा मुख्यालय ने तेलंगाना के अपने वरिष्ठ नेताओं को इन हालात पर चर्चा के लिए दिल्ली बुलाया है।

इसी बीच टी.आर.एस. और भाजपा के बीच राजनैतिक टकराव ऐसी स्थिति में पहुंच गया है कि मुख्यमंत्री के.सी.आर. राजनैतिक शिष्टाचार निभाना भी भूल गए हैं। हाल ही में उन्होंने राज्य के दौरे पर आएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करने का शिष्टाचार तक नहीं निभाया। इससे पहले भी प्रधानमंत्री के हैदराबाद आने पर वे उनसे नहीं मिले थे।

'भारत जोड़ो यात्रा ने "असली" राहुल गांधी को दुनिया के सामने पेश किया है'

जयराम रमेश ने कहा कि, भाजपा ने सोशल मीडिया के मार्फत राहुल गांधी की गलत छवि पेश कर दी थी, अब वही सोशल मीडिया कह रहा है कि, यह राहुल गांधी वो नहीं हैं जैसा 70 दिन पहले थे

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। पिछले 2 महीनों से ज्यादा दिनों से चली आ रही भारत जोड़ो यात्रा बुधवार को महाराष्ट्र में शुरु हो चुकी है। राहुल गांधी की इस यात्रा में कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के नेता समेत ब्लॉक के कार्यकर्ता और नेता शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं के अनुसार, इस पदयात्रा को जनता के के द्वारा जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। इसी बीच आज कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि, इस यात्रा से असली राहुल गांधी जनता के सामने आए हैं।

■ **जयराम रमेश ने कहा कि, राहुल गांधी कोई ब्रैण्ड नहीं है जिसकी रीब्रैण्डिंग करनी पड़े। भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल गांधी की जो छवि सामने रखी है, वही असली राहुल गांधी हैं।**

जयराम रमेश ने कहा कि, राहुल गांधी के अगुवाई में पूरे देश में की जा रही यात्रा का किसी भी राज्य के चुनाव से कोई संबंध नहीं है और अगर इसके प्रभाव का आंकलन करना है तो यह 2024 के लोकसभा चुनाव में ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा कहा कि, राहुल गांधी डेटॉल या फेविकोल ब्रांड नहीं हैं कि उन्हें फिर से रीब्रांडेड करना पड़े। उन्होंने कहा, भारत जोड़ो यात्रा से पहले भाजपा ने उनकी खास छवि बना दी थी, खासकर सोशल मीडिया पर। इसने कभी भी सही राहुल गांधी को चित्रित नहीं किया। भारत जोड़ो यात्रा नए राहुल गांधी को नहीं, असली राहुल गांधी को दिखा रही है।

जयराम रमेश के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी की छवि में पूरी तरह से बदलाव आया है। आज मीडिया या सोशल मीडिया में राहुल गांधी वैसे नहीं हैं जो 70 दिन पहले थे। उन्होंने कहा कि 3,570 किलोमीटर लंबी यात्रा का फायदा यह है कि वह (राहुल) बिना किसी बिचौलिए के, लोगों के साथ सीधे संपर्क में हैं। इसका नतीजा यह है कि असली राहुल गांधी सबके सामने हैं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि, यात्रा का चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है और यह एक अलग पहल है। उन्होंने कहा, यह एक राजनीतिक दल की यात्रा है और हम समाज में आर्थिक असमानता, ध्रुवीकरण जैसी राजनीतिक चुनौतियों से लड़ रहे हैं। यात्रा में शामिल 90 फीसदी लोग राजनीतिक हैं।

ज्ञानवापी मस्जिद केस में अखिलेश व ओवैसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा

■ **वाराणसी की जिला अदालत ने दोनों नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया।**

■ **कोर्ट में एक याचिका दायर कर मांग की गई थी कि, अखिलेश यादव और ओवैसी के खिलाफ मुकदमा चलाया जाये। याचिका में कहा गया था कि, दोनों नेताओं ने ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट और जिला अदालत के फैसलों के खिलाफ टी.वी. चैनल्स पर बयानबाजियां की थीं, जिससे हिंदुओं की भावनायें आहत हुई हैं।**

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। वाराणसी के ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। इस मामले में कोर्ट ने ओवैसी और अखिलेश यादव पर केस दर्ज करने की याचिका मंजूर कर ली है। पोषणीयता को लेकर चल रही बहस पर वादी वकील हरिशंकर पांडेय को बड़ी जीत हासिल हुई है। ओवैसी और अखिलेश यादव ने टी.वी. चैनलों पर बयानबाजी की थी।

गौरतलब है कि कोर्ट मंगलवार की दोपहर बाद करीब दो बजे समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के ज्ञानवापी पर दिए विवादित टिप्पणी के मामले में सुनवाई कर रहा था। इस मामले में पूर्व में भी सुनवाई के बाद आदेश को सुरक्षित रखा गया था। आज ये सुनवाई ए.सी.जे.एम. पंचम एम.पी./एम.एल.ए. उज्ज्वल उपाध्याय की अदालत में हुई। गौरतलब है कि इस मामले में वकील हरिशंकर पांडेय के प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि अखिलेश यादव और असदुद्दीन ओवैसी ने ज्ञानवापी प्रकरण में अनर्गल टिप्पणी कीं, जिससे हिंदुओं की भावना आहत हुई है। इसलिए इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हो।

अन्ततोगत्वा रिपब्लिकन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोशल मीडिया के माध्यम से हुए ट्रम्प के हमले के बाद से डीसैन्टिस ने उनके खिलाफ कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है, लेकिन लगता है कि ट्विटर पर डीसैन्टिस का मुख्य फोकस तूफान "निकल" से हुई तबाही के बाद ही स्थिति को फिर से व्यवस्थित करने पर है। इस तूफान से फ्लोरिडा के पूर्व तट पर गुरूवार को तबाही मची थी तथा इसे प्रथम श्रेणी का तूफान माना गया था। गवर्नर डीसैन्टिस की रेपिड रिस्पांस डायरैक्टर क्रिस्टिना पुशॉ ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि "तूफान से ध्वस्त हुई सड़क को साढ़े सात घंटे में दुरूस्त कर दिया गया। यदि यहां अभी डैमोक्रेट्स की सरकार होती तो इस काम में महीनों-साल लग जाते। फ्लोरिडा के नेतृत्व का आभार।"

डीसैन्टिस ने हालांकि ऐसा कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है कि वह वर्ष 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में हिस्सा लेंगे, जबकि ट्रम्प ने फ्लोरिडा बीच स्थित "मार-ए-लागो" रिज़ार्ट से मंगलवार को इसको लेकर एक बड़ी घोषणा की। डिसैन्टिस के सहयोगियों को उम्मीद है कि मई माह में होने वाले फ्लोरिडा के विधानसभा सत्र के बाद ही वह वर्ष 2024 को अपनी योजनाओं की घोषणा करेंगे।

रिपब्लिकन्स में डीसैन्टिस और ट्रम्प के अलावा जिन नेताओं को राष्ट्रपति चुनाव के संभावित प्रत्याशी के रूप में देखा जा रहा है, उनमें देश के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस, पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली और वर्जीनिया के गवर्नर ग्लेन योंग्किन शामिल हैं।

मैनपुरी सीट पर भाजपा ने शिवपाल यादव के नजदीकी को टिकट दिया

भाजपा ने उम्मीदवार उतारकर मुकाबला बेहद रोचक कर दिया है

लखनऊ, 15 नवम्बर। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने जा रहा उपचुनाव काफी दिलचस्प होता जा रहा है। समाजवादी पार्टी ने इस सीट से अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को उम्मीदवार बनाया है, वहीं बीजेपी से रघुराज सिंह शाक्य इस चुनाव में डिंपल के खिलाफ खड़े हुए हैं और वह बुधवार को नामांकन करेंगे। ये वही रघुराज हैं, जिन्हें शिवपाल सिंह यादव का करीबी माना जाता है। हैरानी की बात ये भी है कि एक तरफ शिवपाल के करीबी डिंपल के खिलाफ चुनाव में खड़े हुए हैं, वहीं यू.पी. में सपा ने जो अपने स्टार प्रचारक घोषित किए हैं, उसमें शिवपाल सिंह यादव भी हैं।

■ **पहले तो माना जा रहा था कि, शायद भाजपा मुलायम सिंह के सम्मान में कोई उम्मीदवार नहीं उतारेगी।**

■ **देखना यह है कि, शिवपाल यादव अपने ही बेहद करीबी रहे रघुराज सिंह शाक्य के खिलाफ किस तरह से चुनाव प्रचार करते हैं।**

मैनपुरी सीट सपा के पूर्व अध्यक्ष व यू.पी. के सी.एम. रहे मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई है। पहले ऐसा माना जा रहा था कि मुलायम सिंह के सम्मान में भाजपा इस सीट से अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतारेगी। लेकिन आखिरी वक्त में भाजपा ने रघुराज सिंह शाक्य को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव समेत अन्य राज्यों के विधानसभा उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। मगर पूरे देश की निगाह मैनपुरी लोकसभा सीट पर है, जहां से अखिलेश यादव की पत्नी अपने ससुर मुलायम सिंह यादव की सीट पर चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा ने यहां से रघुराज सिंह शाक्य को खास रणनीति के तहत उतारा है।

रघुराज सिंह शाक्य मुलायम सिंह के भाई शिवपाल यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष रहे। वहीं इससे पहले वह 1999 और 2004 में समाजवादी पार्टी की टिकट पर इटावा के सदर सीट से सांसद रह चुके हैं। साथ ही 2012 में इटावा के सदर से विधायक रह चुके हैं। 2017 विधानसभा चुनाव से पहले सपा में फूट पड़ने के बाद वह शिवपाल यादव के साथ हो लिए थे, क्योंकि रघुराज सिंह शाक्य उनके काफी करीबी थे। मगर यू.पी. इलेक्शन 2022 में वह भाजपा में शामिल हो गए। शाक्य मूल रूप से इटावा के निवासी हैं। उनके पिता रामसिंह शाक्य भी पूर्व सांसद रह चुके हैं।

सरदारशहर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोषणा की गई है।

पिंचा पर एक बार फिर से भरोसा जताने में दिलचस्प बात यह है कि वह 4 विधानसभा चुनावों में हार का सामना कर चुके हैं उन्हें अब छठी बार टिकट दिया जा रहा है। भाजपा के सियासी गलियारों में भी इसे लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका है। इधर सियासी गलियारों में चर्चा है कि अशोक कुमार पिंचा को प्रत्याशी बनवाने में भाजपा के उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और रतनगढ़ से भाजपा विधायक अभिनेष महर्षि की जमकर चली।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया भी चूरू जिले के राजगढ़ के ही मूल निवासी हैं। बताया जा रहा है कि तीनों नेताओं की सिफारिश पर ही पिंचा पर पार्टी ने फिर एक बार भरोसा जताया है। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि पिंचा पूर्व मुख्यमंत्री वसुधरा राजे के समर्थक हैं। पहले भी राजे ने हारने के बाद भी पिंचा को टिकट दिया था। यह भी कहा जा रहा है कि संगठन के नेता इस सीट पर किसी जाट या ब्राह्मण पर दाव खेलना चाहते थे, लेकिन अन्त में पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने पिंचा का टिकट दिया। पिंचा ने 1998 में भाजपा के टिकट पर पहली बार सरदारशहर सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

उसके बाद 2003, 2013 और 2018 के विधानसभा चुनाव में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हालांकि वर्ष 2008 के विधानसभा चुनाव पिंचा जीत गए थे। उन्होंने इसमें कांग्रेस प्रत्याशी भंवरलाल शर्मा को हराया था। चौबीस जुलाई 1960 को जन्मे अशोक कुमार पिंचा ने बीकॉम और बीएएमएस की पढ़ाई की है। वह शुरू से ही संघ से जुड़े रहे हैं और आरएसएस और जनसंघ के कार्यक्रमों में बढ़ -चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैं।

अशोक कुमार ने पहली बार 1990 में हुए पालिका के चुनाव में पार्षद का चुनाव जीतकर राजनीति में कदम रखा था। वर्ष 1995 में वह सरदारशहर पालिका में उपाध्यक्ष रहे और उसके बाद उन्होंने 1998 में भाजपा के टिकट पर पहली बार सरदारशहर से विधानसभा का चुनाव लड़ा। उनकी पत्नी सुषमा पिंचा वर्ष 2015 में सरदारशहर नगर पालिका अध्यक्ष चुनी गई थीं। कांग्रेस नेता भंवर लाल शर्मा के निधन के कारण यहां विधानसभा उपचुनाव हो रहा है। वह गत विधानसभा चुनाव में सरदारशहर से विधायक निर्वाचित हुए थे।

प्रेस काउन्सिल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निगमों द्वारा इसे दिये गए विज्ञापनों ने, विज्ञापनों से होने वाली आय के लिहाज़ से, इसे नौवे स्थान पर उतार दिया है। इस अखबार द्वारा पेश किये गये तथ्यात्मक आँकड़े दर्शाते हैं कि, इसे वर्ष 2020 के प्रथम 10 महीनों तथा वर्ष 2022 के प्रथम सात महीनों में राज्य के डायरैक्टोरेट ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड पब्लिक रिलेशन (डी.आई.पी.आर.) से शून्य विज्ञापन प्राप्त हुये, अर्थात् कोई विज्ञापन प्राप्त नहीं हुआ। सन् 2021 में भी, जब पी.सी.आई. ने भेदभाव बरतने के संबंध में राज्य सरकार को नोटिस जारी किया, तब कहीं जाकर इसे करीब 10 प्रतिशत जैसी नगण्य राशि के ही विज्ञापन जारी किये गये।

जाँच रिपोर्ट में, "भेदभाव पूर्ण तरीके" तथा राज्य सरकार की "मॉडल एडवरटिज़मैंट पॉलिसी गाइड, 2014" के उल्लंघन को दर्शाने वाले बयान के लिये मुख्यमंत्री पर प्रहार किया गया है। पी.सी.आई. ने राज्य सरकार के इस दावे को खारिज कर दिया कि यह मामला प्रैस काउंसिल के अधिकार क्षेत्र की परिधि में नहीं है तथा इसलिये इसे राज्य सरकार को कोई भी निर्देश जारी करने का अधिकार नहीं है, क्योंकि इसका अधिकार क्षेत्र केवल समाचार पत्रों तथा समाचार एजेंसियों तक सीमित है।

पी.सी.आई. इस अखबार की इस बात से सहमत थी कि, राज्य सरकार ने क्षेत्राधिकार के मुद्दे को जाँच रोकने के उद्देश्य से उठाया है, जबकि संसद के एक अधिनियम के जरिये स्थापित पी.सी.आई. के उद्देश्य में साफ तौर पर कहा गया है कि, इसका उद्देश्य भारत में प्रैस की स्वतंत्रता को संरक्षण प्रदान करना तथा प्रैस के स्तर का सुधार करना है। पी.सी.आई. एक्ट, 1978 की धारा 13(1) इसी सिद्धांत को साकार करती है तथा धारा 13(2) आगे पुन: कहती है कि, प्रैस काउंसिल का मुख्य काम समाचार एजेंसियों तथा समाचार पत्रों की, उनकी स्वतंत्रता बनाये रखने के मामले में, मदद करना है।

'पी.सी.आई. "सैंसर बोर्ड" नहीं है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पल के दौरान ज़बान फिसलने की संज्ञा नहीं दी जा सकती, क्योंकि मुख्यमंत्री के बयान के बाद वहां बैठे पत्रकारों ने तुरंत कहा कि उनका बयान रिकॉर्ड हो रहा है। तब मुख्यमंत्री गहलोत ने अहंकार से मुस्कराते हुए कहा कि "अच्छा है, आप में से कई हैं जो मुझे खुश करना चाहेंगे।"

प्रैस काउन्सिल ने मुख्यमंत्री के उक्त बयान के खिलाफ 13 जनवरी, 2020 को स्वत: संज्ञान लिया था और राज्य सरकार को जवाब प्रस्तुति के लिये नोटिस भेजा था।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की ओर से पिछले तीन साल में कभी भी इस बात का खंडन नहीं किया गया कि मुख्यमंत्री ने मीडिया को धमकी दी थी, बल्कि जब प्रैस काउन्सिल की इन्क्वायरी कमेटी ने सरकार की विज्ञापन नीति और 2020 से जारी किये गये विज्ञापनों का रिकॉर्ड मांगा तो तब यह जाहिर हो गया था कि सरकार अपना जवाब प्रस्तुत नहीं करना चाहती और तारीख ले-लेकर मामले को आगे खिसकाना चाहती है। प्रैस कांउसिल की कमेटी ने कई बार सरकार की तारीख लेने की आदत पर नाराजगी भी जताई थी।

पर यह मामला केवल मीडिया को दी गई धमकी का ही नहीं है बल्कि धमकी को अमल में लाने के तरीकों का भी है। क्योंकि राज्य सरकार ने अपनी ही विज्ञापन नीति के खिलाफ जाकर जबानी आदेश से राष्ट्रदूत अखबार के सभी विज्ञापन बंद कर दिए थे, और 2020 से अभी तक यही स्थिति है। जबकि सरकार द्वारा प्रैस काउन्सिल में दिये आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि राष्ट्रदूत प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा अखबार है। जवाब में राष्ट्रदूत ने यह भी स्पष्ट किया कि गहलोत के बयान की इस अखबार ने कड़ी आलोचना की थी और उसके बाद समय-समय पर प्रमाणों पर आधारित आलोचना की थी। इसके फलस्वरूप राष्ट्रदूत को तीन साल में पूर्व वर्षों के अनुपात में केवल 10 प्रतिशत विज्ञापन ही जारी किये गये जो प्रसारण संख्या के आधार पर प्रदेश के 14वें नम्बर के अखबार से भी कम हैं। इसके अलावा भी सरकार द्वारा जारी विज्ञापनों के आंकड़ों में कई अखबारों के साथ भेदभाव किया गया है। जब राज्य सरकार से राष्ट्रदूत को विज्ञापन नहीं दिए जाने के बारे में पूछा गया तो अपना पक्ष रखते हुए राज्य सरकार ने पी.सी.आई. की जांच समिति को कहा कि राष्ट्रदूत अखबार हमारे मुख्यमंत्री की बहुत ही ज्यादा आलोचना करता है। परन्तु उल्लेखनीय है कि जब से सरकार सत्ता में है कभी उसने अखबार में छपी किसी भी "आलोचनात्मक खबर" का खंडन नहीं किया ना ही पी.सी.आई. में शिकायत की।

■ **पी.सी.आई. के आदेश में यह कहा गया कि, विज्ञापन सरकारी अनुदान नहीं हैं, और यह सरकार की मनमानी से नहीं दिए जा सकते। पी.सी.आई. ने यह भी कहा है कि, विज्ञापन जारी करना राजनीतिक प्रतिबद्धता से निर्धारित नहीं हो सकता।**

इस मामले में सबसे गंभीर बात यह है कि 24 मार्च 2021 में राज्य सरकार द्वारा प्रैस काउन्सिल में जवाब दायर किया गया जिसमें उन्होंने कहा कि पी.सी.आई. का कार्यक्षेत्र केवल न्यूज एजेंसियों तथा अखबारों को "सैंसर" करने का है।

सरकार की इस दलील के जवाब में राष्ट्रदूत की ओर से पी.सी.आई. को पत्र लिखा गया और स्पष्ट किया गया कि प्रैस काउन्सिल की स्थापना भारत में प्रैस के स्तर को बेहतर करने और मीडिया की स्वतंत्रता को बरकरार रखने के लिये किया गया था। प्रैस काउन्सिल एक्ट 1978 की धारा 13(1),13(2)(ए) इन्हीं सिद्धांतों को स्थापित करता है। उल्लेखनीय है कि पी.सी.आई. का गठन 1966 में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई प्रैस कमीशन की बैठक के बाद किया गया था।

पी.सी.आई. ने 15 नवम्बर को प्रकाशित अपने फैसले में कहा है कि प्रैस काउन्सिल की स्थापना यकीनन देशभर में अखबारों-न्यूज एजेंसियों की स्वतंत्रता को बचाने के लिये हुई थी। इस आदेश में आगे कहा कि प्रैस काउन्सिल एक्ट,1978 के तहत पी.सी.आई. को ऐसी किसी भी गतिविधि या नीति पर नजर रखनी होती है जिससे जनहित में जारी न्यूज के प्रसारण और प्रकाशन में बाधा उत्पन्न हो। पी.सी.आई.ने आगे कहा कि सरकार की विज्ञापन नीति तदर्थ नहीं हो सकती और यह नीति तर्क संगत मापदंडों पर चलनी चाहिये। आदेश में आगे कहा गया है कि "राजनीतिक कारण" विज्ञापन जारी करने की नीति को प्रभावित नहीं कर सकते। विज्ञापन अखबारों की आर्थिक व्यवहार्यता के लिए आवश्यक है।

पी.सी.आई.ने अपने आदेश में कहा है कि विज्ञापन अनुदान नहीं है और इसे प्रशासन अपनी इच्छानुसार जारी नहीं कर सकता। पी.सी.आई. की इंक्वायरी कमेटी ने सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़े और राष्ट्रदूत द्वारा उन्हीं आंकड़ों को आधार बनाकर पेश किये गये तथ्यों को देखा और कहा कि ऐसा जाहिर है कि विज्ञापन जारी करने में राष्ट्रदूत के साथ पक्षपात किया गया है जिससे साफ जाहिर है कि गहलोत सरकार ने ना केवल मीडिया को धमकी दी है बल्कि अपना नजरिया प्रकाशित करने के लिये धमकी पर अमल भी किया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600